खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा के डर से नोटिस वापस नहीं लिए गए : सीएम सिद्धारमैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 05 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-305

भ्रष्टाचार, पेपर लीक, परिवारवाद और झूठे वादों पर पीएम मोदी का हमला

झारखंड की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की गारंटी भाजपा की

रांची, 04 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर आयोजित चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए भ्रष्टाचार, पेपरलीक, परिवारवाद और झूठे वादों पर कड़ा हमला किया। पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड की सुरक्षा और प्रतिष्ठा के साथ-साथ झारखंड राज्य के विकास और उसकी खुशहाली की गारंटी केवल भाजपा ही ले सकती है, क्योंकि भाजपा ही गारंटी को पूरा भी करती है।

झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोरों पर है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी झारखंड में थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को झारखंड के गढ़वा और चाईबासा के कोल्हान में हुई रैली में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद पर जमकर प्रहार किया। पीएम ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस-राजद के नेता भ्रष्टाचार के पुरोधा हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार, पेपर लीक से लेकर परिवारवाद और झूठे वादों तक, लगभग हर मुद्दों पर हेमंत सोरेन सरकार को खरी-खोटी सुनाई। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, झारखंड की जनता इंडी अलायंस की सरकार को उखाड़ कर कमल खिलाने को आतुर है। आपने कुछ महीने पहले दिल्ली में लगातार तीसरी बार भाजपा-एनडीए सरकार बनाई। अब झारखंड में विधानसभा का चुनाव है, हम सभी को मिलकर यहां भाजपा-एनडीए के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनानी है। मैं आज आप सबका आशीर्वाद मांगने आया हूं। आज झारखंड में हर तरफ एक ही गूंज है, रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-एनडीए की सरकार।

झारखंड में सत्ता की तिकड़ी पर जमकर बरसे मोदी

झामुमो-कांग्रेस-राजद के नेता भ्रष्टाचार के पुरोधा हैं

कांग्रेस ने आदिवासी युवकों पर गोलियां चलवाई थीं

झारखंड के विरोधी राजद की गोद में बैठी झामुमो

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय छठ का उत्साह भी चारों तरफ दिख रहा है। मैं छठी मैया की उपासना करने वालों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। झारखंड में ये चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब पूरा देश विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है। यानी, आने वाले 25 वर्ष देश और झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे और झारखंड भी तब 50 वर्ष का होने वाला होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा झारखंड की सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता व समृद्धि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। मैं झारखंड भाजपा को बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि कल झारखंड भाजपा ने बहुत ही शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। ये संकल्प पत्र रोटी-बेटी-माटी के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। माताओं, बहनों, बेटियों के कल्याण के लिए झारखंड भाजपा के संकल्प पत्र में अनेक संकल्प लिए गए हैं।

▶10 पर

संकल्प पत्र में भाजपा ने किए हैं कई बड़े वादे

रांची, 04 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में कई बड़े वादे किए हैं। जिनमें झारखंड की माताओं-बहनों को गोगो दीदी योजना के माध्यम से प्रतिमाह 11 तारीख को 2,100 रुपए देने का ऐलान किया गया है। साथ ही फूलो-झानो पढ़ो बिटिया योजना के तहत गरीब और पिछड़े वर्ग की बेटियों को केजी से लेकर पीजी यानी परास्नातक तक की मुफ्त पढ़ाई का वादा, पांच एकड़ तक की भूमि पर 5000 रुपए प्रति एकड़ के लिए कृषि आशीर्वाद योजना लागू करने और कृषक सुन-नीति के तहत 3100 रुपए प्रति क्विंटल तक धान की खरीद का वादा, झारखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और उससे आदिवासी समुदाय को बाहर रखने का भी वादा किया गया है।

अनुच्छेद 370 हटाने के पीडीपी के प्रस्ताव का भाजपा ने किया विरोध

यह पीडीपी का महज प्रचार-हथकंडा है: उमर

श्रीनगर, 04 नवंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर विधानसभा के पहले ही सत्र में पीडीपी विधायक वहीद उर रहमान पारा ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग का प्रस्ताव पेश कर अपनी पार्टी को प्रासंगिक बनाए रखने की नाराम कोशिश की। भाजपा ने इस प्रस्ताव का जबरदस्त विरोध किया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुला ने इसे पीडीपी का प्रचार-हथकंडा बताया तो विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने पीडीपी के प्रस्ताव की जांच कराने की बात कही।

पीडीपी के इस कदम से सदन में भारी हंगामा हुआ और भाजपा विधायकों ने अध्यक्ष से इस प्रस्ताव को तुरंत रद्द करने का आग्रह किया। भाजपा सदस्यों की नाराजगी को शांत करने की कोशिश करते हुए विधानसभा अध्यक्ष राथर ने कहा, यह मेरा अधिकार क्षेत्र है, मुझे इसकी जांच करने दीजिए और उसके अनुसार मैं प्रस्ताव पर निर्णय लूंगा। भाजपा के 28 विधायक विधानसभा अध्यक्ष के इस जवाब सेसंतुष्ट नहीं थे और वे विरोध में सदन में खड़े रहे। भाजपा के नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि यह पहले दिन नहीं किया जाता है, इस तरह की चीजें सदन में बाद में पेश की जाती हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, मैंने अभी तक यह कॉपी नहीं देखी है। मुझे इसे देखने दीजिए और इसकी जांच करने दीजिए। अगर आपने (भाजपा) इस सदन को नहीं चलने देने का फैसला किया है, तो मैं कुछ नहीं कह सकता। सदन में हंगामा जारी रहा क्योंकि भाजपा विधायकों ने अपनी कुर्सियों पर बैठने से इन्कार कर दिया और विधायक पारा द्वारा लाए गए प्रस्ताव को रद्द करने की मांग करते रहे।

ध्वनिमत से विधानसभा अध्यक्ष चुने गए अब्दुल रहीम राथर

विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए राथर

श्रीनगर, 04 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के वरिष्ठ नेता और चरार-ए-शरीफ से सात बार के विधायक अब्दुल रहीम राथर विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का सोमवार को पहला अध्यक्ष चुनाव हुआ। विपक्ष द्वारा इस पद के लिए चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय किए जाने के बाद राथर (80) को ध्वनिमत से अध्यक्ष चुन लिया गया। प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल ने चुनाव प्रक्रिया का संचालन किया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर अब्दुल रहीम राथर को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा, पूरे सदन की ओर से मैं आपको बधाई देता हूं। आप अध्यक्ष पद के लिए स्वाभाविक पसंद थे। आपके अध्यक्ष चुने जाने पर किसी ने आपत्ति नहीं की। अब आप इस सदन के संरक्षक बन गए हैं।

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,782.24
-941.88 -1.18% ↓

एनएसई :23,995.35
-309.00 (-1.27%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 22^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 81,090/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,405/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

अल्मोड़ा में यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी, 38 यात्रियों की मौत

अल्मोड़ा, 04 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई। हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हैं। बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। हादसे के बाद कुछ यात्री खुद ही बस से बाहर निकल आए। कुछ लोग छिटक कर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई।

नैनी डांडा से रामनगर जा रही बस आज सुबह खाई में गिर गई। गीत जागीर नदी के किनारे गिरी बस में 38 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने का आदेश दिया। सीएम ने मृतक परिजनों को 4-4 लाख रुपए और घायलों को 1-1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

बेअंत हत्याकांड के दोषी की दया याचिका पर अधर की स्थिति क्यों?

केंद्र फैसला ले, वरना हम विचार करेंगे: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र सरकार बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका पर फैसला नहीं करती है तो इस पर हम विचार करेंगे। बेअंत सिंह पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री थे, जिनकी वर्ष 1995 में हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में बलवत सिंह राज-ोआना को दोषी ठहराया गया था। राजोआना को फांसी की सजा मिली हुई है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने बलवंत सिंह राजोआना की याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। याचिका में कहा गया है कि उसकी दया याचिका पर फैसला लेने में हुई बहुत देरी के कारण उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल देना चाहिए। 25 सितंबर को शीर्ष अदालत ने राजोआना की याचिका पर केंद्र सरकार, पंजाब सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन से जवाब मांगा था।

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि राज-ोआना की दया याचिका राष्ट्रपति भवन में लंबित है, जिसके बाद पीठ ने उनसे कहा, किसी भी तरह से फैसला करें या हम इस पर (राजोआना की याचिका) विचार करेंगे।

दया याचिका पर फैसला होने तक राजोआना की रिहाई की मांग करते हुए राजोआना के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि रजोआना 29 साल से लगातार हिरासत में है। रोहतगी ने कहा कि उनकी दया याचिका पिछले 12 साल से राष्ट्रपति भवन में लंबित है। कृपया उन्हें छह या तीन महीने के लिए रिहा कर दें। कम से कम उन्हें यह देखने दें कि बाहरी दुनिया कैसी दिखती है। वहीं पंजाब सरकार ने पीठ को बताया कि उन्हें मामले में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए।

31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ में सिविल सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य लोग मारे गए थे। इस मामले में जुलाई 2007 में एक विशेष अदालत ने बलवंत सिंह राजोआना को दोषी ठहराते हुए उसे मौत की सजा सुनाई थी। मार्च 2012 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने उसकी ओर से संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत सुप्रीम कोर्ट में दया याचिका दायर की थी। पिछले साल 3 मई को सर्वोच्च न्यायालय ने राजोआना की मौत की सजा को कम करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि सक्षम प्राधिकारी ही दया याचिका पर विचार कर सकते हैं।

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र सरकार को दिया आदेश

डीजीपी रश्मि शुक्ला को तत्काल हटाया जाए

मुंबई, 04 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने सोमवार को राज्य सरकार को डीजीपी रश्मि शुक्ला को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। यह कार्रवाई कांग्रेस समेत राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद की गई। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को रश्मि शुक्ला का प्रभार कैडर के अगले सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव को डीजीपी के पद पर नियुक्ति के लिए तीन आईपीएस अधिकारियों का पैनल भेजने का भी निर्देश दिया गया।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को चुनाव होने हैं। हाल ही में एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने अधिकारियों को न केवल निष्पक्ष रहने की चेतावनी दी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते समय पक्षपात करते न दिखें। इससे पहले 29 अक्टूबर को राजीव कुमार ने महाराष्ट्र में राजनीतिक रूप से प्रेरित अपराधों पर चिंता व्यक्त की थी और डीजीपी शुक्ला से ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा था।

आगरा में वायुसेना का मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट बचे

आगरा, 04 नवंबर (एजेंसियां)। आगरा में सोमवार को वायुसेना का विमान मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और को-पायलट ने कूदकर जान बचाई। वायुसेना की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से ये हादसा हुआ। इस हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

हादसे के बाद पायलट और को-पायलट साथी दो किलोमीटर दूर मिले हैं। गनीमत रही कि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को कागारौल के सोनिगा गांव के पास खाली खेतों में गिराया। यदि आबादी वाले हिस्से में विमान क्रैश होता तो बड़ी क्षति हो सकती थी। विमान ने आदमपुर हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। यह रुटीन एक्सरसाइज के लिए आगरा की तरफ उड़ान भर रहा था। विमान के गिरते ही आसपास के गांव के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में विमान को आग की लपटों में घिरा देखा जा सकता है।

उपचुनाव की तारीख में बदलाव

अब 13 नहीं, 20 नवंबर को होगा मतदान

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव की तारीख में कुछ बदलाव किए गए हैं। यूपी में 13 के बजाय 20 नवंबर को उपचुनाव होगा। विभिन्न त्यौहारों के चलते चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक, विभिन्न त्यौहारों के कारण केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव 13 नवंबर से 20 नवंबर को पुनर्निर्धारित कर दिया गया है।

चुनाव आयोग के आदेश में कहा गया है कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का स्नान पर्व है, ऐसे में कांग्रेस, भाजपा, बसपा, आरएलडी और अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के ने मतदान की तारीख बदलने की मांग की थी, इसी मांग पर चुनाव आयोग ने मतदान की तारीख में बदलाव करने का निर्णय लिया है।चुनाव आयोग ने बताया कि विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को कराए जाएंगे। यूपी में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने थे, लेकिन एक सीट अयोध्या की मिल्कीपुर का मामला कोर्ट में है, इस वजह से इस सीट पर चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की गई थी। यूपी में गाजियाबाद, मीरपुर, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझावां सीटों पर मतदान होगा। इन नौ सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी।

गुरु अमर संयम वर्ष के अंतर्गत सम्मान समारोह कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि संगठन और संघ हमारे लिए सर्वोपरि होना चाहिए, क्योकि इससे हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि राजाजी नगर संघ के तत्वावधान में आगामी 6 नवंबर, ज्ञान पंचमी को विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान समारोह उपप्रवर्तक पंकजमुनि और अमर-शिष्य डॉ. वरुणमुनि के सानिध्य में आयोजित होगा। संघ अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया ने बताया कि समारोह में उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भगवान महावीर चिकित्सालय, बेंगलूरु को गुरु अमर स्वास्थ्य सेवा सम्मान से नवाजा जाएगा। व्यक्तिगत श्रेणी में महेन्द्र जैन (नरेला मंडी, दिल्ली) को भक्त शिरोमणि, रामनिवास जैन (रोहिणी, दिल्ली) को श्रावकरत्न, गिरधारीलाल जैन (लुधियाना) को मानवसेवा, डॉ. दिलीप धींग (चेन्नई) को श्रुतसेवा, विनोद जैन (दिल्ली) और सुरेखा प्रकाशचंद कटारिया को साहित्य सेवा, किशनलाल खाबिया (चेन्नई) और डॉ. अजयकुमार जैन बीके (मैसूरु) को जीवदया, प्रकाशचंद रातड़िया मूथा (केजीएफ) को सामायिक स्वाध्याय, डॉ. अशोक चंपालाल बोरा (पूना) को आरोग्य सेवा, शुभम जैन (दिल्ली) को प्रचार-प्रसार और डॉ. दीपसागर सोनी (पदमपुरा) को स्वास्थ्य सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रवर्तक अमरमुनि के संयम अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में ये राष्ट्रीय सम्मान अखिल भारतीय गुरु अमर संयम अमृत वर्ष महोत्सव समिति द्वारा प्रदान किए जाएंगे। महामंत्री नेमीचंद दलाल ने बताया कि कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के स्वाध्यायियों एवं पाठशाला के अध्यापक-अध्यापिकाओं का बहुमान किया जाएगा। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर ने बताया कि शास्त्रीय भाषा प्राकृत का प्रतिक्रमण कंठस्थ करने वाले बालक-बालिकाओं को रजत पदक से सम्मान किया जाएगा। सहमंत्री राकेश दलाल के अनुसार समारोह में ज्ञान पंचमी के उपलक्ष्य में सरस्वती मंत्र जप साधना अनुष्ठान भी होगा। कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट के अनुसार श्रुताचार्य अमरमुनि की प्रेरणा से प्राकृत भाषा के जैन आगमों का हिंदी व अंग्रेजी अनुवाद के साथ पहली बार सचित्र प्रकाशन का ऐतिहासिक कार्य हुआ। पुणे की कीर्तनकार डॉ. श्वेता निलेश राठौड़ सूत्र संचालन करेंगे।

गुरु पदममुनि के जन्मोत्सव एवं गुरु अमरमुनि के दीक्षा हीरक महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के स्वाध्यायियों एवं सेवा शिक्षा और चिकित्सा में सेवा देने वाले सुश्रावकों का बहुमान समारोह, माँ सरस्वती जाप आयोजन एवं 3100 जरूरतमंद बच्चों को ज्ञानवर्धक पाठ्य सामग्री वितरण किया जायेगा। देशनोक से पधारे श्री वर्धमान जैन गुरुकुल के प्रधान अध्यापक मोहनलाल लुनिया का अभिनंदन श्री संघ की ओर से किया गया। पूर्व में रुपेशमुनि ने गुर आरती की प्रस्तुति दी और अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आचार्य तुलसी का 111वां जन्मदिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी श्री उदितयशा जी के सानिध्य में तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में आचार्य श्री तुलसी का 111वां जन्मदिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। प्रज्ञा संगीत सुधा ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर साध्वी उदितयशा जी ने कहा कि एक शब्द के कई अर्थ होते हैं, और लोग दो प्रकार के होते हैं। अंतः दृष्टि वाले और बाह्य दृष्टि वाले। अंतः दृष्टि से आंतरिक अंधकार मिटता है, जबकि बाह्य दृष्टि से चीजें जैसी दिखाई देती हैं, वैसी ही समझ में आती हैं।

गुरुदेव तुलसी ने रूढ़िवाद, अनैतिकता और अप्रमाणिकता पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने अपने कर्तव्यों को कभी नहीं छोड़ा और समाज को उजाले से भर दिया। उन्होंने बंद आंखों से ऐसे सपने देखे, जो हम खुली आंखों से भी नहीं देख सकते, और उन्होंने उन सभी सपनों को साकार किया। साध्वी भव्ययशा जी ने कहा कि

यदि गुरुदेव तुलसी का कोई विरोध करता, तो वे कहते, जो करे विरोध, हम समझे उसे विनोद। इस युक्ति को उन्होंने उदाहरण के माध्यम से समझाते हुए बताया कि गुरुदेव तुलसी में अनेक दुर्लभ विशेषताएं थीं। साध्वी शिक्षाप्रभा जी ने गीत के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। साध्वी संगीतप्रभा जी ने अपने संस्मरण और गीत द्वारा अपने परम उपकारी के प्रति भाव प्रकट करते हुए कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, सुरेंद्र नाहटा, ललित सेठिया, आदित्य सेठिया और हार्दिक बरड़िया ने भी गीतों के माध्यम से गुरुदेव तुलसी के प्रति अपने श्रद्धा-भाव व्यक्त किए। जैन युवा संगठन द्वारा नवकार मंत्र जप का लकी ड्रा निकाला गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। तेरापंथ युवक परिषद, राजराजेश्वरी नगर द्वारा रिश्तों की डोर कार्यक्रम की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्षा रिजुबाला डूंगरवाल, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल और कई अन्य श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थीं।

मेंगलूरु को जल मेट्रो परियोजना मिलेगी

30 किमी का मार्ग और 17 स्टेशनों की योजना पहले चरण में

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक का तटीय शहर मेंगलूरु केरल की कोच्चि प्रणाली की तर्ज पर जल मेट्रो परियोजना शुरू करने जा रहा है। मनी कंट्रोल के अनुसार, कर्नाटक समुद्री बोर्ड (केएमबी) मेंगलूरु जल मेट्रो परियोजना (एमडब्ल्यूएमपी) के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) विकसित करेगा। यह परियोजना नेत्रावती (एनडब्ल्यू-74) और गुरुपुरा (एनडब्ल्यू-43) नदियों पर राष्ट्रीय जलमार्गों के साथ जल-आधारित परिवहन नेटवर्क के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों को जोड़ेगी, जो बाजल से मारवूर तक है। रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना को चरणों में लागू किया जाएगा, जिसकी शुरुआत नेत्रावती-गुरुपुरा

बैकवाटर के साथ 30 किलोमीटर के मार्ग से होगी, जो बाजल को मारवूर ब्रिज से जोड़ेगा और इसमें 17 स्टेशन होंगे। केएमबी के एक अधिकारी ने बताया कोच्चि के बाद, एमडब्ल्यूएमपी दूसरी सबसे बड़ी जल परिवहन प्रणाली होगी, जो कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी और क्षेत्र के विकास में सहायता करेगी। प्रस्तावित बेड़े में कुशल संचालन के लिए सुसज्जित इलेक्ट्रिक या डीजल कटमरैन नौकाओं का उपयोग किया जाएगा। केएमबी ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए निविदा जारी की है, जिसमें बुनियादी ढांचे और पर्यावरण आकलन, वित्तीय विश्लेषण और परियोजना संरचना शामिल होगी।

सलाहकार मांग, भूमि की उपलब्धता और कनेक्टिविटी का मूल्यांकन करेंगे, जिसमें स्थिरता एक प्रमुख कारक होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अध्ययन स्टेशन के स्थानों का निर्धारण करेगा, रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) जल मेट्रो सेवाओं के माध्यम से कार्गो आंदोलन क्षमता का आकलन करेगा और यातायात पैटर्न पर विचार करेगा। आगे के तकनीकी अध्ययन, जैसे कि लीडर (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) और बाथिमेट्रिक सर्वेक्षण, स्टेशन नियोजन और ड्रेजिंग आवश्यकताओं को सूचित करेंगे। रिपोर्ट में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी विकल्पों, सेवा आवश्यकताओं और 25 वर्षों में अनुमानित मांग का भी पता लगाया जाएगा। इसमें यह भी कहा गया है कि पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन 5 किलोमीटर के बफर जोन को कवर करेगा, जिसमें पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वायु और जल गुणवत्ता की जाँच की जाएगी।

वित्तीय विश्लेषण संभावित लागत और राजस्व की रूपरेखा तैयार करेंगे, टैरिफ संरचनाओं की सिफारिश करेंगे और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन करेंगे। सलाहकार वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित नौकाओं के विकल्पों के साथ पोत विन्यास पर भी विचार करेंगे और परियोजना के वित्तपोषण की सुविधा के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) का प्रस्ताव करेंगे। 2024-2025 के बजट प्रस्तुति के दौरान, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि मेंगलूरु की गुरुपुरा और नेत्रावती नदियों पर जल मेट्रो सेवाओं का अध्ययन करने के लिए एक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की जाएगी। कोच्चि भारत का पहला शहर है जिसने जल मेट्रो सेवा शुरू की है। 2023 में शुरू होने वाली कोच्चि वाटर मेट्रो वर्तमान में 76 किलोमीटर तक फैली हुई है और इसमें 10 द्वीपों में 78 नावें और 38 टर्मिनल शामिल हैं। इसकी पहली नाव, मुजिरिस, दिसंबर 2021 में लॉन्च की गई थी। कोच्चि वाटर मेट्रो रेल लिमिटेड के पास अब तक आठ टर्मिनल हैं।

छठ पर्व की तैयारी जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन, आरटी नगर के संयुक्त तत्वावधान में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संयोजक हरिश्चंद्र झा, ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, परिषद अध्यक्ष एस के उपाध्याय, सचिव पंडित राजगुरु, मिंटू दुबे, विनय कुमार, मनोज मिश्रा, विनोद कुमार, प्रवीण उपाध्याय आदि लोग उपस्थित थे। बैठक में इस वर्ष छठ महापर्व आरटी नगर स्थित एचएमटी ग्राउंड में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। छठ पर्व की तैयारी जोरों से चल रही है। नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल द्वारा कार्यभार संभाला जा रहा है। छठ पर्व की अध्यक्ष शीला सिंह को बनाया गया है। यह जानकारी श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने दी।

राजपुरोहित समाज का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजपुरोहित समाज मैसूरु के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम संत खेतेश्वर दाता की तस्वीर के आगे ज्योत प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की गई। समाज बन्धुओं ने एक दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अध्यक्ष हापू सिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्ष नारायण सिंह, सचिव सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित, सहसचिव शिवरतन सिंह, सलाहकार कालू सिंह, समाजसेवी सह-सलाहकार महेंद्र सिंह कालाप्पा (बन्नूर) और कोषाध्यक्ष चंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज ने मनाया दिवाली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय अग्रवाल समाज कर्नाटक बेंगलूरु ने रविवार को बेल्लारी रोड स्थित पैलेश ग्राउंड के प्रिन्सेस श्राइन के सभागार में दिवाली स्नेह मिलन का आयोजन किया। इस स्नेह मिलन का आगाज महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष समाज के अध्यक्ष सुभाष बसंल, सचिव सतीश गोयल, उपाध्यक्ष संजय जालान, ललित गुप्ता, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया के अलावा मदन अग्रवाल, रतनलाल सिंघल ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात मसहूर गायक विमल पंवार ने अपनी सुरीली आवाज में फिमी गीतों व राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति से समा बांधते हुए सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम स्थल पर लक्की ड्रॉ में जमकर टिकटें खरीदकर लोगों ने पुरस्कार जीते। लक्की ड्रॉ में प्रथम इनाम चांदी की महाराजा अग्रसेन की मूर्ति विशेष पुरस्कार के रूप में थी। बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने परिवार सहित भाग लेकर एक दूसरे को दीवाली की शुभकामनाएं दी। नरेश गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, गणेश मित्तल, संजय तायल, प्रशांत गोयल ने कार्यक्रम की व्यवस्था में सहरानीय सहयोग दिया। सचिव सतीश गोयल ने सभी समाज बंधुओं का धन्यवाद किया। अध्यक्ष सुभाष बंसल ने अपने भाषण में बताया कि 11 और 12 जनवरी को अग्रवाल ट्रेड फेयर का आयोजन किया जाएगा।

50 हजार की ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मादक पदार्थों के कारोबार पर कार्रवाई जारी रखते हुए पुलिस अधिकारियों ने मेंगलूरु से करीब 15 किलोमीटर दूर परमूडे पंचायत क्रॉस के पास एमडीएमए (क्रिस्टल) का कथित तौर पर कारोबार करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बाजपे थाने के पीएसआई रेवनसिद्दप्पा और उनकी टीम के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान संदिग्धों उमर फारूक (38) जोकट्टे से और मोहम्मद अब्दुल जुनैद (34) बाजपे के जरीनगर से पकड़े गए। पुलिस ने 50,000 रुपये मूल्य की 9.11 ग्राम एमडीएमए, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

चन्नपट्टना में आज से चुनाव प्रचार करेंगे देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा, जो जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव मैदान में उतरेंगे। गौड़ा मंगलवार से खुले चुनाव प्रचार की समाप्ति तक निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करेंगे। गौड़ा चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी की ओर से प्रचार करेंगे। वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर चुनाव प्रचार में हिस्सा लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्रेरित करेंगे। जेडीएस के सूत्रों ने कहा कि गौड़ा अपने पोते निखिल कुमारस्वामी, जो जेडीएस उम्मीदवार हैं, के साथ चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र में ग्राम पंचायतवार प्रचार करेंगे। एक कार्यक्रम था

जिसमें गौड़ा सोमवार से चुनाव प्रचार में हिस्सा लेते, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से चुनाव प्रचार स्थगित कर दिया गया। निखिल कुमारस्वामी द्वारा अपना नामांकन पत्र जमा करने के बाद, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, वी. सोमन्ना, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक समेत भाजपा और जेडीएस पार्टियों के नेता और कार्यकर्ता प्रचार में जुटे हुए हैं। शुरुआत में वह जिला पंचायत निर्वाचन क्षेत्रों में निखिल कुमारस्वामी के साथ प्रचार करेंगे। वह कुछ जगहों पर खुली सभाओं में भी बोलेंगे। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि मतदान का दिन नजदीक आने पर देवेगौड़ा रोड शो में हिस्सा लेंगे। कांग्रेस नेताओं द्वारा देवेगौड़ा के प्रचार में शामिल होने को लेकर दिए गए बयान पर जेडीएस नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

नेताओं ने कहा जेडीएस को चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र बरकरार रखना चाहिए जिसका प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी करते थे।

इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को इस उपचुनाव में कड़ी मेहनत करनी चाहिए। चुनाव प्रचार का रुख क्या हो, मतदाताओं को कैसे रिझाया जाए और पार्टी द्वारा विधानसभा क्षेत्र, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर हासिल की गई उपलब्धियों को जनता के सामने पेश कर लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश कैसे की जाए, इस पर वह पहले ही मार्गदर्शन व सुझाव दे चुके हैं।

छुट्टी से वापस आ रहे लोगों को ट्रैफिक जाम ने सताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। छुट्टियों के बाद शहर लौट रहे लोगों के शहर में प्रवेश करने वाली मुख्य सड़क पर सुबह के समय ट्रैफिक जाम में फंसने का दृश्य सामने आया है। दिवाली, कन्नड़ राज्योत्सव, सप्ताहांत की छुट्टियों आदि की पृष्ठभूमि में, शहरवासी अपने गृहनगर और पर्यटन स्थलों का आनंद लेने के बाद शहर की ओर निकले और घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहे। यहां तक कि आसपास के जिलों को जोड़ने वाली तुमकुरु रोड पर भी हर जगह वाहनों की कतार देखी गई। यह अधिकांश जिलों को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क है और सड़कें नेलमंगला के पास मिलती हैं। वहां से जो ट्रैफिक शुरू हुआ, उसमें आठवें मील, जलाहल्ली क्रॉस, दासरहल्ली, गोर्गुंटेपल्या, यशवंतपुरा में भी भीड़ थी और कई किमी तक वाहनों का जाम लग गया, जिससे सवारियां और यात्री वहीं खड़े रहे। रविवार दोपहर से लोग लौट रहे थे और रात भर यातायात सामान्य रहा। पुलिस भी ट्रैफिक कंट्रोल

करते-करते थक गई। इसी तरह मैसूरु रोड पर भी स्थिति खराब थी। यहां ज्यादातर कारों की कतारें थीं। मैसूरु, कोडागु और ऊटी की यात्रा पर गए लोग शहर लौट रहे थे और एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे वाहनों को शहर के प्रवेश द्वार के पास मानो ब्रेक लग गया हो। वाहनों की इतनी कतार लग गई। कुछ अपने स्वयं के वाहनों से निकले थे, जबकि अन्य केएसआरटीसी, निजी और ट्रेनों से वापस लौटने के लिए निकले थे। जैसे ही बेंगलूरु की ओर जाने वाली परिवहन बसें स्टेशन में प्रवेश कर रही थीं, जिला और तालुक केंद्रों के बस स्टॉप पर यात्रियों को शहद की मक्खियों की तरह झुंड में ले जाने के दृश्य देखे गए। खड़े होने की जगह पाने और बैठने के लिए वे धक्का-मुक्की करते रहे। कुछ लोगों ने एहतियात के तौर पर पहले से ही टिकट बुक कर लिए थे और कोई समस्या नहीं थी। यहाँ तक कि ट्रेनें भी लोगों से भरी हुई थीं जैसे कि कोई भी डिब्बा खाली न हो। जो लोग किसी तरह शहर में प्रवेश करने में कामयाब रहे, उन्हें घर जाने के लिए और भी अधिक संघर्ष करना पड़ा। चिकमगलूरु, हासन, तुमकुरु, दावणगेरे समेत विभिन्न जिलों से लोग मैजेस्टिक बस से उतरकर अपने घर जाने के लिए बीएमटीसी बस स्टेशन आए और वहां भी भीड़ थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री रंगा कॉम्प्लेक्स चिकपेट का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को गोरक्षणशाला दोड निककुंदी में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। जहां सदस्यों ने गौ सेवा के साथ आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सदस्यों ने विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया। महिलाओं ने राजस्थानी वेशभूषा में नृत्य एवं गीत गाए। इस मौके पर रतन चंद, उज्ज्वल, ओम, मगाराम, पुखराज, सुरेश, मांगीलाल, अशोक, रामलाल, नरेश कोठारी, राजेश, जेठाराम आदि लोग उपस्थित थे।*

वक्फ विवाद मामला : भाजपा के डर से नोटिस वापस नहीं लिए गए: सीएम सिद्धरामैया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने कुछ दिन पहले वक्फ बोर्ड द्वारा किसानों को उनकी जमीनों के मालिकाना हक का दावा करने के लिए जारी किए गए नोटिस वापस लेने का फैसला भाजपा द्वारा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के डर से नहीं लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह कोई नया मुद्दा नहीं है और भाजपा ने राज्य में अपने शासन के दौरान 216 मामलों में नोटिस जारी किए थे। यहां सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा वक्फ मामले के संबंध में, हमारे द्वारा स्पष्ट किए जाने के बाद भी कि नोटिस वापस ले लिए गए हैं, भाजपा राजनीति कर रही है। भाजपा के विरोध के कारण किसानों को दिए गए नोटिस वापस नहीं लिए गए हैं। जैसे ही हमें इस मुद्दे के बारे में पता चला, हमने नोटिस वापस लेने का फैसला किया। सिद्धरामैया ने कहा भाजपा ने राज्य में अपने शासन के दौरान 216 मामलों में नोटिस जारी किए थे। उन्होंने नोटिस क्यों जारी किए? वक्फ नोटिस पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा, डीवी सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टर और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के कार्यकाल के दौरान जारी किए गए थे। सीएम सिद्धरामैया ने आगे कहा कि भाजपा नेता मुद्दों पर नहीं लड़ते हैं, वे झूठे आरोप लगाते हैं और राजनीतिक कारणों से विरोध प्रदर्शन करते हैं। वक्फ विवाद का मुद्दा कहां है? पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने पहले कहा था कि अतिक्रमण की गई वक्फ संपत्ति का एक-एक इंच वापस लिया जाएगा और अब वह अलग बात क्यों कर रहे हैं? यह केवल राजनीतिक कारणों से है कि बोम्मई ने यू-टर्न लिया है। सीएम सिद्धरामैया ने कहा भाजपा राजनीतिक लाभ लेने के लिए लड़ रही है और लोग इसे समझ चुके हैं। वक्फ संपत्ति का मुद्दा हाल ही का नहीं है। उनके (भाजपा) कार्यकाल के दौरान भी किसानों को नोटिस जारी किए गए थे और बाद की सरकारों ने भी नोटिस जारी किए हैं। मैंने मंत्रियों एच.के. पाटिल और कृष्णा बायरे गौड़ा के साथ बैठक के बाद स्पष्ट रूप से कहा है कि वक्फ बोर्ड द्वारा जारी किए गए नोटिस वापस लिए जाने चाहिए। भूमि रिकॉर्ड में किए गए बदलावों को रद्द करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। सीएम सिद्धरामैया ने कहा किसी भी कारण से किसानों को विस्थापित नहीं किया जाना चाहिए, चाहे वे हिंदू, मुस्लिम या ईसाई धर्म के हों। पूर्व भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के इस बयान के बारे में बात करते हुए कि सीएम सिद्धरामैया सुन्नत (खतना) को छोड़कर मुस्लिम बन गए हैं, उन्होंने कहा प्रताप सिम्हा एक सांप्रदायिक व्यक्ति हैं। उनके मन में संविधान और लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं है। वे विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाकर और वोट लेकर राजनीति में बने रहने की कोशिश कर रहे हैं। शून्य विकास पर आलोचनाओं के बारे में पूछे जाने पर, सीएम सिद्धरामैया ने कहा हम वास्तव में विकास पर चर्चा कर रहे हैं और क्या गारंटी विकास नीतियां नहीं हैं? सीएम के रूप में मेरे पिछले कार्यकाल के दौरान, हमने 165 वादे किए थे। उनमें से 158 पूरे हो गए हैं। क्या यह विकास नहीं है? राज्य के बजट से 3.71 लाख करोड़ रुपये में से, 52,000 करोड़ रुपये गारंटी पर खर्च किए जाते हैं और 60,000 करोड़ रुपये विकास कार्यक्रमों पर खर्च किए जाते हैं। यह पैसा सिंचाई, पीडब्ल्यूडी, ग्रामीण विकास, सड़कों के निर्माण, पुलों के निर्माण पर खर्च किया जाता है। क्या ये विकास नहीं हैं? विकास से आपका और क्या मतलब है?

ईश्वरप्पा ने वक्फ संपत्ति विवाद पर कर्नाटक में रक्त क्रांति की चेतावनी दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने दावा किया कि अगर वक्फ के नाम पर पंजीकृत संपत्तियों को रद्द नहीं किया गया तो कर्नाटक में रक्त क्रांति होगी।

शिवमोग्गा में सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईश्वरप्पा ने आरोप लगाया कि हिंदुओं, हिंदू मंदिरों और हिंदू धार्मिक संस्थानों की लाखों एकड़ जमीन वक्फ के नाम पर पंजीकृत है। ईश्वरप्पा ने कहा, मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि वक्फ संपत्तियों पर जारी किए गए नोटिस वापस लिए जाएंगे। हालांकि, अर्थहीन नोटिस वापस लेने से कोई फायदा नहीं होगा। मुख्यमंत्री को पहानियों को रद्द कर देना चाहिए। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि बागलकोट, विजयपुरा और कलबुर्गी जिलों में कई धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों को रिकॉर्ड में वक्फ संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। क्षेत्र के संतों ने उन्हें ऐसे स्थानों पर जाने और सरकार का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित करने के लिए आमंत्रित किया था। मैं मंगलवार को इन जिलों का दौरा करूंगा। उन्होंने कहा हम संतों के मार्गदर्शन में इस मुद्दे पर विरोध का भविष्य तय करेंगे। अगर सरकार हमारी मांग पर ध्यान नहीं देती है, तो राज्य में संतों के नेतृत्व में रक्त क्रांति होगी।

कर्नाटक ने पतंग उड़ाने के लिए कांच की परत वाले मांझे पर लगाया प्रतिबंध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पशु-प्रेमियों के सुझावों को स्वीकार करते हुए, कर्नाटक सरकार ने मनुष्यों, पक्षियों और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए पतंग उड़ाने के लिए धातु या कांच की परत वाले मांझे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई। सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (ईपीए), 1986 की धारा 5 के तहत अपनी अधिसूचना में संशोधन जारी किया है, जिसके अनुसार अब केवल सूती धागे का ही पतंग उड़ाने की अनुमति होगी, जो किसी भी तीखे, धातु या कांच के घटकों, चिपकने वाले पदार्थ या धागे को मजबूत करने वाली किसी भी अन्य सामग्री से मुक्त हो। सरकारी अधिसूचना ने प्रतिबंध को बढ़ा दिया है जो पहले केवल नायलॉन चीनी मांझे तक सीमित था, जिसमें कांच या धातु के पाउडर से लेपित धागे भी शामिल हैं। इसी तरह के निर्देशों वाली अधिसूचनाएं पहले चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना और त्रिपुरा की सरकारों द्वारा जारी की जा चुकी हैं। पेटा की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक सरकार द्वारा यह संशोधन पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया की अपील के बाद किया गया है, जिसमें मांजे के कारण पक्षियों और इंसानों की मौत की समस्या का समाधान करने की बात कही गई है। पेटा इंडिया के वरिष्ठ अधिवक्ता अधिकारी फरहत उल ऐन ने कहा हम नायलॉन मांजे के अलावा कांच और धातु से मजबूत पतंग के धागों से उत्पन्न खतरों का समाधान करने के लिए कर्नाटक सरकार की सराहना करते हैं। अधिकारी ने कहा यह निर्णायक कार्रवाई अनगिनत मनुष्यों और जानवरों को बचाएगी, जिनमें गंभीर रूप से लुप्तप्राय गिद्ध भी शामिल हैं, जो अक्सर इन खतरनाक डोरियों से अपंग हो जाते हैं। हर कोई सादे सूती पतंग की डोरी या मनोरंजन के अन्य तरीकों को चुनकर इन विनाशकारी चोटों और दुखद मौतों को रोकने में मदद कर सकता है। मांजा, अपने सभी रूपों में, मनुष्यों, पक्षियों, अन्य जान-वरों और पर्यावरण को खतरे में डालता है। नायलॉन या सूती धागे से बने धारदार धागे, जिन्हें अक्सर कांच या धातु के पाउडर से मजबूत किया जाता है, अक्सर मनुष्यों और पक्षियों को घायल करते हैं और मार देते हैं। इस साल, देश भर में कई मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें महाराष्ट्र में 21 वर्षीय व्यक्ति, गुजरात में चार लोग, मध्य प्रदेश में एक छोटा लड़का और राजस्थान में एक 12 वर्षीय लड़का शामिल है, जिसकी गर्दन घातक डोरियों से कट गई। हानिकारक धागे पक्षियों की आबादी पर भी विनाशकारी प्रभाव डालते हैं। मांजा अक्सर पक्षियों के पंख काट देता है या यहाँ तक कि उन्हें काट भी देता है और अक्सर उनके पैर भी काट देता है। बयान में कहा गया है कि कई पक्षी इतने गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं कि बचावकर्मियों के लिए उन्हें बचाना असंभव हो जाता है।

वक्फ के जरिए हिंदुओं की जमीन हड़पने के लिए कांग्रेस लैंड जिहाद कर रही: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने गंभीर आरोप लगाया है कि जिस तरह लव जिहाद के जरिए हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया गया, उसी तरह वक्फ के जरिए हिंदुओं की जमीन हड़पने के लिए कांग्रेस लैंड जिहाद कर रही है। केआर पुरम के तहसीलदार कार्यालय के सामने पार्टी की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहले वे हमारी मासूम बेटियों को लव जिहाद के जरिए इस्लाम में परिवर्तित करते थे। अब जमीर नामक एक मंत्री हमारे किसानों, गरीबों और उत्पीड़ितों की हिंदू जमीनों को हड़पने के लिए भूमि जिहाद छेड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह सरकार के लिए अच्छा संकेत नहीं है। प्रदेश सरकार ने अन्नदाताओं के सिर पर पत्थर फेंका है।

जमीर किसानों की जमीन हड़पने को तैयार है। किसानों की जमीन हड़पने की होड़ मच गई है। 1974 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एक गजट अधिसूचना जारी कर इसे निरस्त करने की मांग की थी। यह अधिसूचना मुसलमानों के लिए बनाई गई है। सिद्धरामैया ने कहा कि सारी प्रक्रिया रोक दी गई है। सिद्धरामैया ने अब टोपी हटा दी है, अगर वह दोबारा मस्जिद में जाएंगे और टोपी लगाएंगे तो कैसे विश्वास करेंगे? यह अब वक्फ बोर्ड नहीं, सबारा बोर्ड है। सभी जगह किसानों की जमीन को लेकर नोटिस दिया गया है। किसानों की भूमि, स्कूल, मंदिर और मठों को वक्फ भूमि के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि साफ है कि यह तुगलक सरकार है। सिद्धरामैया ने वोट की राजनीति के लिए कर्नाटक को बार-बार बर्बाद किया है। उन पर कोई विश्वास नहीं करता। मैं 7 नवंबर को श्रीरंगपट्टनम में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करूंगा। श्रीरंगपट्टनम में स्कूल की संपत्ति को वक्फ संपत्ति माना जा रहा है। मुडा कांड के बाद सिद्धरामैया पर गाज गिरी है। मुझे नहीं पता कि यह बूँद कब हटायी जायेगी।

इससे पहले दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने अनवर मणिपडी समिति (वक्फ घोटाला) की रिपोर्ट में बताए गए वक्फ संपत्तियों के गबन की सीबीआई जांच की मांग की थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि वक्फ बोर्ड में 54,000 एकड़ जमीन पंजीकृत है और लगभग 29,000 एकड़ पंजीकृत जमीन का गबन किया गया है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा रिपोर्ट पर व्यापक जांच की जानी चाहिए। जिन लोगों ने अवैध रूप से संपत्तियों पर कब्जा किया है, उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। अगर कांग्रेस को मुसलमानों और समुदाय की गरीब महिलाओं की कोई चिंता है, तो कांग्रेस सदस्यों को वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति में भाग लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वक्फ संपत्तियों का समुदाय के कल्याण के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए। विजयपुरा के होनवाड़ा गांव में किसानों को दिए गए नोटिस पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी लगभग 1,200 एकड़ पैतृक जमीन वक्फ बोर्ड को सौंपी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा ऐसे समय में उठाया गया है जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन लाने की योजना बना रही है।

मंत्री जमीर अहमद खान के साथ कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने वक्फ संपत्तियों पर 50 साल पुराने राजपत्र अधिसूचनाओं को लागू करने की साजिश रची। सतर्क किसानों और भाजपा द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद, मंत्री एमबी पाटिल, जो विजयपुरा के जिला प्रभारी भी हैं, ने बाद में स्पष्ट किया कि राज्य वक्फ बोर्ड के दावे पर भ्रम खुद को बचाने के लिए राजपत्र में त्रुटि के कारण था। उन्होंने वक्फ पर संयुक्त संसदीय समिति में कांग्रेस समर्थित सदस्यों पर संयुक्त संसदीय कार्यवाही में देरी करने और बैठक में हंगामा करने का आरोप लगाया। सांसद ने मांग की विजयपुरा का मुद्दा संदेह पैदा करता है कि क्या मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंत्री जमीर अहमद खान को वक्फ संपत्तियों पर 50 साल पुराने राजपत्र अधिसूचना को लागू करने का निर्देश दिया था। वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को इस्तीफा दे देना चाहिए।

उडुपी में बस-ट्रक की टक्कर में 16 लोग घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी के उदयवारा में एक मिनी बस के खड़े ट्रक से टकराने से 16 लोग घायल हो गए। तमिलनाडु के 19 पर्यटकों का एक समूह कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। यह दुर्घटना बस चालक द्वारा कथित रूप से लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई। इस टक्कर से बस के आगे और ट्रक के पिछले हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा है। घायलों में सबु करुणाकरण (53), निरंजना (17), सीबा (45), बीना (43), सीबा बीजू (45), निशा (43), तमिलमणि (33), सविदा (31), रामचंद्र (56), गोविंदन (62), रमेशन (52), नीरजा (28), रिजेश (36), ईशा कार्तिक (साढ़े तीन साल), माया (46) और जयप्रकाश (50) शामिल हैं। घायलों में माया और जयप्रकाश को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय निवासियों ने घायलों की मदद की और उन्हें उडुपी के अस्पताल पहुंचाया। कौप पुलिस स्टेशन ने बीएनएस की धारा 281, 125 (ए) और 125 (बी) के तहत मामला दर्ज किया है।

मानसून की बारिश से मसाला उत्पादन प्रभावित

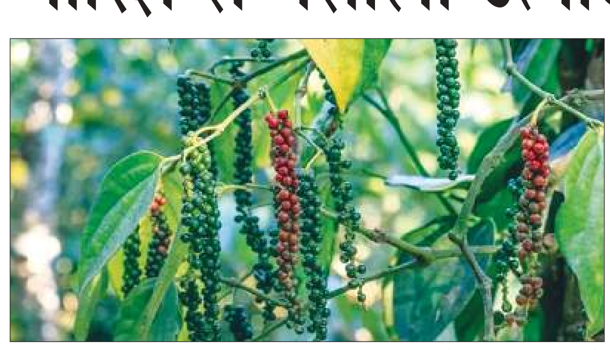

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में तीन प्रमुख मसाला फसलों इलायची, अदरक और काली मिर्च का उत्पादन जुलाई से अगस्त तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिससे उत्पादक निराश हैं। कर्नाटक उत्पादक संघ (केजीएफ) के अध्यक्ष एच टी मोहनकुमार के अनुसार, उत्पादक केवल 25 प्रतिशत काली मिर्च की फसल ही काट पाएंगे, जबकि इलायची उत्पादन में 50 प्रतिशत और अदरक उत्पादन में 30 से 40 प्रतिशत की गिरावट आएगी। रसोई में इस्तेमाल होने वाली ये तीनों ही फसलें मुख्य रूप से राज्य के पश्चिमी घाट जिलों में उगाई जाती हैं, जहां इस मानसून में भारी बारिश हुई थी। कर्नाटक में 2,22,394 हेक्टेयर में काली मिर्च की खेती की जाती है, जो देश में इस फसल का सबसे बड़ा उत्पादक है। राज्य में 2023-24 के लिए 89,000 टन काली मिर्च का उत्पादन होने की उम्मीद है। 2022-23 में यह आंकड़ा 80,805 टन (2.07 लाख हेक्टेयर) था। सोमवारपेट के निराश सुब्बैया टी ने कहा हमारे पास मिर्च की बेलों पर अच्छे फूल थे, लेकिन जुलाई में 25 दिनों तक लगातार बारिश और तेज हवाओं ने व्यापक नुकसान पहुँचाया, जिससे अपेक्षित उपज कम हो गई। कुछ किसानों को इससे भी ज्यादा नुकसान हुआ है और उन्होंने 85 प्रतिशत तक काली मिर्च के दानों के नुकसान की सूचना दी है। आम तौर पर, जुलाई और अगस्त में मिर्च की बेलों में बालियाँ उगना शुरू हो जाती हैं, लेकिन इस साल बालियाँ नहीं उग पाईं, जिससे हर बाली में काली मिर्च के दाने कम हो गए। सुब्बैया ने कहा मैं आमतौर पर सालाना 3,000 किलोग्राम काली मिर्च की फसल लेता हूँ, लेकिन इस साल मैंने लगभग सब कुछ खो दिया है। बारिश के कारण इलायची की फलियाँ भी गिरने लगी हैं। 25,135 हेक्टेयर में उगाई जाने वाली इलायची की कटाई आमतौर पर अगस्त के अंत से नवंबर तक की जाती है, लेकिन बारिश ने बड़ी चुनौतियाँ खड़ी कर दीं क्योंकि इससे किसान इलायची को सुखा नहीं पाए और बची हुई फलियों की कटाई में बाधा आई। इस साल, जुलाई से ज्यादा बारिश के कारण इलायची समय से पहले ही पक गई। हमने बारिश में फलियों को हवा में सुखाकर पहली फसल का प्रबंध किया। हमने कम बारिश की उम्मीद में दूसरी फसल अक्टूबर तक टाल दी थी, लेकिन मूसलाधार बारिश जारी रही। लंबे समय तक बारिश के कारण इलायची की फलियों का आकार भी छोटा हो गया है, जिससे उनकी गुणवत्ता प्रभावित हुई है। सुब्बैया ने यह भी कहा कि बारिश के कारण वह छह एकड़ में उगाई गई अदरक से केवल 500 बैग ही काट पाए। मोहनकुमार ने राज्य में 40,000 हेक्टेयर में उगाई जाने वाली अदरक के बारे में कहा कि भारी बारिश के कारण अदरक कोलेरोगा (सड़न रोग) से प्रभावित है। इलायची, अदरक और काली मिर्च पर प्रभाव को स्वीकार करते हुए, कर्नाटक राज्य मसाला विकास बोर्ड के एमडी बी आर गिरीश ने कहा कि नुकसान की सीमा का आकलन प्रत्येक जिले में कृषि, बागवानी और राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण में किया जाएगा।

कर्नाटक में 9 नवंबर से बारिश के तेज होने की उम्मीद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चक्रवात दाना के प्रभाव के कारण कर्नाटक में मानसून के बाद बारिश में तेजी आई है। बंगाल की खाड़ी में अंडमान तट पर बनने वाले कम तीव्रता वाले सतही तूफान के कारण 9 नवंबर के बाद बारिश में वृद्धि होने की उम्मीद है। 9 नवंबर के बाद मलनाड क्षेत्र सहित उत्तर और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में मध्यम से भारी बारिश की उम्मीद है। बंगाल की खाड़ी में विकसित हुए चक्रवात दाना ने शुरुआत में कर्नाटक में मानसून के बाद की बारिश को कमजोर कर दिया था। अगर चक्रवात जारी रहता, तो यह नमी को दूर कर सकता था और बारिश को और कम कर सकता था। हालांकि, चक्रवात के प्रभाव के कम होने के साथ, उत्तरी हवाओं के कारण कर्नाटक में शुष्क मौसम बना हुआ था। अगर इन उत्तरी हवाओं की तीव्रता बढ़ती है, तो बारिश के बजाय ठंड का मौसम शुरू हो सकता है। हालांकि तटीय क्षेत्र में मानसून के बाद सीमित बारिश हुई, लेकिन मलनाड और उत्तर और दक्षिण कर्नाटक के आंतरिक क्षेत्रों में अभी भी पिछले वर्षों की तरह महत्वपूर्ण बारिश की संभावना है। मौसम विश्लेषकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के ऊपर तेज हवाएँ चलने से बारिश की संभावना बढ़ सकती है, जबकि उत्तरी हवाएँ बारिश और बादल लाने की क्षमता नहीं रखती हैं। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक सी एस पाटिल ने कहा इस साल मानसून के बाद की बारिश पिछले सालों की तुलना में ज्यादा है। बीदर और कलबुर्गी में ज्यादा बारिश की उम्मीद की जा सकती है। इसके अलावा, तटीय कर्नाटक में छिटपुट बारिश मानसून के बाद के मौसम के जोर पकड़ने का संकेत देती है।

लोग राजनीतिक शतरंज के खेल में

कौशल के आधार पर नहीं, बल्कि प्रदर्शन के आधार पर करेंगे वोट: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी प्रमुख डीके शिवकुमार ने कहा कि लोगों के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनने का आधार प्रदर्शन है, न कि राजनीतिक शतरंज के खेल में कौशल के आधार पर। कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर के पक्ष में प्रचार करने के लिए चन्नपट्टना रवाना होने से पहले अपने आवास के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा जो लोग अपनी रणनीतियों और राजनीतिक शतरंज के खेल में खुद को चतुर और चालाक समझते हैं, वे बर्बाद हो गए हैं। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार योगेश्वर, जिन्होंने दल बदलने के बावजूद पांच बार चन्नपट्टना से जीत हासिल की और अब भाजपा एमएलसी के रूप में इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। लोग इस चुनाव में डीके सुरेश, सीपी योगेश्वर और कुमारस्वामी के काम का मूल्यांकन करेंगे। यह कोई युद्ध का मैदान नहीं है, बल्कि एक मंच है जहां लोग उम्मीदवारों को उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंक करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नेत-ाओं द्वारा किया गया काम ही मायने रखता है।

उन्होंने कहा लोग विजेता का फैसला उसके काम के आधार पर करते हैं, किसी और चीज के आधार पर नहीं। जयनगर विधानसभा क्षेत्र के लिए अनुदान की मांग करने वाली हस्तियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मुझे मांग के बारे में पता है। हमने जयनगर को पहले ही 40 करोड़ रुपये का आवंटन कर दिया है। जयनगर विधायक ने मुझसे मुलाकात की और मैंने उनके सवालों के जवाब दिए हैं। मैं निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने के बाद इस बारे में बात करूंगा। शिवकुमार ने कहा कि वक्फ मुद्दे पर भाजपा जो कर रही है वह विरोध नहीं बल्कि राजनीति है। उन्होंने कहा कि सरकार वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने वालों को जारी किये गये नोटिस वापस लेगी। हालांकि, भाजपा ने राजनीति जारी रखी है। मायने यह रखता है कि लोकतंत्र में एक नेता ने लोगों के जीवन को कैसे बदला है। लोग सूची बनाते हैं कि चुनाव के दौरान किसने क्या किया। उन्होंने कहा कि उसी के आधार पर अंक दिये जायेंगे। इसके अलावा कोई युद्ध नहीं, कोई अखाड़ा नहीं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ लोगों की भावना है। पिछले दिनों जब भाजपा ने बेंगलूरु से मैसूरु तक मार्च किया था तो जेडीएस ने उसका समर्थन नहीं किया था। अब भाजपा को उपचुनाव में जेडीएस का समर्थन करना चाहिए।

वक्फ संपत्ति विवाद

कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ किया राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के कुछ हिस्सों में किसानों के एक वर्ग द्वारा उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने के आरोपों के बाद, भाजपा ने सोमवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर भूमि जिहाद में लिप्त होने का आरोप लगाया। विपक्षी दल ने वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की भी मांग की। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिए जाने के बावजूद कि किसानों को जारी किए गए सभी नोटिस तुरंत रद्द किए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि रिकॉर्ड में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाना चाहिए, भाजपा ने विरोध प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया है। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने आर-ोप लगाया था कि उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है और इसी तरह के आरोप कुछ अन्य स्थानों से भी सामने आए हैं। जहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने बेल्लारी में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने यहां केआर पुरम में इसमें भाग लिया। इसी तरह राज्य के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न पार्टी के नेता विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। रविवार को सिद्धरामैया ने विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के लिए भाजपा पर निशाना साधा, जबकि उन्होंने अधिकारियों को किसानों को भेजे गए सभी नोटिस तुरंत वापस लेने का निर्देश दिया था। सीएम ने आरोप लगाया कि उनका मकसद पूरी तरह से राजनीतिक है, किसानों के कल्याण की रक्षा में उनकी कोई वास्तविक रुचि नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा का असली स्वभाव राजनीतिक लाभ के लिए सांप्रदायिक संघर्ष को बढ़ावा देना है, और इस विरोध प्रदर्शन का किसानों के हितों की रक्षा करने का कोई इरादा नहीं है। इसके बजाय, यह कर्नाटक के सद्भाव को खतरे में डालता है।

कर्नाटक उपचुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा: बसवराज बोम्मई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सोमवार को कहा कि राज्य में होने वाले आगामी उपचुनाव सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका देंगे और किसानों के मुद्दों पर अपने दोहरे मानदंडों के कारण वह तीनों विधानसभा सीटों पर साफ हो जाएगी। उनकी यह टिप्पणी सिद्धरामैया सरकार द्वारा पहले वक्फ संपत्ति को लेकर किसानों को नोटिस जारी करने और फिर जनता की नाराजगी का सामना करने के बाद उन्हें वापस लेने के मद्देनजर आई है। यहां मीडिया से बात करते हुए, भाजपा सांसद ने जोर देकर कहा कि लोग वक्फ संपत्ति के नाम पर किसानों को नोटिस जारी करने के राज्य सरकार के कदम से नाराज हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गलतियों का एहसास होने के बाद इन नोटिसों को वापस ले लिया है। अगर सरकार ने कुछ गलत नहीं किया है, तो वे किसानों को दिए गए नोटिस वापस क्यों लेंगे? कर्नाटक के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमीर अहमद खान के बयान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि नोटिस मुख्यमंत्री के आदेश पर जारी किए गए थे और डिप्टी कमिश्नरों ने भी पुष्टि की है कि नोटिस मंत्री जमीर के निर्देश पर जारी किए गए थे। बोम्मई ने सिद्धरामैया सरकार को यू-टर्न वाली सरकार बताया और कहा वे जमीन लेते हैं और फिर उसे वापस कर देते हैं, वे वाल्मीकि आदिवासी कल्याण निगम के फंड को लूटते हैं और बाद में उसे वापस करने का दावा करते हैं। पूर्व सीएम ने कहा वक्फ के मामले में उन्होंने किसानों को नोटिस जारी किए और जब कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने आदेश वापस ले लिया। राज्य सरकार लगातार इसी तरह से काम करती रही है। चन्नपट्टना, संदूर और शिग्गांव विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होने हैं। बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई शिग्गांव विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। उपचुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए भी प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गए हैं क्योंकि वह भाजपा के हमले से अपनी जमीन बचाना चाहती है। नतीजों का राज्य की राजनीति पर भी सीधा असर पड़ेगा। ये नतीजे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे, जो मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले और वाल्मीकि आदिवासी कल्याण निगम घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

बेलगावी में 1924 कांग्रेस सत्र की शताब्दी समारोह

सरकार ने ओबामा को संयुक्त विधानसभा सत्र के लिए किया आमंत्रित : एच.के. पाटिल

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को बेलगावी में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में 1924 कांग्रेस सत्र की शताब्दी मनाने के लिए आयोजित संयुक्त विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। इस सत्र में महात्मा गांधी ने भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत की थी। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहले ही बराक ओबामा को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए एक पत्र भेजा है। महात्मा गांधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की बैठक की अध्यक्षता करने की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक संयुक्त विधानसभा सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। मंत्री पाटिल, जो 1924 के कांग्रेस अधिवेशन की शताब्दी मनाने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि यह कार्यक्रम बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा में आयोजित किया जाएगा। संयुक्त अधिवेशन की तिथि निर्धारित करने से पहले हम बराक ओबामा की पुष्टि का इंतजार करेंगे। हमने गांधी के इस प्रमुख नेता और अनुयायी को आमंत्रित किया है, जो मानते हैं कि महात्मा गांधी केवल भारतीय नहीं, बल्कि वैश्विक नेता हैं। यह एक सार्थक कार्यक्रम होने जा रहा है। महात्मा गांधी ने कर्नाटक में 120 स्थानों का दौरा किया था, और हम 40 चयनित स्थानों पर स्मारक बनाएंगे।

रथ यात्रा ज्योति 26 और 27 दिसंबर को राज्य भर के विभिन्न जिलों से बेलगावी पहुंचेगी। सरकार युवाओं, महिलाओं और सामुदायिक एकता पर केंद्रित सम्मेलन आयोजित करने की भी योजना बना रही है। मंत्री पाटिल ने बताया कि महात्मा गांधी ने आजादी से पहले 39वीं एआईसीसी बैठक की अध्यक्षता की थी, जिसमें आजादी का आह्वान किया गया था और कई लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित किया था। सरकार ने कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित इस ऐतिहासिक एआईसीसी सम्मेलन की शताब्दी मनाने का फैसला किया है, जो इस क्षेत्र के लिए बहुत महत्व रखता है।

यह आयोजन गदग जिले के लोगों के लिए भी सार्थक है, क्योंकि हुइलागोला नारायण राव द्वारा लिखित प्रसिद्ध कन्नड़ कविता उदयवगली नम्मा चेलुवा कन्नडानाडु को पहली बार गंगूबाई हनागल ने इस सत्र में गाया था। मंत्री पाटिल ने युवाओं के बीच महात्मा गांधी के सिद्धांतों और आदर्शों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मुझे शताब्दी समारोह समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। समिति मंगलवार को बेलगावी का दौरा करेगी और शताब्दी समारोह अगले साल 2 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

मुडा घोटाला मामला

लोकायुक्त पुलिस ने पूछताछ के लिए सीएम को किया तलब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकायुक्त पुलिस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मुडा साइट आवंटन मामले में पूछताछ के लिए 6 नवंबर को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने 25 अक्टूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती बी एम से पूछताछ की थी, जो इस मामले में आरोपी भी हैं। एक वरिष्ठ लोकायुक्त अधिकारी ने बताया कि हमने उन्हें बुधवार सुबह पेश होने के लिए कहा है। सिद्धरामैया, उनकी पत्नी, साले मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू - जिनसे स्वामी ने एक जमीन खरीदी थी और उसे पार्वती को उपहार में दिया था और अन्य को मैसूरु स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई एफआईआर में नामित किया गया है।

अशोक ने अमित शाह को लिखा पत्र

वक्फ बोर्ड के पंजीकरण और भूमि लेनदेन रोकें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आर. अशोक ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को पत्र लिखकर वक्फ बोर्ड के सभी पंजीकरण रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कर्नाटक वक्फ बोर्ड द्वारा हाल ही में किए गए अत्याचारों के मद्देनजर, मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को पत्र लिखकर उनसे कर्नाटक के मुख्य सचिव को निर्देश देने का आग्रह किया है कि वे कर्नाटक में वक्फ बोर्ड से जुड़े सभी पंजीकरण और भूमि लेनदेन तुरंत रोकें। अशोक ने पत्र में कहा कि यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब किसानों ने दावा किया कि विजयपुरा जिले में उन्हें 15,000 एकड़ जमीन अधिग्रहण करने के लिए नोटिस दिया गया है। कथित तौर पर, वक्फ बोर्ड पूरे राज्य में प्रत्येक जिले में लगभग 10,000 एकड़ भूमि को गुप्त तरीके से पंजीकृत करने का प्रयास कर रहा है। वक्फ बोर्ड के तहत भूमि पंजीकृत करने की इस होड़ के परिणामस्वरूप हजारों गरीब परिवार और किसान अपनी पुश्तैनी जमीन खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड ने मंदिर की भूमि, मठों और अन्य हिंदू धार्मिक संस्थानों के स्वामित्व का दावा किया है, यहां तक कि हिंदू श्मशान घाटों को भी कथित तौर पर वक्फ संपत्ति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। वक्फ बोर्ड के दावों में सिंदगी में ऐतिहासिक विरक्त मठ, विजयपुरा में सोमेश्वर मंदिर और कलबुर्गी में बिरदेवरा गुड़ी से संबंधित 1.28 एकड़ भूमि शामिल है। इससे किसानों में यह डर पैदा हो गया है कि वे अपनी जमीन खो सकते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि केवल नोटिस वापस लेना पर्याप्त नहीं है और मांग की कि किसानों के नाम संपत्ति रिकॉर्ड में बहाल किए जाएं और 1974 के गजट नोटिफिकेशन को निरस्त किया जाए।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए जेप-ीसी की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के कुशल और पारदर्शी प्रबंधन को सुनिश्चित करना है। हालांकि, कर्नाटक में राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड राजस्व रिकॉर्ड में बदलाव करने और किसानों की जमीनों का स्वामित्व हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं यह आपके ध्यान में कर्नाटक में हाल ही में हुए घटनाक्रम को लाने के लिए लिख रहा हूं, जहां वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई जमीनों को पंजीकृत करने के लिए जल्दबाजी में प्रयास किए जा रहे हैं, शायद संयुक्त संसदीय समिति द्वारा वक्फ अधिनियम में संशोधन लाए जाने की प्रत्याशा में।

कर भुगतान मामले में कर्नाटक के साथ हो रहा अन्याय: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि केंद्र से राज्यों को धन के वितरण के संबंध में राज्य के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार को करों के रूप में जितना मिलता है, उससे बहुत कम मिलता है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसी भी नेता ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। क्या प्रह्लाद जोशी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई? क्या बोम्मई ने आवाज उठाई? क्या शेट्टर ने कर्नाटक के साथ अन्याय के बारे में बात की? अगर हम कहते हैं कि कर्नाटक के साथ अन्याय हुआ है तो इसे राजनीति कैसे माना जा सकता है? 4.5 लाख करोड़ देने के बाद 60 हजार करोड़ वापस लेना, क्या यह अन्याय नहीं है? उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग के बेंगलूरु दौरे के समय भी यह मुद्दा उठाया गया था। 16वें वित्त आयोग का गठन हुआ और वे बेंगलूरु आए। हमने बताया कि 15वें वित्त आयोग में हमारे कर्नाटक के साथ कितना अन्याय हुआ। कर्नाटक से सालाना 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक टैक्स के रूप में दिए जा रहे हैं। बदले में हमें 55 से 60 हजार करोड़ मिल रहे हैं, क्या यह सही बात है?

भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है: धनखड़

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी को अपनाने, इसे समावेशी बनाने और अंत्योदय से प्रेरित होने पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है।

श्री धनखड़ ने यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की आम सभा की 70वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है। औपनिवेशिक विचारों को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा, भारतीय लोक प्रशासन में भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए जो औपनिवेशिक मानसिकता से दूर हो और स्वतंत्रता के बाद हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि अब पहले के औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा, किंग्स वे अब कर्त्तव्य पथ बन गया है और रेस कोर्स रोड लोक कल्याण मार्ग बन गया है। नेताजी अब उस छत्र पर खड़े हैं जहां कभी किंग जॉर्ज की प्रतिमा हुआ करती थी। भारतीय नौसेना के ध्वज में हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया। औपनिवेशिक काल के 1500 कानून अब कानून की किताब में नहीं हैं। नए आपराधिक कानून–भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली को औपनिवेशिक विरासत से मुक्त कर दिया है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी बदलाव है कि दंड संहिता अब न्याय संहिता बन गई है, जो पीड़ितों के हितों की रक्षा करने, अभियोजन को कुशलतापूर्वक चलाने और कई अन्य पहलुओं के लिए सुधार ला रही है। भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है।

अब चिकित्सा या तकनीक सीखने के लिए अंग्रेजी की आवश्यकता नहीं है। श्री धनखड़ ने कहा कि सरकारी अधिकारियों के बीच सॉफ्ट स्किल्स, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक क्षमता विकसित करना महत्वपूर्ण है ताकि अधिकारी हाशिए पर पड़े और वंचित लोगों के संघर्षों को समझ सकें। ऐसी नीतियों को डिजाइन और लागू कर सकें जो वास्तव में उन चुनौतियों का समाधान करें। उन्होंने लोक सेवकों की समस्या–समाधान क्षमताओं को बढ़ाने और नैतिक नेतृत्व को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैतिक मानक हमारी सभ्यता के लिए मौलिक हैं।

लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अनुसंधान पहलों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जबकि सार्वजनिक सेवा वितरण में उनके नैतिक और जिम्मेदार कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना चाहिए। प्रभावी लोक प्रशासन की आधारशिला निरंतर सीखना और क्षमता निर्माण है। श्री धनखड़ ने कहा कि प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ–साथ हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इससे और अधिक विभाजन पैदा नहीं होना चाहिए। तेजी से आगे बढ़ती प्रौद्योगिकी समाज के सबसे कमजोर वर्गों को बाहर कर सकती है। इसलिए दृष्टिकोण समावेशी और अंत्योदय से प्रेरित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डेटा को हमारी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सबसे आगे होना चाहिए। विभिन्न कल्याणकारी नीतियों के प्रभाव को समझने के लिए साक्ष्य आधारित अध्ययन आवश्यक हैं।

महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने की सराहना करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि यह निर्णय न केवल महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को स्वीकार करता है, बल्कि सामाजिक न्याय के एक गहन पहलू को भी पूरा करता है। नीति निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सहानुभूतिपूर्ण और संवेदनशील शासन को बढ़ावा देगी।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत मेलों और त्यौहारों का देश है, लेकिन इन समारोहों में कभी–कभी ऐसी दुर्घटनाएँ हो जाती हैं जिन्हें टाला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जिला प्रशासन को संवेदनशील बनाने में की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उचित पूर्वानुमान उपायों और अग्रिम योजना के साथ, विशेष रूप से सुविधाओं और सुरक्षा के संबंध में, ऐसी घटनाओं को कम किया जा सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं से की बात

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत की।

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार यह बैठक द प्रेसिडेंट विद द पीपल पहल के तहत हुई जिसका उद्देश्य लोगों के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना और उनके यो–गदान को मान्यता देना है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि देश के नागरिक विमानन क्षेत्र में विभिन्न परिचालन और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 15 प्रतिशत एयर ट्रैफिक कंट्रोलर महिलाएं हैं, 11 प्रतिशत फ्लाइट डिस्पैचर महिलाएं हैं और 9 प्रतिशत एयरोस्पेस इंजीनियर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल वाणिज्यिक लाइसेंस प्राप्त करने वालों में 18 प्रतिशत पायलट महिलाएं थीं। उन्होंने उन सभी सफल महिलाओं की सराहना की जो अभिनव सोच रखती हैं और नए रास्ते पर चलने का साहस रखती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि केन्द्र सरकार के समावेशी प्रयासों ने नागरिक विमानन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा दिया है।

अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ–साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर भी जरूरी हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा और उचित प्रशिक्षण के अलावा परिवार का सहयोग भी जरूरी है। अक्सर देखा जाता है कि कई महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी परिवार से सहयोग न मिलने के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं। उन्होंने सफल महिलाओं से आग्रह किया कि वे अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनें और उन्हें अपना करियर चुनने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी : सिन्हा

श्रीनगर, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर सरकार राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा और संवैधानिक गारंटी बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

श्री सिन्हा ने कहा कि जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लोगों की आकांक्षाएं प्रबल हैं। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू–कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठित करने के बाद जम्मू–कश्मीर विधानसभा के पहले सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सदस्य एक दशक से अधिक समय में पहले लोकतांत्रिक चुनाव के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन के बाद यहां एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा, अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू–कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठित करने के बाद ये चुनाव, राजनीतिक अनिश्चितता की अवधि के बाद लोकतांत्रिक शासन को बहाल करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं।

उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र की स्थायी भावना, हमारी संस्थाओं की ताकत और इस क्षेत्र के लोगों का इस विधानसभा के माध्यम से अपने लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व में विश्वास का प्रमाण है। इस प्रतिष्ठित सदन की बहाली को देखना सौभाग्य की बात है, जो एक बार फिर जम्मू–कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। उपराज्यपाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने कई मौकों पर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जो लोगों के लिए फिर से आशा और आश्वासन का स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के मंत्रिपरिषद ने हाल ही में राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने का आह्वान करते हुए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है। श्री सिन्हा ने कहा, यह प्रस्ताव निर्वाचित प्रतिनिधियों की सामूहिक इच्छा को दर्शाता है, जो पूर्ण लोकतांत्रिक शासन की बहाली के लिए लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिध्वनित करता है।

भारत दुनिया में विश्वसनीय भागीदार विश्व–बंधु के रूप में कार्य करने का इच्छुक : जनरल चौहान

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि भारत बदलती भू राजनीतिक परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों को समझता है और दुनिया में विश्वसनीय भागीदार विश्व–बंधु के रूप में कार्य करने का इच्छुक है।

जनरल अनिल चौहान ने 31 अक्टूबर से 03 नवंबर तक अल्जीरिया की आधिकारिक यात्रा पर एक उच्च स्तरीय भारतीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। यह यात्रा भारत–अल्जीरिया संबंधों को मजबूत करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी। हाल के वर्षों में विशेषकर व्यापार, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और रक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ता देखा गया है। एक महत्वपूर्ण कदम में, जनरल अनिल चौहान और उनके समकक्ष अल्जीरियाई सेना के प्रमुख जनरल सईद चनेग्रिहा ने भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा सहयोग में एक महत्वपूर्ण ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह ज्ञापन न केवल द्विपक्षीय सैन्य सहयोग में एक कदम आगे बढ़ने के साथ साथ विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग की नींव भी रखता है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष अल्जीरिया की गौरवशाली क्रांति की 70वीं वर्षगांठ पर 01 नवंबर की सैन्य परेड और कार्यक्रमों में भी शामिल हुए।

जनरल चौहान ने हायर वॉर कॉलेज के निदेशक के साथ बातचीत की और वहां की सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने समान मूल्यों और सिद्धांतों पर आधारित बंधन को बढ़ावा देते हुए दोनों देशों के साझा इतिहास को रेखांकित किया। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने अपनी वैश्विक आकांक्षाओं में अल्जीरिया और भारत दोनों के भूगोल के लाभ पर प्रकाश डाला और कहा, किसी राष्ट्र का मुख्य रणनीतिक दृष्टिकोण उसके भूगोल और ऐतिहासिक अनुभव से आकार लेता है। उन्होंने वैश्विक संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान करते हुए कहा, भारत हमेशा वैश्विक संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है। भारत ने अल्जीरिया में अपनी रक्षा विंग को फिर से स्थापित किया है और भारत में अल्जीरिया की रक्षा विंग को फिर से खोलने का स्वागत करता है। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अवलोकन देते हुए उन्होंने कहा, आज की जटिल भू–राजनीतिक संरचना में, भारत अपनी जिम्मेदारियों को समझता है और विश्व–बंधु– दुनिया के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में शामिल होने की इच्छा रखता है। उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में समझौते और प्रौद्योगिकी विकास में भारत द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों पर प्रकाश डाला। जनरल चौहान ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं और अल्जीरिया की सेना के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड कार्यक्रमों के तहत भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया।

बालू–पत्थर, खनिज– मनरेगा और आवास सबका पैसा खा गई जेएमएम : शिवराज

रांची, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय कृषि मंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को झारखंड की खिजरी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रामकुमार पाहन के समर्थन में सभा को संबोधित किया। इस दौरान श्री चौहान ने जेएमएम–कांग्रेस गठबंधन की सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि, गठबंधन सरकार ने वन संपदा, जल संपदा और खनिज संपदा से भरपूर सुंदर राज्य को तबाह और बर्बाद कर दिया है। पूरे प्रदेश को लूट लिया है। यहां, नेताओं मंत्रियों के घरों से पैसों के पहाड़ बरामद हो रहे हैं और झारखंड की जनता त्राही–त्राही कर रही है। जेएमएम ने झारखंड को विनाश की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है और यही वजह है कि, अब झारखंड की जनता ने जेएमएम–कांग्रेस गठबंधन की सरकार को उखाड़ फैंकने का मन बना लिया है। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी ही सुशासन स्थापित करेगी।

उन्होंने कहा कि, अगर झारखंड को बचाना है तो एक नई क्रांति करनी पड़ेगी। ये वो धरती है जहां भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के अत्याचार और अन्याय के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका था और अंग्रेजों के दांत खट्टे किये थे। उनके नाम से अंग्रेज काँपते थे। अंग्रेज भी अत्याचार, अन्याय और शोषण करते थे और आज जेएमएम–कांग्रेस गठबंधन सरकार में भी शोषण की अति हो गई है। यहां बहन बेटियाँ सुरक्षित नहीं हैं, विदेशी घुसपैठिए यहां आ रहे हैं, बेटियों को भ्रम के जाल में फंसाकर उनसे शादी कर रहे हैं और जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं, पंचायतों पर कब्जा कर रहे हैं। इतना ही नहीं रूबीका, अंकिता जैसी बेटियों की निर्मम हत्या की जा रही है। झारखंड की धरती संकट में है। झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही इन विदेशी घुसपैठियों को चुन–चुनकर बाहर निकाला जाएगा। हमारे रोजगार छिन रहे हैं, हमारा सम्मान छिन रहा है, इसलिए क्रांति की नई शुरुआत करनी पड़ेगी। उलगुलान भगवान बिरसा मुंडा जी ने जिसका बिगुल फूंका था। यहां भी अब उलगुलान की जरूरत है, एक नई क्रांति की जरूरत है।

श्री चौहान ने कहा कि, पांच साल पहले हेमंत सोरेन ने महिलाओं से वादा किया था कि, उन्हें प्रति माह 2 हजार रूपए चूल्हा खर्च के लिए दिया जाएगा, लेकिन 4 साल 10 महीने बहनों की याद नहीं आई और चुनाव आते ही वोटों की लालच में बहनों के खाते में 1–1 हजार रूपए डाल दिए। प्रति माह 2 हजार रूपए के हिसाब से एक साल के 24 हजार रूपए होते हैं और पांच साल के हिसाब से ये राशि 1 लाख 20 हजार रूपए होती है, लेकिन बहनों के खाते में केवल 2 हजार रूपए आए हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि, हेमंत सोरेन पहले 1 लाख 18 हजार रूपए का हिसाब दो। वहीं केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि, हम मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, ओडिशा और महाराष्ट्र में बहनों के खाते में सम्मान राशि दे रहे हैं। झारखंड में भी भाजपा की सरकार बनते ही बहनों के खाते में हर महीने की 11 तारीख को गोगो दीदी योजना के तहत 2100 रूपए की राशि डाली जाएगी। इतना ही नहीं गरीब बहनों को 500 रूपए में गैस सिलेंडर दिया जाएगा और साल में दो बार त्योहार पर सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि, जेएमएम सरकार ने 5 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन पिछले पांच सालों में एक भी नौकरी नहीं मिली। 5 से 7 हजार रूपए बेरोजगारी भत्ता देने का वादा था, लेकिन भत्ता भी नहीं मिला। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही 2 लाख 87 हजार रिक्त पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। पहले ही साल में डेढ़ लाख नौकरियां दी जाएंगी। बाकायदा कैलेंडर बनाकर तय किया जाएगा कि, किस तारीख को परीक्षा होगी, किस तारीख को रिजल्ट आएगा और किस तारीख को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इतना ही नहीं 5 लाख नए स्वरोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। वहीं शिवराज सिंह ने कहा कि, ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट युवाओं को 2 साल तक 2 हजार रूपए प्रति माह दिए जाएंगे ताकि वो अच्छी नौकरी की तैयारी कर सकें। उन्होंने कहा कि, सोरेन सरकार ने उत्पाद सिपाही भर्ती के नाम पर युवाओं को ऐसा दौड़ाया कि, वो जिंदगी की जंग हार गए। भाजपा सरकार के आते ही इस पूरे मामले की जांच कर दोषियो को जेल भेजा जाएगा। पेपर लीक कर युवा नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले भी बख्शे नहीं जाएंगे। झारखंड के युवाओं को पूरा न्याय मिलेगा। श्री चौहान ने कहा कि, झारखंड में बालू भी बाल्टियों में किलो से बेची जा रही है। गरीबों को मकान बनाने के लिए बालू तक नहीं मिल रही है, लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद झारखंड की धरती पर हर गरीब को पक्का मकान बनाने के लिए राशि दी जाएगी और बालू फ्री दी जाएगी। कोई भी कच्ची छत के नीचे नहीं रहेगा।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए खालिस्तानी समर्थकों का हमला निंदनीय : विहिप

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

विश्व हिंदू परिषद ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा किया गया हमले की निंदा की है और कहा कि इस बारे में भारतीय दूतावास की ओर से सूचना दिए जाने के बावजूद वहां की सरकार ने सुरक्षा के इंतेजाम नहीं किये, जिसके कारण यह घटना घटित हुई।

विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने सोमवार को कहा कि कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा किया गया हमला बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि वहां भारतीय दूतावास द्वारा एक कैम्प का आयोजन किया गया था, जिसके बारे में दूतावास ने तीन दिन पहले कनाडा सरकार को सूचना दी थी और उचित सुरक्षा का आग्रह भी किया था, लेकिन वहां की सरकार ने भारतीय दूतावास की बातों को नजरअंदाज कर दिया।

उन्होंने कहा कि अभी 31 अक्टूबर को दीवाली के अवसर पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने अपने वक्तव्य में कहा था कि इंडो–कैनेडियन कनाडा के सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करते है उन्होंने कहा कि हम हिंदू कनाडाई लोगो की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे ताकि वे स्वतंत्र रूप से और गर्व से अपने धर्म का पालन कर सकें। उनकी यह घोषणा खोखली साबित हुई।

विहिप अध्यक्ष ने कहा कि कनाडा में मंदिर पर हमले की यह पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी ग्रेटर टोरंटो, ब्रिटिश कोलंबिया और ब्रैंपटन में हिंदू मंदिरों पर हमला हो चुका है। उन्होंने कहा कि कनाडा में जस्टिन ट्रुडो की लोकप्रियता कम हुई है। उनके ही सांसदों ने सार्वजनिक रूप से उनसे त्यागपत्र मांगा है। उनकी कुर्सी खालिस्तानी समर्थक सांसदों पर टिकी है, इसलिए उनका खुला समर्थन खालिस्तानियों के साथ है। उनके इस रवैये के कारण भारत और कनाडा के बीच रिश्ते भी खराब हुए हैं। उन्होंने कहा, यह घटना कनाडा देश के मूल सिद्धांत लोकतंत्र, कानून का राज और धर्मनिरपेक्षता का भी हनन करती है। हम हिंदू मंदिर पर हुए हमले की भर्त्सना करते है। उन्होंने कहा कि कनाडा की वर्तमान सरकार और खालिस्तानी समर्थकों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वहां के हिंदुओं को भी अपनी आत्मरक्षा का अधिकार प्राप्त है और आवश्यकता पड़ने पर वह इसका प्रयोग करेंगे।

सीएम योगी की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक

एफडीआई पॉलिसी में संशोधन को मंजूरी मिली

यूपी में विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए हुई पहल

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सोमवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एफडीआई एवं फॉर्च्यून 500 कंपनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति 2023 में संशोधन को मंजूरी दे दी। इस संशोधन के माध्यम से योगी सरकार ने विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत दी है। इसके माध्यम से अब ऐसी विदेशी कंपनियां भी प्रदेश में निवेश कर सकेंगी जो इक्विटी के साथ-साथ लोन या किसी अन्य स्रोत से पैसों की व्यवस्था करती हैं। योगी सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में विदेशी निवेश के बढ़ने की संभावना है।

योगी कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि 1/11/2023 को फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) की नीति आई थी, इसमें थोड़ा संशोधन किया गया है। नीति में अर्हता के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा 100 करोड़ रुपए रखी गई है। आरबीआई द्वारा जो एफडीआई की परिभाषा दी गई है, उसके अनुसार अभी तक मात्र इक्विटी में किए गए निवेश को ही एफडीआई में सम्मिलित किया जाता है। नीति में जो संशोधन किया गया है उसमें हमने इसे फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट का रूप दिया है। उन्होंने कहा कि अभी तक एफडीआई के तहत कंपनी के पास अपनी इक्विटी होती थी लेकिन ज्यादातर कंपनी अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए बाहर से लोन के साथ ही दूसरे माध्यमों से भी पैसा मैनेज करती हैं। हमने उसको भी मंजूर कर लिया है। यदि किसी कंपनी के पास इक्विटी केवल 10 प्रतिशत है और 90 प्रतिशत निवेश राशि की व्यवस्था दूसरे स्रोतों से कर रखी होगी तो हम उसको भी बेनिफिट प्रदान करेंगे।

उन्होंने बताया कि अब इस नीति को फॉरेन डायरेक्ट इन्-वेस्टमेंट, फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट एंड फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एंड फॉर्च्यून इंडिया 500 इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023 कहा जाएगा। फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट के रूप में इक्विटी में निवेश करने वाली विदेशी कंपनी के लिए प्रिफरेंस शेयर, डिबेंचर्स, एक्सटर्नल कमर्शियल बोरोइंग, स्टैंड बाई लेटर ऑफ क्रेडिट, लैटर्स ऑफ गारंटी व अन्य डेब्ट सिक्योरिटी को भी शामिल कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, अन्य मोड जो आरबीआई के द्वारा फ्रेमवर्क ऑन एक्सटर्नल कमर्शियल बोरोइंग, ट्रेड क्रेडिट, स्ट्रक्चर ऑब्लिगेशंस के अंतर्गत किए गए 100 करोड़ के विदेशी निवेश की गणना के लिए अर्ह होंगे। विदेशी निवेशक कंपनी द्वारा की गई फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट राशि (जिसमें इक्विटी में न्यूनतम 10 प्रतिशत तथा शेष ऋण व अन्य इंस्ट्रूमेंट के माध्यम से मिलाकर 100 करोड़ रुपए का निवेश) को इस नीति के अंतर्गत पात्र माना जाएगा तथा पूंजी निवेश की गणना में सम्मिलित किया जाएगा।

बिना नॉमिनी भी हो सकेगा ग्रैच्युटी का भुगतान

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट्स रूल्स 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। इसके तहत यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु सेवा में रहते हुए अथवा सेवानिवृत्ति के उपरांत ग्रैच्युटी की धनराशि प्राप्त किए बिना हो जाती है और उसने अपने पीछे कोई परिवार नहीं छोड़ा है और न ही कोई नॉमिनी बनाया है तो ग्रैच्युटी का भुगतान उस व्यक्ति को किया जा सकता है जिसके पक्ष में किसी न्यायालय द्वारा उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किया गया हो। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि पहले कि व्यवस्था में ऐसे व्यक्ति की ग्रैच्युटी की धनराशि सरकार को चली जाती थी।

मुस्लिमों के अत्याचार से तंग आकर पलायन कर रहा हिंदू परिवार

कुशीनगर, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक हिंदू परिवार ने पलायन का पोस्टर लगाया है। इस पोस्टर में पलायन की वजह मुस्लिमों के अत्याचार से तंग होना बताया गया है। पीड़ित का कहना है कि पड़ोसी मुस्लिमों द्वारा उनके घर पर कूड़ा-करकट डाला जाता है। विरोध करने पर उन्हें धमकियां दी जाती हैं। यह मामला कुशीनगर के विशुनपुरा थाना क्षेत्र का है। यहां के बांसगांव खास के रहने वाले सच्चिदानंद पांडेय ने अपने घर पर पलायन का पोस्टर लगा दिया। पोस्टर में लिखा, मुस्लिमों के अत्याचार से पीड़ित होकर मैं अपनी सारी सम्पत्ति बेचकर जा रहा हूं। ऊपर बड़े-बड़े अक्षरों में पलायन लिखा हुआ है और नीचे कुछ मोबाइल नंबर दिए गए हैं।

पोस्टर में सच्चिदानंद पूरे परिवार के साथ खड़े दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत द्वारा सच्चिदानंद के घर के सामने से नाली का निर्माण करवाया जा रहा है। नाली के पानी को गिराने के लिए उनकी ही जमीन चिन्हित की गई है। इस जमीन पर वो खेती-बाड़ी का काम करते हैं। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तबसे उन्हें धमकियां मिलनी शुरू हो गईं। पीड़ित के परिवार को धमकाने का आरोप गांव के प्रधान प्रतिनिधि जैनुद्दीन अंसारी पर लगा है। इस बीच उन्होंने अपनी खेती वाली जमीन बचाने के लिए छप्पर डालना शुरू किया तो जैनुद्दीन ने डायल 112 पर फोन करके पुलिस बुला ली। मुस्लिम पक्ष से उन्हें धमकियां भी मिलने लगीं। सच्चिदानंद का आरोप है कि उनके घर के आगे मुस्लिम पड़ोसियों द्वारा कूड़ा-करकट फेंका जाता था।

कूड़ा फेंकने से रोकने पर मुस्लिम उनसे झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। उन्होंने कई बार अपनी शिकायतें उच्चाधिकारियों को भेजी हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार थक-हार कर सच्चिदानंद ने पूरे परिवार के साथ गांव से पलायन का ऐलान कर दिया। पोस्टर वायरल होते ही कुशीनगर के प्रशासनिक अधिकारियों ने फौरन मामले का संज्ञान लिया और कार्रवाई करने के बजाय इसे नाली का विवाद बता कर पल्ला भी झाड़ लिया।

एक केजीबीवी, एक खेल योजना

82,120 बालिकाओं को खेल में निपुण बनाएगी सरकार

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाली 82,120 बालिकाओं की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास तेज कर दिया है। सरकार इस उद्देश्य को एक केजीबीवी, एक खेल योजना लागू कर साकार करेगी।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के नेतृत्व में इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में एक विशेष खेल का चयन किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को विशेषज्ञ प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना से बालिकाएं खेल में निपुण होने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास भी प्राप्त करेंगी, जिससे वे समाज में एक सशक्त पहचान बना सकेंगी।

उत्तर प्रदेश के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में बालिकाओं की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उभारने के उद्देश्य से एक केजीबीवी, एक खेल योजना लागू की गई है। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े और वंचित समुदायों की बालिकाओं को खेल के क्षेत्र में विशेष कौशल प्रदान करना है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में एक विशेष खेल का चयन किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को खेल विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रत्येक जनपद के दो केजीबीवी में आरंभ की जाएगी और सफल होने पर इसे अन्य विद्यालयों में भी विस्तार दिया जाएगा।

केजीबीवी में अध्ययनरत 82,120 छात्राओं को खेलों में प्रशिक्षित कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। यह योजना छात्राओं को न केवल खेल किट और आधारभूत प्रशिक्षण प्रदान करेगी, बल्कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में जनपद और राज्य स्तर पर चयनित करने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित करेगी। प्रत्येक विद्यालय में एक खेल समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें वार्डन, व्यायाम शिक्षिका, खेल प्रभारी और दो खिलाड़ी छात्राएं होंगी। यह समिति छात्राओं की रुचि और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर एक खेल का चयन करेगी। चयनित खेल में प्रशिक्षण देने के लिए योग्य महिला प्रशिक्षक नियुक्त की जाएगी। आवश्यकतानुसार, बाहरी खेल प्रशिक्षकों की सहायता भी ली जा सकेगी।

योजना के अंतर्गत, खेल गतिविधियों के संचालन के लिए एक निर्धारित समय सारिणी होगी, जिसमें प्रशिक्षक छात्राओं को खेल की बारीकियां सिखाएंगे। बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें छात्राओं को आहार, पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी समय-समय पर किया जाएगा। पूर्व राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को भी बुलाकर छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को स्थानीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया जाएगा। इसके अलावा, विद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं के दौरान सम्मानित नागरिकों और विभागीय अधिकारियों को आमंत्रित कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया जाएगा।

योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खेल संघों के साथ कॉर्पोरेट समूहों से भी सहयोग लिया जाएगा।

सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों को योगी की सौगात

अब तीन साल में मिलेगा ट्रांसफर का अवसर

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने प्रदेश के सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। सोमवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसमें अब शिक्षकों को 5 वर्षों की न्यूनतम सेवा के बजाय केवल तीन वर्षों की सेवा के बाद स्थानांतरण का अधिकार मिल सकेगा। इस निर्णय से घर से दूर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सेवाएं दे रही महिला शिक्षकों को विशेष लाभ होगा, क्योंकि उन्हें अपने परिवार के पास वापस आने का अवसर पहले से कम समय में मिल सकेगा।

नई उच्चतर सेवा नियमावली 2024 के अनुसार, प्रदेश के सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षक, जो नियमित आधार पर नियुक्त और स्थायी रूप से पदस्थापित हैं, अब केवल 3 वर्षों की सेवा के बाद अपने स्थानांतरण का अनुरोध कर सकेंगे। इससे पहले यह सीमा 5 साल थी। नई नियमावली के अंतर्गत यह प्रावधान भी है कि शिक्षक अपने संपूर्ण सेवा काल में केवल एक बार स्थानांतरण के हकदार होंगे। इस निर्णय के पीछे योगी सरकार की मंशा है कि इससे शिक्षक समुदाय में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। घर से दूर रहने के कारण कठिनाई महसूस कर रही महिला शिक्षकों और अन्य शिक्षकों को इस नियमावली से काफी राहत मिलेगी। योगी सरकार के इस कदम को शिक्षा प्रणाली में संतुलन और स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

योगी सरकार ने हाल ही में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम-2023 को लागू किया है, जो कि 23 अगस्त 2023 को प्रख्यापित किया गया था। इस अधिनियम के तहत उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग अधिनियम-1980 को निरसित कर दिया गया है, जिससे 1980 के अधिनियम के तहत जारी स्थानांतरण नियम स्वतः समाप्त हो गए हैं। इसके बाद 2005 में जारी नियमावली भी निरस्त कर दी गई है, जिससे नई नियमावली बनाने की आवश्यकता उत्पन्न हुई। अधिनियम-2023 की धारा-31 (1) के तहत शिक्षा सेवा में चयन की नई व्यवस्था लागू की गई है, जो शिक्षक समुदाय में स्थानांतरण की प्रक्रिया को और सुगम बनाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत शिक्षक केवल अपने महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र और विश्वविद्यालय के अनुमोदन के साथ स्थानांतरण का आवेदन कर सकेंगे, जिसे निदेशक, उच्च शिक्षा को प्रस्तुत करना होगा।

इस नई नियमावली के तहत एक महाविद्यालय से दूसरे महाविद्यालय में एकल अथवा पारस्परिक स्थानांतरण करने के लिए शिक्षकों को विधिवत आ-वेदन प्रक्रिया का पालन करना होगा। आवेदन पत्र संबंधित महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित होगा। प्रबंधतंत्र की सहमति के बाद ही आवेदन को निदेशक, उच्च शिक्षा के पास भेजा जा सकेगा।

इससे स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्पष्टता आएगी, साथ ही अनावश्यक देरी से भी बचा जा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि बढ़ाने में सहायक होगा। साथ ही, यह कदम शिक्षा क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य को भी पूरा करता है, क्योंकि इससे उन महिला शिक्षकों को लाभ मिलेगा जो अपने परिवारों से दूर सेवा देने को मजबूर हैं। योगी सरकार का यह निर्णय राज्य के शैक्षिक ढांचे में संतुलन और सुधार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

योगी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए हाल ही में कई पहल की हैं। इस नई नियमावली के साथ, योगी सरकार का उद्देश्य है कि सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों को उनकी सेवाओं में स्थायित्व और संतोष का अनुभव हो। योगी सरकार ने इसके माध्यम से शिक्षकों को उनके घरों के निकटतम क्षेत्रों में स्थानांतरण का विकल्प देकर संतुलन बनाने की कोशिश की है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस पहल से प्रदेश के शिक्षा संस्थानों में स्थायित्व बढ़ेगा और इससे छात्र-शिक्षक संबंधों में भी सुधार होगा। उच्च शिक्षा मंत्री यो-गेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि इस नियमावली के लागू होने के बाद से शिक्षकों को अपने गृह जनपद में लौटने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षण कार्य में अधिक समर्पण और प्रतिबद्धता आएगी। इससे ना केवल शिक्षकों के कार्यस्थल पर संतोष का स्तर बढ़ेगा, बल्कि छात्रों को भी लाभ होगा, क्योंकि शिक्षक अधिक सहज और संतुष्ट होकर अपने कर्तव्यों का पालन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार द्वारा सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण नियमों में किए गए इस बदलाव से राज्य के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। शिक्षकों को अपने परिवार के निकट कार्य करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका कार्यस्थल पर संतोष और उत्साह बढ़ेगा। योगी सरकार की यह पहल न केवल शिक्षक समुदाय को संतुष्टि देगी बल्कि इससे प्रदेश के शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता भी सुधरेगी।

डिजिटल महाकुंभ : महाकुंभ में पहली बार हो सकेगा गूगल नेविगेशन का इस्तेमाल

प्रयागराज, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता को लेकर अब गूगल भी प्रभावित नजर आ रहा है। यही कारण है कि पहली बार अपनी पॉलिसी में बदलाव करते हुए गूगल ने नेविगेशन के लिए किसी अस्थायी शहर (महाकुंभ मेला क्षेत्र) को इंटीग्रेट करने का निर्णय लिया है। गूगल और महाकुंभ मेला प्राधिकरण के बीच इसको लेकर बाकायदा एक एमओयू भी हुआ है। इस एमओयू के प्रावधान के तहत गूगल महाकुंभ के लिए स्पेशल नेविगेशन तैयार करेगा, जिसकी मदद से श्रद्धालु यहां स्थित समस्त स्थलों, अखाड़ों और यहां तक कि साधु संतों की लोकेशन को ट्रैक कर सकेंगे। इस स्पेशल नेविगेशन के नवंबर अंत या दिसंबर की शुरुआत में प्रारंभ होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि सनातन आस्था के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ को लेकर भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में कौतूहल है। हर कोई इस महा समागम में शामिल होने के बेताब है।

नेवीगेशन को सरल शब्दों में कहें तो किसी स्थान पर ले जाने वाले रास्ते की विस्तृत जानकारी को कंप्यूटर या मोबाइल की भाषा में नेविगेशन या मार्गदर्शन कहा जाता है।

पुराने समय में लोग कागजी नक्शे या लोगों से पूछकर अपने गंतव्य की ओर जाते थे, लेकिन आधुनिक दौर में गूगल नेवीगेशन के माध्यम से यह काम अत्यंत आसान हो गया है। यह नेवीगेटर आपको न केवल स्थान का पूरा नक्शा दिखाते हैं, बल्कि कब कहां मुड़ना है, इसकी भी विस्तृत जानकारी देते हैं। गूगल सामान्य तौर पर पूरी दुनिया में बसे शहरों का नेविगेशन देता है, लेकिन पहली बार उसने किसी अस्थायी शहर के लिए यह सुविधा प्रदान करने पर सहमति दी है। इसमें वह यहां की प्रमुख सड़कों, धार्मिक स्थलों, घाटों, अखाड़ों समेत प्रमुख संतों के स्थलों की जानकारी प्रदान करेगा।

अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि पूरी दुनिया में बड़े पैमाने पर लोगों का समागम होता है, लेकिन गूगल ने आज तक किसी अस्थायी कार्यक्रम के लिए नेविगेशन की अनुमति नहीं दी है। यह पहली बार है कि गूगल ने महाकुंभ की भव्यता और यहां जुटने वाले लोगों की संख्या को देखते हुए अपनी पॉलिसी बदलते हुए महाकुंभ मेला क्षेत्र को अपने नेविगेशन मैप में इंटीग्रेट किया है। गूगल और मेला प्राधिकरण के बीच हुए इस समझौते से यहां प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान आने वाले करीब 45 करोड़ से अधिक देशी-विदेशी श्रद्धालुओं को इस तकनीक का फायदा मिलेगा और वह आसानी से अपने गंतव्यों तक पहुंच सकेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महाआयोजन में श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए डिजिटल टेक्नोलॉजी के उपयोग पर जोर दिया है। मेला प्राधिकरण की यह पहल उनकी मंशा के अनुरूप है। इसके माध्यम से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होगी। अपने मोबाइल पर गूगल मैप के माध्यम से वो अपने गंतव्य का पूरा नेविगेशन प्राप्त कर सकेंगे और उसके मार्गदर्शन में आसानी से लक्ष्य पर पहुंच पाएंगे। यदि किसी श्रद्धालु को संगम तट पर जाना है, किसी खास अखाड़े का पता लगाना है, किसी मंदिर में शीश नवाना है तो उसे किसी से पूछने की आवश्यकता नहीं होगी। अपने मोबाइल पर गूगल नेविगेशन के जरिए वह आसानी से इसका पता लगा सकेंगे। नेविगेशन के प्रयोग से किसी संत विशेष तक पहुंचना भी आसान हो जाएगा।

महाकुंभ 2025 : प्रयागराज के मंदिरों का हो रहा कायाकल्प

प्रयागराज, 04 नवंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 में आस्था अपने चरम पर होगी। गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन वाले पावन स्थल संगम पर जहां लाखों, करोडों लोग स्नान कर अपनी श्रद्धा प्रकट करेंगे तो वहीं प्रयागराज के पौराणिक मंदिरों में शीश नवाकर अपनी यात्रा को सुखमय और संपूर्ण बनाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने महाकुंभ की तैयारियों के साथ-साथ प्रयागराज के मंदिरों के कायाकल्प का भी बीड़ा उठाया है जो अब समापन के करीब पहुंच गया है। पौराणिक महत्ता वाले प्रयागराज के तमाम मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य लगभग खत्म होने वाला है। ऐसी कुल 19 परियोजनाओं में से 17 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि 2 परियोजनाएं 30 नवंबर तक हो जाएंगी पूर्ण हो जाएंगी। दीपावली के बाद इसमें और तेजी से कार्य किया जा रहा है। हाल ही में लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा महाकुंभ की समीक्षा बैठक में इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। इसमें बताया गया कि मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाओं में तीन प्रमुख विभाग कार्य कर रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग, स्मार्ट सिटी और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये तीनों ही विभाग आपसी समन्वय से इन सभी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने में जुट गए हैं। मंदिर कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित कुल 15 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिस पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार, 15 में से 14 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि एक परियोजना 30 नवंबर तक पूर्ण होगी। 15 नवंबर तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं में भारद्वाज कॉरिडोर, मनकामनेश्वर मंदिर कॉरिडोर समेत द्वादश माधव मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, अलोपशंकरी मंदिर और 9 अन्य मंदिरों का जीर्णोद्धार शामिल है।

इसी तरह, स्मार्ट सिटी 3 प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है और तीनों ही परियोजनाएं 15 नवंबर पूर्ण हो जाएंगी। इसमें अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर और पातालपुरी कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं।

संपादकीय

चुनावी गारंटियां बेनकाब

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि वह चोरी की इजाजत दे सकते हैं, लेकिन मुफ्तखोरी की नहीं।' मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार चेता चुके हैं कि मुफ्त की रेवड़ियां देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत घातक हैं। इन कथनों के बावजूद आज देश में मुफ्तखोरी और गारंटियों की ही राजनीति चल रही है। चुनावों में गारंटियों की खैरात घोषित की जाती है, लेकिन सरकार बनने के बाद बहाने बनाए जाते हैं, कन्नी काट ली जाती है, समीक्षाओं की आड़ ली जाती है, लिहाजा बहुधा गारंटियां लागू नहीं हो पातीं। मुफ्तखोरी या रेवड़ियों का ही नतीजा है कि देश पर करीब 176 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी लेना पड़ा होगा! जितना हम पर कर्ज है, उतनी कई देशों की अर्थव्यवस्था भी नहीं होती। देश के सभी राज्य कर्ज में डूबे हैं। यदि कोई 'सरप्लस' में होने का दावा करता है, तो झूठ बोल रहा है। देश की जनता को बेवकूफ बना रहा है। दो मुख्य उदाहरणों के जरिए मुद्दे को समझने की कोशिश करते हैं। भारत सरकार की ओर से 81 करोड़ से अधिक लोगों में 5 किलो मुफ्त अनाज प्रति माह बांटा जा रहा है। यह योजना 2028 के अंत तक चलेगी। कोरोना महामारी के कारण यह योजना शुरू करनी पड़ी थी, लेकिन अब तो कोरोना के प्रभाव समाप्त हो चुके हैं। बाजार खुले हैं। आर्थिक गतिविधियां खूब चल रही हैं। फिर भी इतनी आबादी को सरकार ने मोहताज बनाकर क्यों रखा हुआ है? मुफ्त अनाज पर पांच साल में 11.80 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दूसरी प्रमुख योजना है-पीएम किसान सम्मान निधि। इसके तहत किसानों को, हर चार माह में, 2000 रुपए दिए जाते हैं। सालाना 6000 रुपए उनके बैंक खातों में डाल दिए जाते हैं। करीब 8-9 करोड़ किसानों में यह राशि बांटी जाती है। इस पर कुल 60,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की बात कही जाती है। बहरहाल केंद्र सरकार की ऐसी 100 से अधिक योजनाएं हैं, जिनमें राशि बैंक खातों में जाती है अथवा सबसिडी के तौर पर दी जाती है। ये योजनाएं रेवड़ियां हैं या मुफ्तखोरी है अथवा जन-कल्याण की श्रेणी में आती हैं, सरकार को इन्हें अलग-अलग परिभाषित करना चाहिए। एक संदर्भ में लाभार्थी और दूसरे में रेवड़ी कैसे हो सकता है? बिजली, पानी, बस यात्रा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कर्जमाफी आदि सभी कुछ मुफ्त कैसे मुहैया कराया जा सकता है? आखिर पैसा तो देश के औसत करदाता का है। ताजा संदर्भ के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नैतिक साहस की सराहना करनी चाहिए, जिन्होंने अपनी ही पार्टी की कर्नाटक सरकार को, गारंटियों के मद्देनजर, खरी-खोटी सुनाई और आईना दिखा दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वायदा वह करें, जो बजट के अनुरूप हो और पूरा किया जा सके। यदि गारंटियां 'खटाखट, फटाफट' घोषित की जाती हैं, तो राज्य दिवालिया हो सकता है। सरकार नाकाम हो सकती है। वायदे पूरे नहीं किए गए, तो लोग 10 साल तक कांग्रेस की सरकार नहीं चुनेंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने परोक्ष रूप से राहुल-प्रियंका गांधी की गारंटियों को खारिज किया है, जो लोकसभा चुनाव के बाद 'खटाखट खटाखट' मिलनी थी। यदि एक परिवार को एक लाख रुपए सालाना 'मुफ्त' में ही मिलना है, तो देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष की यह नसीहत, चेतावनी सिर्फ कांग्रेस सरकारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र और झारखंड कांग्रेस को भी चेताया है कि चुनावों में 5, 6, 7, 8 या 10 गारंटियों की घोषणा न करें। वायदे ऐसे करें, जिन्हें बजट के जरिए पूरा किया जा सके और अंततः जनता को लाभ और राहत मिल सके। मुफ्तखोरी की यह परंपरा 1970 के दशक से शुरू हुई, जब दक्षिण भारत के राज्यों में रेवड़ियां बंटने का सिलसिला आरंभ हुआ। अब ऐसा कोई राज्य नहीं है, जिस पर लाखों करोड़ रुपए का कर्ज न हो। भाजपा शासित राज्य भी कर्जदार हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी यह न कहें कि कांग्रेस शासित राज्यों में हालात बदतर हैं। मप्र और उप्र के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो उनकी भी गारंटियों का सच बेनकाब हो जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने जिस 'लाडली बहना योजना' की घोषणा की है, उस पर 46,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह लाभार्थी योजना है या मात्र रेवड़ी देकर चुनाव जीतने की कवायद है? बहरहाल, इसे 'मेरी, तेरी रेवड़ी' के तौर पर पेश न करें।

> चुनावों में गारंटियों की खैरात घोषित की जाती है, लेकिन सरकार बनने के बाद बहाने बनाए जाते हैं, कन्नी काट ली जाती है, समीक्षाओं की आड़ ली जाती है, लिहाजा बहुधा गारंटियां लागू नहीं हो पातीं। मुफ्तखोरी या रेवड़ियों का ही नतीजा है कि देश पर करीब 176 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी लेना पड़ा होगा!

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है तथा निवेश और निजी खपत इसकी वृद्धि को गति दे रहे

निवेश-निजी खपत से बढ़ेगी आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में एक नवंबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 'एशिया प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक अनुमान 2024' में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है तथा निवेश और निजी खपत इसकी वृद्धि को गति दे रहे हैं। रिपोर्ट में भारत की विकास दर को पहले के 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। गौरतलब है कि दिवाली के बाद एक नवंबर से शुरू हुए नए संवत 2081 में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती संबंधी शुभ संकेत उभरकर सामने आ रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक है। देश कृषि, उद्योग-कारोबार, बैंकिंग क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र प्रणाली के स्तर पर काफी मजबूत बना हुआ है। विकास और मुद्रास्फीति का संतुलन बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि भू-राजनीतिक संकट, भू-आर्थिक बिखराव और किसी तरह की चरम मौसमी घटनाएं, जो बाहरी मांग को प्रभावित कर सकती हैं और ये भारत की वृद्धि के लिए एक तरह की बड़ी जोखिम होंगी, लेकिन भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों से उनके मुकाबले में सक्षम होगा। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई में नरमी आएगी और वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इस समय ग्लोबल फंड का भारतीय बांड में किया जा रहा निवेश उभरते बाजारों में ऊंचाई पर रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष 2023 में भारतीय बांड में जो विदेश निवेश 70627 करोड़ रुपए का था, वह इस वर्ष 2024 में करीब 88 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर तक 1.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। निश्चित रूप से नए संवत 2081 में भारत की विकास दर उभरते हुए देशों की तुलना में ऊंचाई पर होगी। नए संवत 2081 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे हमारे स्थानीय और घरेलू बाजार मजबूत हुए हैं। इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में चमकते हुए सितारे के रूप में रेखांकित हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में भारत के घरेलू बाजार की अहम भूमिका है। इस वर्ष दीपावली और इससे जुड़े त्योहारों पर देशभर के घरेलू और स्थानीय बाजारों में भारी मांग देखी गई है। चीनी उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिला है। दिवाली त्योहार के बाजारों में 4.25 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि डेलॉइट इंडिया की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह नए संवत 2081 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को इस वर्ष जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ रही है। बेहतर मानसून से ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ रही है। नए संवत में देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से मिल रही शक्ति बढ़ेगी। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम लागू करने के और अधिक अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। इस समय जब दुनिया में वैश्विक संघर्षों से उथल-पुथल मची हुई है, तब भारत नए संवत 2081 में दुनिया के लिए उम्मीद की एक किरण के रूप में दिखाई दे रहा है। जहां भारत गरीबी जैसी चुनौतियों को कम करते हुए हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा, वहीं दुनिया की मदद करते हुए दुनिया में आशा का संचार भी करेगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वैश्विक संघर्ष की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। नए संवत 2081 में यह भी दिखाई दे सकेगा कि एक ओर भारत अपने भरपूर खाद्यान्न भंडारों से देश के लोगों की खाद्य सुरक्षा निश्चित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया की खाद्य सुरक्षा में मददगार बना हुआ है। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय से भारत में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने का बेमिसाल अभियान चलाया जा रहा है और इससे देश में अत्यधिक गरीबी में कमी आ रही है। हाल ही में विश्व बैंक ने गरीबी अवलोकन और विकास रिपोर्ट 2024 में बताया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में कमी आई है। इस समय वैश्विक आबादी के करीब 70 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी यानी 181 रुपए (करीब 2.15 डॉलर) प्रतिदिन से कम पर जीवनयापन कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबों की संख्या 2021 में 16.74 करोड़ थी, वह इस वर्ष 2024 में करीब 12.9 करोड़ रह गई है। नए संवत 2081 में देश में गरीबी में और कमी आने की संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच भारत की वैश्विक खाद्य सुरक्षा में मददगार देश की भूमिका बढ़ते हुए दिखाई दे सकती है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम तथा कई देशों के अनुरोध पर भारत ने गैर बासमती चावल यानी सफेद चावल के निर्यात पर जुलाई 2023 से लगाई गई रोक को हटा लिया है। भारत के इस निर्णय से दुनिया के कोने-कोने में चावल आयातक देशों के करोड़ों चावल उपभोक्ताओं को राहत मिली है। जहां भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों के लोगों की खाद्य जरूरतों के लिए खाद्य निर्यात करता है, वहीं दुनिया के 185 से अधिक देशों के करोड़ों लोगों के लिए सस्ती व गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की आपूर्ति करने वाला विश्वसनीय देश भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि नए संवत 2081 में पश्चिम एशिया में युद्ध के बढने पर शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई की चुनौतियों के बीच भी भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों और ऊंचाई पर स्थित 700 अरब डॉलर से अधिक के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार से किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम होगा। हम उम्मीद करें कि नए संवत 2081 में भारतीय शेयर बाजार की राह कठिन नहीं होगी, कारपोरेट आय को बढ़ावा मिलेगा और शेयर बाजार को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने में घरेलू फंडों की अहम भूमिका होगी। हम उम्मीद करें कि नए संवत 2081 में सरकार के द्वारा कृषि सुधारों, मेक इन इंडिया, निर्यात बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों की आमदनी बढ़ाने के रणनीतिक प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा देश का आम आदमी भी विकास की डगर पर आगे बढ़ेगा।

> भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक है। देश कृषि, उद्योग-कारोबार, बैंकिंग क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र प्रणाली के स्तर पर काफी मजबूत बना हुआ है। विकास और मुद्रास्फीति का संतुलन बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि भू-राजनीतिक संकट, भू-आर्थिक बिखराव और किसी तरह की चरम मौसमी घटनाएं, जो बाहरी मांग को प्रभावित कर सकती हैं और ये भारत की वृद्धि के लिए एक तरह की बड़ी जोखिम होंगी, लेकिन भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों से उनके मुकाबले में सक्षम होगा।

दृष्टि कोण

सिरिजाप की जंग में धन सिंह थापा का पराक्रम

अक्तूबर 1949 को तोहमत व फरेब के तालिब-ए-इल्म 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' की स्थापना हुई थी। अप्रैल 1950 में भारत ने चीन को मान्यता देकर अपने राजनयिक संबंध स्थापित कर लिए तथा सन् 1954 में भारत-चीन के बीच 'पचंशील' नामक समझौता हुआ। लेकिन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थापक चेयरमैन 'माओत्से तुंग' ने अपने प्राचीन सेनानायक व दार्शनिक 'सुन त्जू' द्वारा लिखित सैन्य ग्रंथ 'आर्ट ऑफ वार' के नक्शेकदम पर चलना शुरू कर दिया था। 'सुन त्जू' के 13 अध्यायों वाले उस ग्रंथ में कुछ सिद्धांत ये भी हैं कि 'सेना की उचित तैनाती व सम्मान, सैनिकों तक हथियार व रसद पहुंचाने के लिए शानदार सड़कें तथा युद्ध धोखे से ही जीते जाते हैं'। सुन त्जू के सैन्य सिद्धांत चीन की रक्षा अकादमी में आज भी पढ़ाए जाते हैं। चीन ने सन् 1950 में 'विश्व की छत' कहे जाने वाले तिब्बत पर सैन्य कार्रवाई से कब्जा करके अपने विस्तारवादी मंसूबों का पहला मजमून लिख दिया था। तिब्बत पर चीन के कब्जे की संगे बुनियाद भारत के लिए एक पैगाम था। भारत का सियासी नेतृत्व उस पैगाम को समझने में नाकाम रहा था। चीन ने तिब्बत में हिंदोस्तान से लगती सरहद पर सन् 1957 तक सड़कें बनाकर भारत को एक आसान लक्ष्य बनाकर लद्दाख, अरुणाचल व सिक्किम जैसे राज्यों के कई क्षेत्रों पर अधिकार जताकर अपने तल्ख तेवर दिखा दिए थे। दरअसल 1947 में बर्तानिया से आजादी के बाद भारत का सियासी नेतृत्व अपनी अंतरराष्ट्रीय सरहदों को परिभाषित करने में विफल रहा था। चीन के हुक्मरानों ने औपनिवेशिक काल के सरहदी समझौतों को रद्द करके भारत के खिलाफ हमले की तैयारी शुरू कर दी थी। जब भारत ने सन् 1959 में अपनी 'फॉरवर्ड पॉलिसी' को लागू किया, तब तक चीन सरहद पर पेशकदमी को तैयार बैठा था। चीनी सेना ने 21 अक्तूबर 1959 को लद्दाख के 'हॉट स्प्रिंग' में गश्त कर रहे भारतीय 'सीआरपीएफ' के दस जवानों पर गोलीबारी करके उनकी हत्या कर दी थी लेकिन भारत में हिंदी चीनी भाई-भाई के नारे लग रहे थे। चीन को गोली का जवाब गोली से देने के बजाय भारत की हुकूमत उन तनावपूर्ण हालात को कूटनीति व शांत तरीके से सुलझाना चाहती थी। भारत के उसी कमजोर पक्ष पर प्रहार करके चीन ने बीस अक्तूबर 1962 को लद्दाख व अरुणाचल पर हमला करके हिंदी चीनी भाई-भाई के नारे की हवा निकाल कर पंचशील समझौते को भी आईना दिखा दिया था। चीन पर जरूरत से ज्यादा भरोसे के रद्देअमल में भारत को ऐसा धोखा मिला कि हिंदोस्तान का भूगोल तब्दील हो गया। कई वर्षों से भारत पर हमले की तैयारी कर रहे चीन ने अपनी 'पीपल लिबरेशन आर्मी' (पीएलए) को आधुनिक हथियारों से लैस कर दिया था। लेकिन सैन्य संसाधनों की कमी से जूझ रहे भारतीय सैनिक दूसरी जंगे अजीम के दौर के पुराने हथियारों से ही चीनी सेना पर शाहीन बनकर टूट पड़े थे। लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश में हजारों फीट की बुलंदी पर भीषण ठंड में लड़ रहे भारतीय सैनिकों को वायुसेना की मदद भी नसीब नहीं हुई थी। लद्दाख सेक्टर में पैंगौंग त्सो झील के निकट 'सिरिजाप' की चौकियों पर मेजर 'धन सिंह थापा' के नेतृत्व में 'आठवीं गोरखा राइफल्स' के जवान तैनात थे। बीस अक्तूबर 1962 को चीन के हजारों सैनिकों ने सिरिजाप पर जोरदार हमला कर दिया था। दुश्मन के दो बड़े हमलों को नाकाम करके गोरखा सैनिकों ने पीएलए को काफी नुकसान पहुंचाया, मगर चीनी सेना ने तीसरे हमले को अपने टैंकों से अंजाम दिया था। अपनी खुखरियों से पीएलए को हलाक करके गोरखा सैनिक वतन-ए-अजीज के लिए बलिदान हो गए, मगर मैदान-ए-हर्ब को नहीं छोड़ा। शत्रु सैनिकों को जहन्नुम की परवाज पर भेज कर रणक्षेत्र में बुरी तरह जख्मी हो चुके धन सिंह थापा को पीएलए ने हिरासत में ले लिया था।

कुछ अलग

नशे के खिलाफ जंग

निश्चित रूप से पंजाब नशे की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जाहिर बात है सीमा पार से शुरू किए गए छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। सतही तौर पर ये आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। हाल के दिनों में पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। संदेश जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार का खात्म करना बेहद आवश्यक है। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

देश दुनिया से

परमाणु शक्ति से क्षुद्रग्रह संकट टालने की कोशिश

यदि कोई क्षुद्रग्रह पृथ्वी की तरफ खतरनाक ढंग से बढ़ता है तो क्या हम उसे रोक पाएंगे? वैज्ञानिक भविष्य में क्षुद्रग्रह के प्रहारों से बचने के लिए कई तरह के उपायों पर विचार कर रहे हैं। एक नए अध्ययन के अनुसार, एक परमाणु बम पृथ्वी को क्षुद्रग्रह के प्रभाव से बचा सकता है। प्रयोगशाला में दुनिया के सबसे शक्तिशाली जेड मशीन विकिरण स्रोत का उपयोग करके किए गए नए प्रयोग ने प्रदर्शित किया कि एक क्षुद्रग्रह के करीब परमाणु बम को विस्फोटित करके क्षुद्रग्रह की दिशा बदलने के लिए पर्याप्त बल उत्पन्न किया जा सकता है। न्यू मैक्सिको की सैंडिया नेशनल लेबोरेटरी में जेड मशीन विकिरण स्रोत का संचालन करने वाली टीम का कहना है कि परमाणु विस्फोट द्वारा उत्पन्न शक्तिशाली एक्स-रे तरंगें क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करके उसकी दिशा मोड़ देंगी। इस अध्ययन के मुख्य लेखक नाथन मूर ने कहा, अधिकांश लोगों को क्षुद्रग्रहों से खतरा बहुत दूर की बात लगती है। लेकिन हमारा ग्रह हर दिन छोटे आकार के क्षुद्रग्रहों से टकराता है। हम उन्हें शूटिंग स्टार कहते हैं। हम किसी बड़े क्षुद्रग्रह के दिखने का इंतजार नहीं करना चाहते। हम उसकी दिशा बदलने के सही तरीके खोजना चाहते हैं।

पिछले साल अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें कहा गया था कि ग्रहों की सुरक्षा एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। विभिन्न मॉडलों ने दिखाया था कि परमाणु बम द्वारा बनाई गई शॉकवेव आने वाले क्षुद्रग्रह को सफलतापूर्वक मोड़ने के लिए पर्याप्त बल प्रदान कर सकती है। लेकिन इन परिदृश्यों में हानिरहित रूप से पथ से हटाए गए क्षुद्रग्रहों को दशकों पहले देखा गया था। चिंताजनक बात यह है कि इस समय चल रहे नासा के आकाश सर्वेक्षण ने अनुमान लगाया है कि पृथ्वी के निकट लगभग 25,000 ऐसी वस्तुएं मौजूद हैं जो बड़े विनाश का कारण बन सकती हैं। इनमें से कई सूर्य की चमक से छिपी हुई हैं, इसलिए संभावित रूप से खतरनाक क्षुद्रग्रहों में केवल एक-तिहाई की ही पहचान की जा सकी है। न्यू मैक्सिको स्थित प्रयोगशाला में मूर और उनकी टीम ने एक छोटे सिलिका पत्थर के आकार के नकली क्षुद्रग्रह को जेड मशीन की एक्स-रे पल्स से विकिरणित किया। शोधकर्ताओं ने बिल्कुल सही समय पर 'सिलिका क्षुद्रग्रह' को प्रयोगशाला के वातावरण के भीतर 'अंतरिक्ष' में छोड़ा। उन्होंने वातावरण का अनुकरण करने के लिए एक वैक्यूम बनाया था। उन्होंने एक्स-रे द्वारा नकली क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करने से पहले एक सेकंड के एक अरबवें हिस्से के भीतर उसे छोड़ दिया। प्रयोग में क्षुद्रग्रह आगे खिसक गया। कई विज्ञानियों ने पहले यह विचार रखा था कि शक्तिशाली एक्स-रे विस्फोट एक बहुत बड़ी अंतरिक्ष चट्टान को उसके मार्ग से हटाने का विकल्प हो सकता है, लेकिन इसका कभी परीक्षण नहीं किया गया था। नया प्रयोग इस सिद्धांत का पहला प्रायोगिक प्रदर्शन है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर पर्याप्त चेतावनी या सतर्कता हो तो इस विधि का इस्तेमाल बहुत बड़े क्षुद्रग्रहों पर किया जा सकता है। सिद्धांत रूप में, अगर आपके पास पर्याप्त समय हो तो आप डायनासोर को मारने वाले क्षुद्रग्रह को रास्ते से हटा सकते हैं। दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियां पहले से ही लंबे समय तक चेतावनी देने वाले क्षुद्रग्रहों की दिशा मोड़ने के संभावित तरीकों पर काम कर रही हैं। नासा के डार्ट मिशन ने दो साल पहले एक हानिरहित क्षुद्रग्रह, डिमोर्फोस को सफलतापूर्वक अपने मार्ग से हटा दिया था। इस बीच, एक नए अध्ययन से पता चला है कि 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी से टकराने वाला और डायनासोर का सफाया करने वाला विशाल क्षुद्रग्रह अकेला नहीं था। वैज्ञानिकों का कहना है कि उसी युग में पश्चिम अफ्रीका के तट से दूर समुद्र में एक दूसरी, छोटी अंतरिक्ष चट्टान टकराई थी, जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक 'विनाशकारी घटना' रही होगी। इससे अटलांटिक महासागर में कम से कम 800 मीटर ऊंची सुनामी आई होगी। दुबई स्थित हेरियट-वाट विश्वविद्यालय के डॉ. उइसडीन निकोलसन ने सबसे पहले 2022 में नादिर क्रेटर की खोज की थी। लेकिन यह क्रेटर वास्तव में कैसे बना, इस बारे में अनिश्चितता बनी हुई थी। अब डॉ. निकोलसन और उनके सहयोगियों को यकीन है कि 9 किलोमीटर का गड्ढा समुद्र तल में एक क्षुद्रग्रह के टकराने के कारण हुआ था। ये वैज्ञानिक इस घटना की सटीक तारीख नहीं बता सकते। वे यह भी नहीं बता सकते कि क्या यह मैक्सिको में 180 किलोमीटर चौड़े चिक्सुलब क्रेटर बनाने वाले क्षुद्रग्रह से पहले आया था या बाद में। मैक्सिको पर गिरने वाले क्षुद्रग्रह ने दुनिया में डायनासोर के शासन को समाप्त कर दिया था। लेकिन इन वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष से छोटी चट्टान भी क्रेटेशियस काल के अंत में आई थी जब डायनासोर विलुप्त हो गए थे। दूसरे क्षुद्रग्रह ने पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने के बाद आग का गोला बना दिया था। नादिर क्रेटर की कोई तस्वीर नहीं है लेकिन ऑस्ट्रेलिया में गॉसेस ब्लफ़ क्रेटर ऐसा ही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 7 तीव्रता के भूकंप से पहले एक बहुत तेज हवा का विस्फोट हुआ होगा। संभवतः समुद्र तल से बहुत अधिक मात्रा में पानी निकल गया होगा, और बाद में यह पानी वापस बहकर समुद्र तल पर आया होगा, जिससे तल पर अनोखी छाप बनी होगी। हमारे सौरमंडल से इतने बड़े क्षुद्रग्रहों का कुछ ही समय के भीतर हमारे ग्रह की ओर अग्रसर होना असामान्य घटना है। लेकिन शोधकर्ता यह नहीं जानते कि दो क्षुद्रग्रह एक साथ पृथ्वी से क्यों टकराए। नादिर क्रेटर बनाने वाला क्षुद्रग्रह लगभग 450-500 मीटर चौड़ा था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह लगभग 72,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी से टकराया था। इस पैमाने की घटना के सबसे करीब 1908 में तुंगुस्का की घटना थी, जब साइबेरिया के ऊपर आसमान में 50 मीटर का एक क्षुद्रग्रह फटा था। नादिर क्षुद्रग्रह लगभग बेनू के आकार का था, जो इस समय पृथ्वी के निकट परिक्रमा करने वाला सबसे खतरनाक ऑब्जेक्ट है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नासा के अनुसार बेनू के पृथ्वी से टकराने की सबसे संभावित तिथि 24 सितंबर, 2182 है। लेकिन इस बात की संभावना अभी भी 2,700 में से 1 है।

आप का नजरिया

चींटी बनकर नहीं चल सकते

कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार पर टिका हिमाचल का एक युग मानव इतिहास के पन्नों से भी मुखातिब है। लगभग अंतिम चरण में पहुंची भूमि अधिग्रहण की पैमाइश ने इतना आश्वासन तो दे ही दिया है कि कल आसमान खुला होगा, तो कुछ छतें नई नींव पर पुनर्वास का आसरा ढूंढ लेंगी। यह आर्थिकी का महाकाव्य है, जो जमीन से आसमान तक लिखा जा रहा है। जमीन पर ग्रामीण पगडंडियां, खेतों की मेढ़ें और पुश्तैनी यादें अब विकास की सदी में नया ठौर खोजने की सहमति में और कहीं आसमान पर आर्थिकी के नए राजदूत के आने का इंतजार। बदलते हिमाचल की जिस महत्त्वाकांक्षा ने हमें स्थापित किया, वहां से आगे का सफर, अगली सुबह की तपस्या से सराबोर है। अगर हमारे घर के आंगन तक सड़क और सड़कों पर बेशुमार गाड़ियां होंगी, तो कल के रास्ते भविष्य की फोरलेन से भी आगे निकलेंगे। इसी दिवाली में हर गांव से शहर तक के बाजार ने व्यापार देखा, तो घुटन यह भी रही कि वाहनों की तादाद ने रास्ते जाम कर दिए। हमारा विकास हमें सड़क पर चींटी बनाकर नहीं चला सकता, इसलिए भौतिक व आर्थिक परिवर्तन की सतह पर किनारे खोलने पड़ेंगे। जाहिर है जहां कहीं फोरलेन आंखें खोल रही है, वहां इनसान का अपने ही अतीत से द्वंद्व बिखर रहा है। कई घाव लिए परिंदे भी उड़ते होंगे, आकाश पर सदा रहने के लिए। इसलिए आज का दर्द भविष्य का एतबार बनेगा, तेरे सामने धरती की मुलाकात हो रही है। ऐसे में जहां से फोरलेन गुजर रही है, वहां से नजदीक होंगी आने वाली सदियां, लेकिन इस रोशनी को बांटने के लिए बहुत सतर्क होना पड़ेगा। कुछ इसी तरह गगल एयरपोर्ट विस्तार में भविष्य है और पीड़ा का इजहार भी चप्पे-चप्पे पर खड़ा है। परियोजना की प्रासंगिकता में सुक्खू सरकार की निर्णायक भूमिका, अगर पर्यटन का भविष्य देख रही है तो यह एक मील पत्थर साबित होगा। गगल एयरपोर्ट विस्तार के नजरिए में न व्यापार की सीमा रेखा है और न ही भौगोलिक दूरियों का बंधन रहेगा, यानी कल फोरलेन के कारण यहां तक पहुंचती उड़ानें, हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना, चंबा से कहीं आगे पड़ोसी पंजाब की सरहद मिटा सकती हैं। इसके लिए अभी से सिने पर्यटन के तहत गरली-परागपुर को फिल्म सिटी और टीएमसी, नादौन मेडिकल कालेज व पपरोला आयुर्वेद महाविद्यालय के अलावा कुछ अन्य अस्पतालों को चिकित्सा पर्यटन से जोड़ देना चाहिए। बड़े हवाई अड्डे के साथ निवेश की नई राहें केवल पर्यटन एवं टूरिस्ट इंडस्ट्री तक ही नहीं, बल्कि हिमाचल को सूचना प्रौद्योगिकी के हब के रूप में मजबूत करने की ताकत रखती हैं। यहां के सांस्कृतिक परिदृश्य व प्राकृतिक दृश्यावलियों के बीच तिब्बती एवं बौद्ध पर्यटन को एक नई परिभाषा दे सकता है, लेकिन इसके लिए धर्मशाला के प्रस्तावित कानवेंशन सेंटर को तीव्रता से मुकम्मल करने के अलावा कालचक्र के आयोजन को मकलोडगंज व जोगिंद्रनगर के बीच कहीं केंद्रीय स्थल पर अधोसंरचना निर्माण को पहल करनी चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों का हमला, श्रद्धालुओं के साथ मारपीट

ब्रैम्पटन, 04 नवंबर (एजेंसियां)। समूची दुनिया में मिनी पंजाब के नाम से मशहूर कनाडा में फिर हिन्दुओं की आस्था पर चोट की गई है। खालिस्तान समर्थकों ने इस बार ब्रैम्पटन में हिन्दू सभा मंदिर को निशाना बनाया है। इन लोगों ने हिन्दू श्रद्धालुओं के साथ जमकर मारपीट की। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हमले की कड़ी निंदा की है।

हिन्दू कैनेडियन फाउंडेशन के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि खालिस्तान समर्थक ब्रैम्पटन के हिन्दू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट कर रहे हैं। हिन्दू कैनेडियन फाउंडेशन गैर लाभकारी संगठन है। यह कनाडा में हिन्दू समुदाय के लिए काम करता है। संगठन ने एक्स पर कहा कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने बच्चों और महिलाओं पर हमला किया।

ओटावा में भारतीय उच्चायोग का इस घटना पर बयान आया है। उच्चायोग ने कहा कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर और काउंसुलर कैंप के बाहर भारतविरोधी तत्वों का हिंसक व्यवधान बेहद निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं। कनाडा के प्रमुख विपक्षी नेता पियरे पोलीवरे ने हिन्दू सभा मंदिर पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि कनाडा हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा।

टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि कनाडा कट्टरपंथियों के लिए सुरक्षित जगह बन गया है। कनाडा के नेता हिन्दुओं की रक्षा करने में विफल रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे वे ईसाई और यहूदी कनाडाई लोगों की रक्षा करने में विफल रहे।

न्यूज ब्रीफ

इमरान खान की जमानत याचिका पर एफआईए को नोटिस

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने तोशाखाना द्वितीय केस में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जमानत याचिका पर संघीय जांच प्राधिकरण (एफआईए) को नोटिस दिया। अब हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार सुनवाई की अगली तारीख तय करेंगे। इससे पहले विशेष न्यायाधीश सेंट्रल ने इमरान खान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जबकि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को उसी मामले में जमानत प्रदान की थी। कल एफआईए ने तोशाखाना द्वितीय केस में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। एफआईए ने याचिका में कहा कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश के कक्ष में जमानत दी गई और यह सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस छोड़ने का है पछतावा,बोले ये मेरी बड़ी गलती थी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और इस बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस छोड़ने का पछतावा है। उन्होंने कहा कि मुझे ये आवास छोड़ना नहीं था। ट्रंप ने 2020 के चुनाव की कड़वी यादें ताजा करते हुए कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस छोड़ना ही नहीं चाहिए था। इससे यह आशंका पैदा हो गई कि अगर वह हैरिस से हार गए तो 5 नवंबर के मतदान के नतीजे को स्वीकार नहीं करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भाषण में बाइडन प्रशासन की आव्रजन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब तक वह व्हाइट हाउस में थे तब तक देश की सीमाएं सुरक्षित थीं। पूर्व राष्ट्रपति ने पेंसिल्वेनिया के लिटित्ज में चुनावी रैली में कहा, जिस दिन मैंने राष्ट्रपति भवन छोड़ा, उस दिन हमारे देश के इतिहास में हमारी सीमा सबसे सुरक्षित थी। मुझे जाना ही नहीं चाहिए था। मेरा मतलब ईमानदारी से है, क्योंकि हमने बहुत अच्छा काम किया। ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने ने रविवार को पेंसिल्वेनिया में एक रैली में कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस छोड़ना नहीं चाहिए था। जो बाइडन के सत्ता में आने के बाद ट्रंप ने मतदान प्रक्रिया में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही, उन्होंने चुनावी नतीजे को अदालत में चुनौती दी, जिसने उनके दावों को खारिज कर दिया। अमेरिका के विभिन्न प्रांतों में करोड़ों मतदाताओं ने 5 नवंबर से पहले ही अपने वोट डाल दिए हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के 'इलेक्शन लैब ट्रैकर' के आंकड़ों के मुताबिक, 6 ।8 करोड़ से अधिक अमेरिकी अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं। पूरे अमेरिका में मतदाता समय पूर्व मतदान व्यवस्था से मिलने वाली सहूलियत का लाभ उठा रहे हैं, फिर चाहे वह डाक मतपत्रों के माध्यम से हो या फिर मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डालकर। समय पूर्व मतदान व्यवस्था मतदाताओं को खराब मौसम, मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों में लगने, व्यस्तताओं के कारण वोट न डालने या चुनाव के दिन व्यक्तिगत कार्यक्रमों में बदलाव करने के झंझट से मुक्ति दिलाती है।

पाकिस्तान के लिए नासूर बना आतंकवाद, अब तब 951 मौतें और 966 घायल हुए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लिए आतंकवाद एक बड़ी चुनौती बन गया है। अक्टूबर के दौरान देश में अलग-अलग आतंकी हमलों में कुल 198 लोग मारे गए और 111 अन्य घायल हो गए। एक संस्था की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, आतंकवादी हमलों की संख्या में मामूली कमी के बावजूद, अक्टूबर वर्ष का दूसरा सबसे घातक महीना रहा है। इसके पहले अगस्त है जब ऐसी घटनाओं में 254 लोग मारे गए और 150 अन्य घायल हुए। मारे गए लोगों में 89 आतंकवादी, 62 सुरक्षाकर्मी और 38 नागरिक शामिल हैं, जबकि हमलों में 56 नागरिक, 44 सुरक्षाकर्मी और 11 आतंकवादी घायल हुए।

चीन ने बनाया हाइपरसोनिक प्लेन, पेरिस एक घंटे में न्यूयार्क दो घंटे में पहुंच सकते

बीजिंग, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास के बाद, अब चीन ने हाइपरसोनिक प्लेन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा दिया है। स्पेस ट्रांसपोर्टेशन ने अपने यूंक्सिंग प्रोटोटाइप विमान का सफल परीक्षण किया है, जो कि एक कमर्शियल एयरक्राफ्ट है और यह मैक 4 की रफ्तार से उड़ान भर सकता है।

इस हाइपरसोनिक प्लेन की गति 3,069 मील प्रति घंटे (करीब 5,000 किलोमीटर प्रति घंटे) होगी, जो रिटायर हो चुके कॉनकॉर्ड विमान की रफ्तार से करीब दोगुनी है। कॉनकॉर्ड विमान लगभग 2000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भर सकता था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह हाइपरसोनिक विमान लंदन से न्यूयॉर्क के बीच की दूरी केवल डेढ़ से दो घंटे में तय करेगा।

स्पेस ट्रांसपोर्टेशन की कंपनी ने वीकेंड में अपने यूंक्सिंग प्लेन के प्रोटोटाइप की सफल उड़ान का प्रदर्शन किया। कंपनी का लक्ष्य 2027 तक फुल साइज के सुपरसोनिक पैसेंजर जेट की पहली उड़ान भरने का है। यह विमान पेरिस से बीजिंग का सफर केवल एक घंटे में है और बीजिंग से न्यूयॉर्क की दूरी दो घंटे में तय कर सकेगा। अगर यह प्रोजेक्ट सफल होता है, तब यह करीब 25 वर्षों में पहला सुपरसोनिक विमान होगा जो यात्रियों को लेकर उड़ान भरेगा, क्योंकि कॉनकॉर्ड ने 2003 में अपनी आखिरी उड़ान भरी थी।

विभिन्न कंपनियां कमर्शियल सुपरसोनिक हवाई यात्रा को फिर से शुरू करने की कोशिश में हैं, जिसमें स्पेस ट्रांसपोर्टेशन भी शामिल है। अमेरिका की कंपनी वीनस एयरोस्पेस एक इसतरह के जेट इंजन का निर्माण कर रही है, जिसका दावा है कि यह 6 मैक की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। हालांकि, स्पेसएक्स और टेसला के मालिक एलन मस्क ने भी सुपरसोनिक जेट बनाने में रुचि दिखाई है, लेकिन अपने अन्य कार्यों के कारण अभी वह इस दिशा में कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

बुजुर्ग महिला को कम उम्र के मर्द आ रहे पसंद,वजह बताई तो उड़ने लगा मजाक

न्यूयॉर्क। कोई बुजुर्ग प्यार-व्यार के चक्कर में पड़े तो लोग मजाक उड़ाते हैं, कोई इसे सठयाना कहता है तो कोई प्रेम दिवाना। जिसे जो कहना है कहे न्यूयॉक की इस बुजुर्ग महिला को कोई फर्क नहीं पड़ता है। सीनियर सिटीजन महिला ने भी खुलकर इस बात को कुबूल किया कि वो अपने से कम उम्र के मर्दों को ही डेट करती है। इसके पीछे उसने जो कारण बताया, वो इतना अजीब है कि उसे सुनकर सोशल मीडिया पर उसका मजाक बनने लगा। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की रहने वाली सिंडी गैलोप 63 साल की हैं। वो लोगों को सोशल मीडिया वयस्क शिक्षा देती हैं। साथ ही एक फर्म की फाउंडर भी हैं। न्यूयॉर्क में एक विज्ञापन एजेंसी चलाया करती थीं। तब उन्हें हर चीज के बारे में जनता को सच बताना पड़ता था। उसी दौरान जब वो वयस्क शिक्षा के बारे में बताने लगीं, तो उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपने से कम उम्र के मर्द ज्यादा पसंद हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर उनसे छोटी उम्र को लोग उनसे संपर्क किया करते थे। उन्होंने बताया कि वो फिजिकल रिलेशनशिप के लिए ही कम उम्र के मर्दों से डेटिंग करती हैं। उनका मानना है कि उनके उम्र के पुरुष डेटिंग के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं, छोटे मर्द ज्यादा रोमांटिक होते हैं। सिंडी का कहना है कि वो लोगों में भी रोमांस को लेकर जागरूकता फैलाना चाहती हैं और इसके प्रति जो टैबू है, उसे खत्म करना चाहती हैं। सिंडी ने अपनी भावनाओं को जब सोशल मीडिया पर शेयर करना शुरू किया, तब उन्हें बहुत ट्रोल किया जाने लगा।

हैरिस और ट्रंप ने प्रचार में झोंकी ताकत

वाशिंगटन, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी ताकत झोंक दी। दोनों ने मतदाताओं को अपने-अपने तरीके से अपने पाले में खींचने की कोशिश की।

अमेरिकी लोकतंत्र के इस महापर्व पर खबर के अनुसार हैरिस ने रविवार को मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में रैली को संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से एकता बनाए रखने की अपील की। दिलचस्प यह रहा कि उन्होंने यहां अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप का एक बार भी नाम नहीं लिया।

उन्होंने गाजा में युद्ध को समाप्त करने का वादा किया

ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया की तुलना में मैकॉन की रैली में सर्वेक्षणों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने जॉर्जिया की रैली में उत्तरी कैरोलिना में आए तूफान हेलेन के लिए संघीय सरकार की आलोचना की। बाइडेन प्रशासन को प्रवासियों पर आपदा निधि खर्च करने पर घेरा।

इस चुनाव में न्यूयॉर्क का 42 ब्रॉड-वे चर्चा के केंद्र में है। यहां निर्वाचन बोर्ड का दफ्तर है। पहले दिन करीब एक लाख 40 हजार लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न प्रांतों में करोड़ों मतदाता वोट डाल चुके हैं।

फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के इलेक्शन लैब ट्रैकर के आंकड़ों के मुताबिक, 6.8 करोड़ से अधिक अमेरिकी अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं।

नाटो के सबसे बड़े तोपखाने अभ्यास का एक हिस्सा फिनलैंड के लैपलैंड में शुरू

मॉस्को, 04 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन(नाटो) के सबसे बड़े तोपखाने अभ्यास लाइटनिंग स्ट्राइक 24 का हिस्सा चार नवंबर को फिनलैंड के सबसे उत्तरी क्षेत्र लैपलैंड में शुरू हुआ जो 28 नवंबर तक चलेगा।गौरतलब है कि फिनिश जमीनी बलों ने पहले बताया था, यह अभ्यास नाटो के डायनेमिक फ्रंट 25 आर्टिलरी अभ्यास का हिस्सा है, जो यूरोप में अब तक का सबसे बड़ा अभ्यास है। फ़िनलैंड में अभ्यास का स्थान रोवारवी है, जो लैपलैंड में उत्तरी यूरोप का सबसे बड़ा प्रशिक्षण मैदान है। देश के क्षेत्र में लगभग 3,600 सैन्यकर्मी भाग लेंगे, जिनमें से लगभग 1,200 अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, स्वीडन, एस्टोनिया, फ्रांस, चेक गणराज्य और अन्य देशों से हैं। कुल मिलाकर, 28 विभिन्न देशों के लगभग पांच हजार सैन्यकर्मी डायनेमिक फ्रंट 25 अभ्यास में शामिल होंगे। फिनलैंड के अलावा, एस्टोनिया, जर्मनी, रोमानिया और पोलैंड में भी अभ्यास आयोजित किया जाएगा।

लाहौर की फिजा में घुला जहर 1900 के पार हुआ एक्यूआई, औरंगजेब बोले- भारत से आ रही प्रदूषित हवा

लाहौर

पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर लाहौर, जहां हवा इतनी जहरीली हो गई है कि लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। अब तक सैकड़ों लोग बीमार हो चुके हैं। हालात ये हैं कि लाहौर का एक्यूआई 1900 के पार हो गया है। जहरीली होती हवा का ठीकरा पाकिस्तान ने भारत पर फोड़ने की कोशिश की है। यहां के वरिष्ठ मंत्री औरंगजेब ने कहा कि भारत से प्रदूषित हवा आ रही है,जिसके कारण प्रदूषण फैल रहा है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार की वरिष्ठ मंत्री औरंगजेब ने कहा कि भारत से आने वाली हवाएं इसके लिए जिम्मेदार हैं और प्रदूषण बढ़ रहा है।

औरंगजेब ने कहा कि भारत से बातचीत किए बिना इस मसले का हल नहीं निकाला जा सकता। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के माध्यम से पड़ोसी मुल्क से बात करेंगे। दरअसल लाहौर में जिस तरह का स्मॉग है, वह कुछ हद तक दिल्ली-एनसीआर जैसा ही है। अकसर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई शहरों में सर्दियों की शुरुआत से पहले पलूशन देखा जाता है। बता दें कि स्विस ग्रुप आईक्यू एयर और पाकिस्तानी पंजाब सूबे की सरकार के अनुसार लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा है। भारत और पाकिस्तान की सीमा के पास ही बसे इस शहर में इतना पलूशन चिंता बढ़ाने वाला है।

इन दिनों में हवा की रफ्तार कम हो जाती है और मौसम में नमी होती है। इसके चलते वायु में प्रदूषणकारी तत्व जम जाते हैं, जो तेज हवा चलने पर उड़ जाया करते हैं। लाहौर में फिलहाल पलूशन के चलते इमरजेंसी लागू कर दी गई है। कई शहरों में स्कूलों को प्राइमरी स्कूलों को बंद किया गया है। इसके अलावा कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने का आदेश दिया गया है।

लाहौर प्रशासन ने एक सप्ताह के लिए प्राइमरी स्कूलों को बंद किया है। इसके अलावा बच्चों को मास्क लगाए रहने की सलाह दी गई है। सीनियर मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि पूरे शहर में स्मॉग की गहरी चादर दिख रही है। उन्होंने कहा कि हमने वाहनों के पलूशन को कम करने के लिए 50 पर्सेंट कर्मचारियों को घर से ही काम करने की सलाह दी है। इसके अलावा आम लोगों को घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी गई है। उन्हें गैर-जरूरी कामों से बाहर न निकलने को कहा गया है। सभी अस्पतालों में स्मॉग काउंटर बनाने को कहा गया है ताकि किसी भी इमरजेंसी से निपटा जा सके।

अकेले रहने में भी है खुश रहने का राज, कैसे पाएं इस अनुभव में सुकून

लंदन

व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक ढांचे के कारण अकेले रहना अब आम बात हो गई है। चाहे करियर की मांग हो या निजी पसंद, कई लोग घर से दूर रहते हैं और अकेले जीवन जीते हैं। लेकिन क्या अकेले रहना और खुश रहना संभव है विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरी तरह संभव है, अगर हम अपनी सोच और जीवनशैली में कुछ सकारात्मक बदलाव लाएं। अकेले रहना और केला महसूस करना, दो अलग-अलग स्थितियाँ हैं। अक्सर लोग अकेलेपन से घबरा जाते हैं और इसे नकारात्मक रूप में देखते हैं। लेकिन कई मनोवैज्ञानिक शोधों का मानना है कि अकेले रहने से व्यक्ति के आत्म-साक्षात्कार और आत्म-निर्भरता को बढ़ावा मिलता है। यह मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास में भी वृद्धि करता है। जो लोग खुद के साथ समय बिताने में सहज होते हैं, वे एंटी-सोशल नहीं होते बल्कि वे अपने एकांत में खुश रहना जानते हैं। अकेले जीवन को सहज बनाने के लिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि किसी और से अपनी सोशल लाइफ की तुलना न करें। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सोशल मीडिया पर लोगों की खुशी को अपनी जिंदगी का पैमाना न बनाएं। कई बार सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली खुशी वास्तविकता से भिन्न होती है। इसके लिए एक 'सोशल मीडिया डिटॉक्स' भी मददगार हो सकता है। उदाहरण के लिए, 48 घंटों के लिए खुद को सोशल मीडिया से दूर रखकर यह जांच सकते हैं कि इसका आपकी मानसिक स्थिति पर क्या असर पड़ता है। अकेले रहकर खुश रहने के लिए खुद को अपना सबसे अच्छा दोस्त बनाना महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञ कहते हैं कि सेल्फ-डेट्स एक बेहतरीन विकल्प हैं। अपने साथ समय बिताना, चाहे वह मूवी देखने जाना हो, पसंदीदा रेस्टोरेंट में खाना खाना हो, या फिर किसी नए अनुभव में शामिल होना हो, यह व्यक्ति को खुशी और आत्म-निर्भरता का एहसास कराता है। इसके अलावा, किसी हॉबी में मन लगाना, जैसे बागवानी, पेंटिंग, या डांस करना, न केवल अकेलेपन को कम करता है, बल्कि व्यक्तित्व को भी निखारता है। कुछ लोग कहते हैं कि अकेले समय बिताने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप जो चाहें कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, म्यूजिक लगा कर डांस करना, खुद के लिए कोई नई डिश बनाना, या फिर किताब पढ़ते हुए एकांत का आनंद लेना। जीवन में ऐसे छोटे-छोटे बदलाव अकेलेपन को कम कर सकते हैं और आत्मिक शांति प्रदान कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अपने लिए एक आरामदायक स्थान बनाएं, जहां आप शांति से बैठ सकें, अपनी आंखें बंद कर सकें या फिर बस खिड़की से बाहर देख सकें। कुछ देर के लिए डिजिटल डिवाइस से भी दूरी बनाएं, ताकि आप सिर्फ अपने साथ वक्त बिता सकें। कुल मिलाकर, अकेले रहना और खुश रहना एक कला है, जिसे आत्म-साक्षात्कार, सकारात्मक सोच, और आत्म-निर्भरता के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।

गंभीर पर उठ रहे सवाल, ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

मुम्बई

भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार से टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठने लगे हैं। गंभीर को अभी तीन माह पहले ही कोच बनाया गया था। उसके बाद से ही भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं रहा है।

गंभीर को टीम चयन मामलों में भी पूरे अधिकार दिये गये थे उसके बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। अब गंभीर की ऑस्ट्रेलिया दौरे में कड़ी परीक्षा होगी। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता तो गंभीर की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हारी। इसके बाद अब उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का शिकार होना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम कभी भी तीन या उससे अधिक मैचों की सीरीज में नहीं हारी है।

हालांकि उनके बचाव में कहा जा रहा है कि टीम के साथ कोच केवल योजना ही बना सकता है पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बाद भी मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक पिच बनाने पर भी सवाल उठे हैं।

मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नाइटवाचमैन के रूप में भेजने और पहली पारी में सरफराज खान को आठवें नंबर पर भेजने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'गंभीर को ऐसा अधिकार दिया गया है जो इससे पहले कोच रहे रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ को नहीं मिला था। बीसीसीआई के नियम कोच को चयन समिति की बैठकों का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देते हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे की चयन बैठक के लिए गंभीर को अपने सुझाव देने का अवसर दिया गया। बोर्ड के इस अधिकारी ने कहा, 'दौरे के महत्व को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी।' दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शामिल किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

ला लीगा : बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 3-1 से हराया, तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिती मजबूत की

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने रविवार को घरेलू मैदान पर एस्पेनयोल को 3-1 से हराकर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना के लिए डेनी ओल्मो ने दो गोल और राफिन्हा ने 1 गोल किया और सिर्फ आधे घंटे के बाद ही मैच पर पकड़ बना ली। ओल्मो ने मैच के 12वें मिनट में ही गोल कर बार्का को आगे कर दिया। राफिन्हा ने 10 मिनट बाद ही गोल कर बार्का की बढ़त को दोगुना कर दिया। ओल्मो ने इसके बाद आधे घंटे बाद तीसरा गोल किया और बार्सिलोना की बढ़त 3-0 कर दी। जावी पुआडो ने 63वें मिनट में एस्पेनयोल के लिए सांत्वना गोल किया। अन्य मैचों में एटलेटिको मैड्रिड ने लास पालमास को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराया, एथलेटिक क्लब और बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ हुआ और रियल सोसिएदाद ने सेविला को 2-0 से हराया।

ऋषभ को आउट दिए जाने पर हैरान हुए डिविलियर्स

जोहांबगर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में भारतीय टीम के विकेटपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को आउट दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। डिविलियर्स ने सोशल मीडिया पर भी इस फैसले की आलोचना की है। डिविलियर्स ने कहा कि ये फैसला सही नहीं था। डिविलियर्स ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर फैसला लेने के लिए तकनीक का प्रयोग किया जाता है पर उसमें भी कई जटिलताएं हैं। उन्होंने कहा कि इस बार में स्थित साफ नहीं थी। साथ ही कहा कि जब गेंद बल्ले से गुजरती है और ठीक उसी समय ये बल्लेबाज के पैड से टकराती है तो ये तय करना कठिन हो जाता है कि किसने इसे मारा। मैं हमेशा इस बारे में चिंतित रहता हूं और यहां एक बड़े टेस्ट मैच में एक बड़े क्षण में ऐसा होता है। डिविलियर्स ने कहा, बात यह है कि संदेह अवश्य रहा होगा। तो निश्चित रूप से आप ऑन-फील्ड कॉल के साथ बने रहेंगे। जब तक कि तीसरे अंपायर ने स्पष्ट रूप से ये नहीं देखा मैं इतना निश्चित नहीं हूं। मेरा यहां कोई पूर्वाग्रह नहीं है, मैं बस लगातार कॉल और तकनीक के अच्छे उपयोग पर जोर दे रहा हूं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने भारतीय टीम की हार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मेजबान टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पठान ने सोशल मीडिय में लिखा- घरेलू मैदान पर टीम इंडिया का यह शर्मनाक प्रदर्शन है। फैसला लेने वालों को इस पर बहुत विचार करना होगा। वहीं शानदार प्रदर्शन के लिए न्यूजीलैंड को बधाई। इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी सोशल मीडिया में लिखा, घरेलू मैदान पर 3-0 से हारना एक बड़ी चुनौती है और इसपर हमें फिर विचार करना होगा कि कहां कमी रह गयी थी। ये देखना होगा कि क्या टीम की तैयारी कम थी या खराब शॉट खेलने के कारण मैच उसके हाथ से निकल गये। तीसरे टेस्ट में केवल शुभमनगिल और ऋषभपंत ने स्पिनरों की सहायक टर्निंग पिच पर दिखाया कि किस प्रकार बल्लेबाजी की जा सकती है।

रूस की श्नाइडर ने जीता डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब

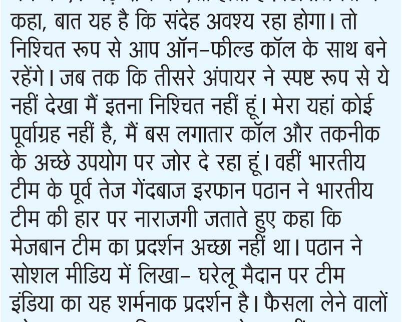

हांगकांग। डायना श्नाइडर ने रविवार को ब्रिटिश खिलाड़ी केटी बौल्टर को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब जीत लिया। विश्व में 14वें स्थान पर काबिज शीर्ष वरीयता प्राप्त श्नाइडर ने जर्मनी में बैड होम्बर्ग ओपन, थाईलैंड में हुआ हिन चैंपियनशिप और हंगरी में बुडापेस्ट ग्रैंड प्रिक्स में खिताबी जीत के साथ इस सत्र का अपना चौथा खिताब जीता। खिताबी जीत के बाद 20 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने कहा, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उच्च स्तर पर थी। निश्चित रूप से,मैं जिस तरह से प्रतिस्पर्धा कर रही हूं, उससे खुश और गौरवान्वित हूं। दूसरी वरीयता प्राप्त और सत्र का अपना तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी बौल्टर ने इस कठिन मैच के बारे में कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं था।

आईएसएल : अपनी पिछली हार से उबरने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और चेन्नइयन

जमशेदपुर

चेन्नइयन एफसी और जमशेदपुर एफसी अपनी पिछली हार से उबरने के लिए आज शाम जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी। जमशेदपुर को अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 5-0 की करारी हार मिली जबकि चेन्नइयन एफसी को नई दिल्ली में पंजाब एफसी ने 3-2 से हराया। आगामी मैच में, स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल और फारुख चौधरी व डेनियल चीमा चुक्कू पूर्व टीम के खिलाफ अपने पुराने मैदान पर उतरेंगे। कॉयल ने 2021-22 में जमशेदपुर को चैंपियनशिप की सफलता दिलाई थी। जमशेदपुर जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चेन्नइयन के खिलाफ पिछले चार मैचों में अपराजित रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एक मैच जीता है और तीन ड्रा खेले हैं। इस मैदान में चेन्नइयन एफसी (1-0) को एकमात्र जीत लगभग सात साल पहले 28 दिसंबर, 2017 को मिली थी। लगातार तीन घरेलू जीत के साथ जमशेदपुर एफसी इस सीजन में अपने घर में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने प्रत्येक मैच में कम से कम दो गोल किए हैं। कॉयल ने आईएसएल में अपने पूर्व क्लब जमशेदपुर एफसी का चार बार सामना किया है जिनमें दो जीत और दो ड्रा हैं। कॉयल की टीमों ने जमशेदपुर के खिलाफ 11 गोल किए हैं। चेन्नइयन ने प्रति मैच 26.5 क्रॉस डाले हैं - जो लीग में सबसे ज्यादा है। जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील को लगता है कि उनकी टीम हाईलैंडर्स के हाथों करारी हार को पीछे छोड़कर बेहतर प्रदर्शन करेगी। जमील ने कहा, : हमें करारी हार मिली है, इसलिए अब प्रयास करके सुधार करने और बेहतर करने का समय है। हमें अपनी गलतियों पर सोचने और सुधारने के लिए पर्याप्त समय मिला और हम बेहतर करने की कोशिश करेंगे।: कॉयल ने मैच से पहले अपने समकक्ष जमील की प्रशंसा की। उन्होंने जोर दिया कि विरोधियों की प्रशंसा का मतलब यह नहीं है वह तीन अंक जीतने के लिए हर संभव प्रयास नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, : खालिद एक बेहतरीन कोच हैं। जमशेदपुर एफसी ने उन्हें अवसर दिया है जिसे उन्होंने भुनाया है। लेकिन मैच में हम जीत का हर संभव प्रयास करेंगे।: दोनों टीमों ने आईएसएल में 14 मैच खेले हैं। चेन्नइयन एफसी छह बार जीती है, जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंची भारतीय टीम

जोहांसबर्ग । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी भारतीय क्रिकेट टीम चार मैचों की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंच गयी है। . बीसीसीआई ने टीम के दक्षिण अफ्रीका पहुंचने की जानकारी प्रशंसकों को देते हुए कहा है कि इस सीरीज में पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। भारतीय टीम 9 नवंबर से चार टी20 मैच खेलेगी। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 10 तारीख को सेंट जार्ज ओवल में जबकि तीसरा 13 नवंबर को सुपरस्पोर्ट पार्क में व अंतिम मैच 15 नवंबर को वान्डेरर्स स्टेडियम में खेला जाएगा।
टी20 सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं : भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई , अर्शदीप सिंह, विजयकुमार, आवेश खान और यश दयाल, दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रूगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिल सिमलेन, लूथो सिपाम्ला, ट्रिस्टन स्टब्स।

मांजरेकर ने कहा, रोहित की डिफेंस तकनीक में कमी

मुम्बई

पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की तकनीक में आजकर एक कमी आ गयी है जिसके कारण वह बार-बार रन बनाने में असफल हो रहे हैं। मांजरेकर के अनुसार रोहित की डिफेंस में कमी है जिस कारण वह उसपर पहले की तरह से भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

इसी कारण रोहित अपने सर्वश्रेष्ठ फार्म में भी नहीं दिख रहे। रोहित की टेस्ट में उनके आक्रामक रवैये के लिए आलोचना की गई है क्योंकि वह बड़े शॉट खेलते हुए आउट हो रहे हैं।

रोहित की तकनीक का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, मैं ये नहीं कहूंगा कि वह लापरवाह है क्योंकि वह रन बनाने और टीम को जीत दिलाने के लिए अपना तरीका तलाश रहा है पर ये देखने में आया है कि वह स्पष्ट रूप से अब अपने डिफेंस पर भरोसा नहीं करता है, आप देख सकते हैं कि एक एलबीडब्ल्यू अपील पर वह और भी अधिक अस्थिर महसूस कर रहा था। इसलिए इसके बाद वह आक्रामण करने का प्रयास करता है इसी दौरान वह अपना विकेट खो रहा है।

मांजरेकर ने कहा कि वह बड़े शॉट को गलत तरीके से मार रहा है, जिसने हाल के दिनों में उसे नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, आउट होने के लिए उन्होंने जो शॉट खेला, उसमें वह गेंद को सिर्फ कनेक्ट करने की जग पर स्टैंड में मारने की कोशिश कर रहे थे। वह अपने कुछ बड़े शॉट में विफल रहे हैं। पहले टेस्ट मैच में भी ऐसा ही हुआ था, जिसमें उन्होंने आगे बढ़कर गेंद को मैदान से बाहर मारने के प्रयास किये थे, उन्हें अपने डिफेंस पर पूरा भरोसा नहीं है, इसलिए ही वह हड़बड़ाहट में बड़े शॉट खेल जाते हैं। यही उनकी बल्लेबाजी में सबसे बड़ी कमी उभरकर आई है। इसी कारण घरेलू टेस्ट सीजन में अब तक रोहित ने दस पारियों में केवल 13.30 की औसत से 133 रन बनाए हैं जिसमें केवल एक ही अर्धशतक है। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे को देखते हुए उन्हें ये कमी दूर करनी ही होगी।

अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट 21 नवंबर से, 10 टीमें लेंगी हिस्सा, 12 दिन में खेले जाएंगे 40 मैच

अबू धाबी

अबू धाबी टी10 का आठवां सीज़न 21 नवंबर से शुरू हो रहा है, टूर्नामेंट का पहला मैच टीम अबू धाबी और अजमान बोल्ट्स के बीच खेला जाएगा। इस साल के टूर्नामेंट में एक विस्तारित प्रारूप है जिसमें 10 टीमें एक रोमांचक सीज़न में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां शीर्ष पांच टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए कड़ी लड़ाई में शामिल होंगी। प्रतिष्ठित जायद क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी क्रिकेट और स्पोर्ट्स हब में केवल 12 दिनों में 40 से अधिक मैचों का आयोजन करेगा। प्लेऑफ़ सप्ताहांत के दौरान होंगे, जिसकी शुरुआत 1 दिसंबर को क्वालीफायर 1 से होगी, जिसमें शीर्ष दो टीमें शामिल होंगी। चौथे और पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर 1 में भिड़ेंगी, उसके बाद एलिमिनेटर 2 होगा, जहां टीम 3 एलिमिनेटर 1 के विजेता से भिड़ेगी। क्वालीफायर 1 की उपविजेता फिर क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर 2 के विजेता से भिड़ेंगी। ग्रैंड फिनाले 2 दिसंबर को होगा, जहां क्वालीफायर 1 और क्वालीफायर 2 के विजेता खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2024 संस्करण में 18 विभिन्न देशों के खिलाड़ी शामिल हैं।

जापान ने जीता आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब

बीजिंग

जापान ने रविवार को बीजिंग के शौगांग आइस हॉकी एरेना में चीन को 5-0 से हराकर आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया।

जापान ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा, पहले दौर में 23 शॉट लगाए और एक गोल के साथ शुरुआती बढ़त हासिल की। चीन ने दूसरे दौर में अपना बचाव कड़ा किया, जिससे जापान के स्कोरिंग के मौके सीमित हो गए, लेकिन अंतर को पाटने में असफल रहा।

अंतिम दौर में, जब चीन ने बराबरी करने के लिए कड़ी मेहनत की, तो घरेलू टीम की गलतियाँ बढ़ने लगीं, जिससे जापान को चार और गोल करने और 5-0 की जीत के साथ चैंपियनशिप पर कब्ज़ा करने का मौका मिला। इससे पहले रविवार को कजाकिस्तान ने पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 5-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

टूर्नामेंट में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और कजाकिस्तान की टीमें शामिल थीं। यह टूर्नामेंट तीन दिनों तक राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला गया। अगला संस्करण 2025 में कजाकिस्तान की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

मौजूदा रणजी ट्रॉफी सत्र के बाद क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लेंगे रिद्धिमान साहा

नई दिल्ली

रिद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के मौजूदा संस्करण के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज साहा ने 2010 और 2021 के बीच 40 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और नौ टी20आई में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स सहित विभिन्न पक्षों के लिए 170 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों में भी हिस्सा लिया।

साहा ने रविवार रात एक्स पर पोस्ट किया, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह सीजन मेरा आखिरी सीजन होगा। रिटायर होने से पहले मैं बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आखिरी बार सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं सिर्फ रणजी ट्रॉफी में खेलूंगा। इस अविश्वसनीय सफर का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, आपका समर्थन दुनिया के लिए मायने रखता है। आइए इस सीजन को यादगार बनाएं...

2007 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने वाले साहा ने बंगाल के लिए 15 साल तक खेला, उसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद के बाद त्रिपुरा चले गए। तत्कालीन सीएबी प्रमुख अविषेक डालमिया ने साहा को मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वह अब बंगाल के लिए नहीं खेल सकते हैं।

वह सीएबी के एक वरिष्ठ अधिकारी की टिप्पणियों से नाराज थे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण को छोड़ने का फैसला करने के बाद साहा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए थे। यहां तक कि उन्होंने बंगाल टीम के व्हाट्सएप ग्रुप को भी छोड़ दिया, जबकि कोच अरुण लाल ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से बात की थी।

खिलाड़ी-संरक्षक की भूमिका निभाने वाले साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा ने पिछले सीजन में घरेलू टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान और तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली के साथ बैठक के बाद, साहा इस सीजन में बंगाल लौट आए - यह स्पष्ट संकेत है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है।

साहा ने पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि वह बंगाल के लिए केवल लाल गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे और सफेद गेंद वाले टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। उनके लिए अब तक, यह घरेलू वापसी यादगार नहीं रही है, वे दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं और विकेट के पीछे तीन कैच लिये हैं।

साहा दिसंबर 2021 से राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं और 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान उन्हें तत्कालीन भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बताया था कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उनसे आगे की सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आईपीएल में खेलना जारी रखा और 2022 में गुजरात टाइटन्स का हिस्सा थे जब उसने अपना पहला खिताब जीता था।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने जीईएम पोर्टल पर 170 नई बीज श्रेणियां लॉन्च कीं

जीईएम ने कुशल खरीद को बढ़ावा देने के लिए बीज श्रेणियों का किया विस्तार

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने जीईएम पोर्टल पर 170 नई बीज श्रेणियां लॉन्च कीं है। इसके साथ ही अब जीईएम पोर्टल पर लगभग 8,000 बीज की किस्में उपलब्ध हो गईं हैं। इन श्रेणियों को आगामी फसल सीजन से पहले लॉन्च किया गया है, ताकि केंद्र और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) और अन्य सरकारी एजेंसियों के लिए कुशल खरीद की सुविधा मिल सके। जीईएम की डिप्टी सीईओ रोली खरे ने कहा कि विक्रेताओं को इन नई बीज श्रेणियों का लाभ उठाने और सरकारी निविदाओं में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए अपनी पेशकशों को सूचीबद्ध करने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य निकायों को लागत-प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बीज खरीद के लिए इन श्रेणियों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। खरे ने कहा कि इस पहल से पूरे भारत में बीज वितरण को अनुकूलित करने की उम्मीद है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक 8000 किस्मों के बीजों वाली 170 नई श्रेणियां अब जीईएम पर उपलब्ध हैं। विभिन्न राज्य बीज निगमों और अनुसंधान निकायों के साथ गहन परामर्श के बाद श्रेणियाँ बनाई गई हैं।

बीज नियंत्रण ऑडिट द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बीज गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। यह बीज खरीद के लिए तैयार रूपरेखा तहत है, जिसमें भारत सरकार के निर्धारित विनियमों और नियमों को शामिल किया गया है।

पर बीज की श्रेणियां देखी जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य बीज निगमों और अनुसंधान निकायों सहित हितधारकों के साथ परामर्श के बाद बनाई गई जीईएम पोर्टल पर बीज श्रेणियां बीज खरीद के लिए एक तैयार रूपरेखा प्रदान करती हैं, जिसमें केंद्र सरकार के मौजूदा नियम और विनियम और आवश्यक पैरामीटर शामिल हैं, जो खरीद अधिकारियों के लिए पूरी प्रक्रिया को आसान बनाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी नजर आ रही है। अमेरिका में कल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। इसकी वजह से वॉल स्ट्रीट में काफी संभलकर कारोबार होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,728.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 144.77 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,239.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,980.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,177.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,409.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 177.43 अंक यानी 0.92 प्रतिशत उछल कर 19,254.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी होती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। वहीं टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 150.50 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,166.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत टूट कर 7,453.15 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है।

सरकार ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन मांगे, माइकल देवव्रत पात्रा की जगह होगी नियुक्ति

नई दिल्ली। सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सोमवार को डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये नियुक्ति मौजूदा डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के स्थान पर होगी, जिनका विस्तारित कार्यकाल 14 जनवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक आरबीआई के डिप्टी गवर्नर का ये पद अर्थशास्त्रियों के लिए है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक चयनित उम्मीदवार मौद्रिक नीति विभाग की देख-रेख करेगा और दर निर्धारण समिति 'मौद्रिक नीति समिति' का सदस्य भी होगा। उम्मीदवारों की आयु 15 जनवरी, 2025 को 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए है तथा व्यक्ति पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होगा। इस पद के लिए मासिक वेतन 2.25 लाख रुपये (स्तर-17) होगा। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। रिजर्व बैंक में चार डिप्टी गवर्नर के पद होते हैं। मौद्रिक नीति विभाग की देखरेख के लिए एक अर्थशास्त्री, एक वाणिज्यिक बैंकर तथा दो बैंक से लिए जाते हैं।

बजाज ऑटो की अक्टूबर में वाहन बिक्री दो फीसदी बढ़कर 4,79,707 इकाई हुई

मुंबई। वाहन बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो की वाणिज्यिक वाहनों तथा निर्यात सहित कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 4,79,707 इकाई हो गई, जो 2023 के इसी महीने में 4,71,188 इकाई थी। बजाज ऑटो लिमिटेड ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में कुल घरेलू बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 3,03,831 इकाई रह गई, जबकि 2023 के इसी महीने में 3,29,618 वाहन बिके थे। निर्यात 24 प्रतिशत बढ़कर 1,75,876 इकाई रहा, जो एक साल पहले समान अवधि 1,41,570 इकाई था। हालांकि समीक्षाधीन महीने में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 4,14,372 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में 4,08,144 दोपहिया वाहन बिके थे। कंपनी ने कहा कि इसमें से घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 2,55,909 इकाई रही जो अक्टूबर 2023 में बेची गई 2,78,468 इकाइयों से आठ प्रतिशत कम है।

कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी एनसीएल के निगाही क्षेत्र में 50 मेगावाट के ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में स्थित यह सौर ऊर्जा संयंत्र अपने पहले वर्ष में औसतन 94 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करेगा, जिससे सालाना 78,000 टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। कोलकाता में आयोजित सीआईएल के 50वें स्थापना दिवस समारोह पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने स्वर्ण जयंती लोगो लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्होंने शुभंकर अंगारा का अनावरण भी किया। ये लोगो भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ के रूप में सीआईएल की महत्वपूर्ण भूमिका का प्रतीक है, जो नवाचार, प्रगति और स्थिरता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शुभंकर कोयला खनिकों की ताकत और लचीलेपन का प्रतीक है, जो उनके साहस और समर्पण को दर्शाता है। शुभंकर रॉयल बंगाल टाइगर से प्रेरित है।

रेड्डी ने स्वर्ण जयंती लोगो किया लॉन्च और शुभंकर अंगारा का किया अनावरण

किशन रेड्डी ने इस अवसर पर कोयला और लिग्नाइट अन्वेषण पर रणनीति रिपोर्ट भी जारी की। इसके साथ ही माइन क्लोजर पोर्टल का उद्घाटन किया और नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की निगाही परियोजना में 50 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र के विकास की घोषणा की, जिसमें 250 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इस सौर पहल से 49 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होने की उम्मीद है। मंत्री ने संस्थागत और व्यक्तिगत दोनों श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार प्रदान करके समारोह का समापन किया, जिसमें सीआईएल की सफलता में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी गई। कोयला मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में संविदा कर्मियों के लिए सीआईएल की जन-केंद्रित पीएलआई योजना की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि सीआईएल आयातित कोयले की तुलना में भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी दरों पर कोयला उपलब्ध कराता है। उन्होंने बताया कि 28 अक्टूबर, 2024 तक बिजली संयंत्रों में कोयले का स्टॉक 31.6 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 18.8 मीट्रिक टन था। दत्त ने कहा कि इसमें 68 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिसका श्रेय मुख्य रूप से सीआईएल के योगदान को जाता है। कोयला सचिव ने कहा कि कोल इंडिया को बदलती व्यावसायिक गतिशीलता के अनुसार अपनी प्रक्रियाओं, परिचालन और लागत दक्षता को पुनः निर्धारित करना चाहिए।

इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बरार, अतिरिक्त सचिव विस्मिता तेज, सीआईएल के अध्यक्ष-सह प्रबंध निदेशक पी. एम प्रसाद. निदेशक (पी एंड आईआर) वी. के. प्रसाद, निदेशक (व्यवसाय विकास) विनय रंजन, देशक (विपणन) देबाशीष नंदा, निदेशक (वि) मुकेश चौधरी, मुख्य सतर्कता अधिकारी मुकेश अग्रवाल और मुख्य सतर्कता अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी सहित वरिष्ठ प्रबंधन उपस्थित थे।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर अक्टूबर में बढ़कर 57.5 हुई : पीएमआई

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)।

तेजी से बढ़ते नए ऑर्डर तथा अंतरराष्ट्रीय बिक्री भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए मजबूत मांग वृद्धि दिखाती है

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर के आठ महीने के निचले स्तर से अक्टूबर में बढ़कर 57.5 हो गई। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर में आठ महीने के निम्नतम स्तर 56.5 से बढ़कर अक्टूबर में 57.5 हो गया, जो परिचालन स्थितियों में पर्याप्त तथा त्वरित सुधार का संकेत है। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में अक्टूबर में काफी वृद्धि हुई है, क्योंकि अर्थव्यवस्था की परिचालन स्थितियों में व्यापक रूप से सुधार जारी है। तेजी से बढ़ते नए ऑर्डर तथा अंतरराष्ट्रीय बिक्री भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए मजबूत मांग वृद्धि को दर्शाती है। भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग से प्रदर्शन में तेजी आई। इसके अलावा, नए उत्पादों पेश किए जाने और सफल विपणन पहलों ने बिक्री प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद की। सितंबर में डेढ़ साल में सबसे कम वृद्धि के बाद नए निर्यात ऑर्डर में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। समिति के सदस्यों ने एशिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका और अमेरिका से नए ऑर्डर में वृद्धि की सूचना दी।

कीमतों के मोर्चे पर अक्टूबर के आंकड़ों ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत मुद्रास्फीति दबाव का संकेत दिया। वहीं भारतीय विनिर्माता भविष्य की उत्पादन मात्रा के संबंध में अधिक आशावादी हैं। भंडारी ने कहा कि तीसरी वित्तीय तिमाही की शुरूआत में मजबूत उपभोक्ता मांग, नए उत्पाद जारी होने से कारोबारी विश्वास भी बढ़ा है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मैजिकपिन ने डिलीवरी चार्ज घटाया 5 रुपए में घर आ जाएगा सामान

मैजिकपिन के प्लेटफॉर्म शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती की गई

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)।

ई-कॉमर्स ऐप मैजिकपिन ने प्लेटफॉर्म शुल्क घटाकर 5 रुपये प्रति डिलीवरी कर दिया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह राशि इसके प्रतिस्पर्धियों के शुल्क के मुकाबले आधी है। जोमैटो और स्विगी ने लगभग दो सप्ताह पहले प्रति आपूर्ति प्लेटफॉर्म शुल्क में लगभग 42-67 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी।

मैजिकपिन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मौजूदा कैलेंडर वर्ष के लिए प्लेटफॉर्म शुल्क में कमी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम त्योहारी सत्र के दौरान अपने आपूर्ति नायकों और अपने ग्राहकों की भलाई के लिए एक संतुलन बना सकते हैं। इसलिए मैजिकपिन का वादा है कि अधिक से

अधिक लोग त्योहारी सत्र का आनंद उठा सकें। मैजिकपिन के प्लेटफॉर्म शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती की गई है। यह साल के बाकी हिस्से के लिए केवल पांच रुपये है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के बाकी समय में खाद्य वितरण पर कोई शुल्क वृद्धि नहीं की जाएगी। जोमैटो ने प्लेटफॉर्म शुल्क सात रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है। यह राशि ग्राहकों से प्रति ऑर्डर आपूर्ति शुल्क के अलावा ली जाएगी। स्विगी ने भी प्लेटफॉर्म शुल्क छह रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है।

शुरुआती झटके के बाद संभले एफकॉन्स इंफ्रा के शेयर, 8 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ हुई थी लिस्टिंग

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)।

शापूरजी पालूनजी ग्रुप की कंस्ट्रक्शन कंपनी एफकॉन्स इंफ्रा ने सोमवार को लिस्टिंग के जरिए घरेलू शेयर बाजार में दस्तक दे दी। कंपनी के शेयर लगभग 8 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 463 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे, लेकिन बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 430.05 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 426 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग होने के साथ ही इस कंपनी के निवेशकों को करीब 8 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

डिस्काउंट में लिस्टिंग होने के सदमे से इस कंपनी के आईपीओ निवेशक उबरे भी नहीं थे कि उन्हें जोरदार बिकवाली का झटका लग गया। शुरुआती कारोबार में ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये लुढ़क कर 420.25 रुपये के स्तर तक आ गया।

हालांकि, इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर ने निचले स्तर से रिकवरी कर ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 3 रुपये की तेजी के साथ 465 रुपये के स्तर पर आ गया। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12 बजे एफकॉन्स इंफ्रा के शेयर 30 पैसे की कमजोरी के साथ 462.70 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

एफकॉन्स इंफ्रा का 5,430 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.31 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

झारखंड की...

गोगो दीदी योजना के तहत हर महीने माताओं-बहनों को 2,100 रुपए दिए जाएंगे। गरीब परिवार की माताओं-बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत पहले गैस कनेक्शन दिए गए, अब झारखंड में बनने जा रही भाजपा सरकार 500 रुपए में गैस सिलेंडर देगी इसके साथ अगले साल दीपावली और रक्षाबंधन पर दो मुफ्त सिलेंडर भी देगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, अस्सी के दशक में जब बिहार और दिल्ली दोनों जगह कांग्रेस की सरकार थी। झारखंड तब अलग नहीं हुआ था। बिहार का हिस्सा था। तब क्या हुआ था, आप जरा अपने माता-पिता, दादा-दादी और गांव के बुजुर्गों से पूछिए, उनको गुवा गोलीकांड जरूर याद होगा। जिस तरह की बर्बरता अंग्रेजों ने की थी, वैसी ही बर्बरता यहां कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों का खून बहाकर की थी। यहां कांग्रेस सरकार ने हमारे आदिवासी भाइयों को गोलियों से भून दिया था। हमारे आदिवासी पूर्वज सिर्फ अपना हक मांग रहे थे। वह अलग झारखंड राज्य मांग रहे थे। मत भूलिए तब राजद नेता भी कहते थे कि झारखंड उनकी लाश पर बनेगा। आपकी आकांक्षाओं, सपनों से इतनी ज्यादा नफरत है इन लोगों को। देखिए जो राजद झारखंड बनाने के लिए सहमत नहीं था। झारखंड बनाने की बात करने वालों को कुचल देना चाहता था, उस राजद की गोदी में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) बैठ गया है।

मोदी ने जनसभा में नारा लगाते हुए कहा, पूरा झारखंड एक सुर में कह रहा है- रोटी, बेटी और माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-राजग (एनडीए) सरकार। भाजपा के लिए आदिवासी भाई-बहनों की आकांक्षा, उनका स्वाभिमान हमेशा सर्वोपरि रहा है। जब पहली बार भाजपा सरकार बनी। दिल्ली में अटल बिहारी वाजपेयी को सेवा करने का अवसर मिला। अटल देश के प्रधानमंत्री बने। तब जाकर आदिवासी समाज को झारखंड और छत्तीसगढ़ अलग राज्य मिले। ये दो राज्य बनाने का सौभाग्य भाजपा को मिला। आज फिर कोल्हान ने झामुमो, कांग्रेस, राजद की अत्याचारी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस ली है। हर कोई कह रहा है कि इस बार कोल्हान नया इतिहास रचने जा रहा है। जो सालों-साल नहीं हुआ। वह इस साल होने जा रहा है। चाईबासा की इस विशाल रैली का संदेश भी यही है। आज मैं इस चुनाव अभियान में पहली बार आया हूं। यह मेरी दूसरी रैली है। दोनों रैली को देखने के बाद मैं दावे से कहता हूं कि भाजपा-एनडीए इतिहास में मिले हुए किसी भी परिणाम से और अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम ईमानदारी से झारखंड के विकास की हर कोशिश कर रहे हैं। जब यहां आप लोग डबल इंजन की सरकार बनाएंगे, तो राज्य का विकास भी डबल तेजी से होने लगेगा। झारखंड के नौजवानों में टैलेंट की कमी नहीं है। ये हमारे झारखंड के बेटे और बेटियां खेल के मैदान में झारखंड का जज्बा दिखाते हैं। झारखंड के युवाओं का सामर्थ्य बढ़े, उन्हें नए अवसर मिलें ये सरकार की जिम्मेदारी होती है, लेकिन झामुमो, कांग्रेस और राजद ने झारखंड के युवाओं के साथ धोखा ही किया है।पीएम मोदी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस झारखंड के नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। भर्तियों में धांधली, पेपर लीक जैसे यहां का उद्योग बन गया है। सिपाही भर्ती के दौरान झामुमो सरकार की लापरवाही के कारण कई नौजवाओं की दुखद मृत्यु हो गई। अब झारखंड भाजपा ने इस स्थिति को बदलने का निर्णय लिया है। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद करीब 3 लाख सरकारी पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कल अफवाहें फैलाने का बड़ा उद्योग चल पड़ा है। कुछ लोग भांति-भांति की दुकानें खोलकर बैठे हैं और अफवाह फैलाने का माल बेच रहे हैं। आपको ऐसी किसी भी अफवाह में नहीं आना है। आजादी के बाद ही कांग्रेस की राजनीति का बहुत बड़ा आधार रहा है- जनता से झूठ बोलना, जनता को धोखा देना। ये झूठे वादे करके मतदाताओं को धोखा देते हैं। हमारे नागरिकों की आंख में धूल झोंक देते हैं। अभी हालही में हरियाणा ने इन्हें सबक सिखाया है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसके साथी जहां-जहां भी झूठ बोलकर सत्ता में आए हैं, उस राज्य को उन्होंने बर्बाद कर दिया है। कांग्रेस के जो अध्यक्ष हैं, उन्होंने भी मान लिया है कि कांग्रेस झूठी गारंटी देती है। पता नहीं कैसे खड़गे जी के मुंह से जाने-अनजाने में सच निकल गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जो ये अनाप-शनाप घोषणाएं हैं, ये राज्यों को दिवालिया कर देंगी।

उन्होंने कहा कि झारखंड का एक और बहुत बड़ा दुश्मन है और वह है- परिवारवाद। झामुमो-कांग्रेस-राजद, ये तीनों दल घोर परिवारवादी हैं। ये लोग चाहते हैं कि सत्ता की चाबी केवल इन्हीं के परिवार के पास रहे। चंपई सोरेन जी के साथ इन लोगों ने क्या किया। इन लोगों ने एक आदिवासी बेटे को अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिनके लिए अपने परिवार से बड़ा कुछ नहीं है, वो आप लोगों की परवाह क्या ही करेंगे। ऐसे स्वार्थी दलों को अच्छे से सबक सिखाना है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार दीमक की तरह देश को खोखला करता है। भ्रष्टाचार, गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासी को सबसे ज्यादा दुखी करता है, बर्बाद कर देता है। झारखंड ने तो बीते 5 साल में देखा है कि कैसे झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार ने भ्रष्टाचार किया है। मुख्यमंत्री हो, मंत्री हो, विधायक हो, सांसद हो ऐसा कोई बचा नहीं जिन पर भ्रष्टाचार के संगीन आरोप नहीं हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस-राजद ने तुष्टिकरण की नीति को चरम पर पहुंचा दिया है। ये तीनों दल सामाजिक ताना-बाना तोड़ने पर आमादा हैं, ये तीनों दल घुसपैठिया समर्थक हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट पाने के लिए ये इन घुसपैठियों को पूरे झारखंड में बसा रहे हैं। ये आपकी रोटी भी छीन रहे हैं, ये आपकी बेटी भी छीन रहे हैं और ये आपकी माटी को भी हड़प रहे हैं। अगर झामुमो-कांग्रेस-राजद की यही कुनीति जारी रही, तो झारखंड में आदिवासी समाज का दायरा सिकुड़ जाएगा। ये आदिवासी समाज और देश की सुरक्षा दोनों के लिए बड़ा खतरा है, इसलिए इस घुसपैठिया गठबंधन को अपने एक वोट से उखाड़ फेंकना है।

विनायक चतुर्थी आज

जानें पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और ज्योतिषीय संयोग

विनायक चतुर्थी पर करें बुध ग्रह के उपाय

आर्थिक तंगी और त्वचा रोग से मिलेगा छुटकारा!

विनायक चतुर्थी या गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जो भगवान गणेश को समर्पित है और गणेश जी को विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता माना जाता है। इस दिन गणेश जी की मूर्ति स्थापित की जाती है और उनकी पूजा की जाती है। गणेश जी को सभी विघ्नों को दूर करने वाले माना जाता है। इसलिए, किसी भी शुभ काम की शुरुआत से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। गणेश जी को बुद्धि के देवता भी माना जाता है। इसलिए छात्र गणेश जी की पूजा करके बुद्धि और ज्ञान प्राप्त करने की कामना करते हैं। विनायक चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग नए काम की शुरुआत करते हैं।अगर किसी जातक की जन्मकुंडली में बुध की दशा हो या बुध नीच राशि में हो अथवा पाप पीड़ित हो तब विनायक चतुर्थी पर बुध देव को प्रसन्न करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं।

बुध दोष से निजात पाने के उपाय :– विनायक चतुर्थी के दिन घर में भगवान गणेश की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा करा कर रोजाना पूजा करें। ऐसा करने से कुंडली में बुध की स्थिति मजबूत होगी।

हरी मूंग दाल का दान :– विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधिवत पूजा करने के साथ हरी मूंग दाल का दान करें,आप चाहे तो थोड़े चावल मिला सकते हैं। ऐसा करने से कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति मजबूत होती है।

इस मंत्र का जाप करें:– विनायक चतुर्थी के दिन बुध देव के बीज मंत्र ऊं ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम: का जाप करें। इस मंत्र का जाप करने से कुंडली से बुध का दोष समाप्त हो जाता है।

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें

✲ कुंडली में बुध की स्थिति सही करने के लिए गणेश जयंती के दिन गणेश जी को लड्डू और दूर्वा चढ़ाएं। ऐसा करने से बुध दोष दूर होता है।

✲ बुध ग्रह का प्रतीकात्मक रंग हरा माना जाता है। इसलिए गणेश चतुर्थी के अलावा बुधवार के दिन हरे रंग के वस्त्र धारण करें। ऐसा करने से बुध दोष दूर होता है।

✲ विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी की पूजा करते समय 5 हल्दी की गांठ चढ़ाएं और श्री गणाधिपतये नम: मंत्र को पढ़ें। ऐसा लगातार अगले 10 दिनों तक करें। माना जाता है कि ऐसा करने से बिजनेस में लाभ के साथ सफलता हासिल होती है।

मनोकामना पूरी करने के लिए :– अगर आप कोई अपनी इच्छा पूरी करना चाहते हैं, तो विनायक चतुर्थी के दिन 21 गुड़ की गोलियां बना लें और इन्हें दूर्वा के साथ गणपति जी को अर्पित कर दें। इससे बप्पा जल्द प्रसन्न हो जाते हैं।

गृह–क्लेश से छुटकारा पाने के लिए :– विनायक चतुर्थी के दिन हरे रंग के वस्त्र पहनकर गणपति जी की पूजा करें। इसके साथ ही पांच लौंग, पांच इलायती लेकर गणपति जी को अर्पित कर दें। ऐसा करने से घर में शांति आएगी और परिवार के सदस्यों के बीच होने वाले हर वाद–विवाद की समाप्त हो जाएगी।

धन लाभ के लिए :– विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ाने के साथ इस मंत्र 'ऊँ हस्ति पिशाचिनी लिखे स्वाहा' का जाप करें। इस मंत्र को बोलने से कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

विनायक चतुर्थी 5 नवंबर 2024 को मनाई जाएगी, जो कि कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी है। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा होती है। गणपति, जिन्हें विघ्नहर्ता कहा जाता है, सभी बाधाओं को दूर करने और ज्ञान प्रदान करने वाले देवता माने जाते हैं। इस दिन को खासकर नई शुरुआत के लिए बहुत शुभ माना जाता है, इसलिए कई लोग किसी नए कार्य की शुरुआत गणपति पूजन से करते हैं।

विनायक चतुर्थी का महत्व

विनायक चतुर्थी पूरे भारत में बड़ी श्रद्धा से मनाई जाती है, क्योंकि भगवान गणेश को सभी संकटों का नाश करने वाला माना जाता है।उन्हें बुद्धि और ज्ञान के देवता के रूप में पूजा जाता है, जिससे यह दिन छात्रों और ज्ञान की खोज में लगे लोगों के लिए खास होता है। विनायक चतुर्थी नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

शुभ मुहूर्त और ज्योतिषीय योग

विनायक चतुर्थी का शुभ समय: पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि 4 नवंबर को रात 11:24 बजे शुरू होकर 5 नवंबर को रात 12:16 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार, 5 नवंबर को विनायक चतुर्थी मानी जाएगी।पूजा का शुभ समय सुबह 10:59 से दोपहर 1:10 तक रहेगा, जो कुल 2 घंटे 11 मिनट का है।

खास ज्योतिषीय योग

इस बार विनायक चतुर्थी पर रवि योग और ज्येष्ठा नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है, जिससे पूजा के दौरान गणपति की कृपा से सभी संकट दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है।

सुकर्मा योग: सुबह 11:28 से रात तक रहेगा।

रवि योग: सुबह 6:36 से 9:45 तक।

ज्येष्ठा नक्षत्र: सुबह 9:45 तक उपस्थित रहेगा।

विनायक चतुर्थी पूजा विधि

✲ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

✲घर में एक साफ चौकी पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करें।

✲व्रत का संकल्प लें और गणेश जी को रोली, चंदन, अक्षत, फूल, सिंदूर और दूर्वा अर्पित करें।

✲ प्रसाद में मोदक या लड्डू चढ़ाएं।

✲ ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का 108 बार जाप करें।

✲ गणेश जी को शमी का पत्ता अर्पित करें, जिसे सभी कष्टों को हरने वाला माना गया है।

✲ आर्थिक समस्याओं के निवारण के लिए गणेश जी के सामने चौमुखी दीपक जलाएं।

चंद्र दर्शन का समय और सावधानी

इस दिन चंद्रमा का उदय सुबह 10:05 पर होगा और अस्त रात 8:09 बजे। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विनायक चतुर्थी के दिन चंद्रमा का दर्शन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से कलंक या अपयश का सामना करना पड़ सकता है। विनायक चतुर्थी के सभी शुभ समय और विधियों का पालन करके भक्त गणपति बप्पा से जीवन में सफलता और समृद्धि की कामना करते हैं।

आज मनाई जाएगी नागुला चविथी

नागुला चविथी के दिन खासकर नाग देवताओं की पूजा की जाती है। दक्षिण भारत में इस पर्व का बहुत महत्व है। आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में ये पर्व विशेषकर मनाया जाता है। हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को ये दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर दिवाली के चौथे दिन होता है। मान्यता है कि नाग देवता पृथ्वी के रक्षक हैं और उनकी पूजा करने से धन, समृद्धि और सुख–शांति प्राप्त होती है। विवाहित महिलाएं इस दिन अपने बच्चों की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए नाग देवताओं की पूजा करती हैं। ऐसा कहा जाता है कि नाग देवताओं की पूजा करने से सांप के डंक से बचाव होता है।

नागुला चविथी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार, चविथी तिथि नवम्बर 04 को रात्रि 11:24 बजे से प्रारंभ होकर नवम्बर 06, 2024 को दोपहर 12:16 बजे तक रहेगी। उदयातिथि को ध्यान में रखते हुए इस साल नागुला चविथी मंगलवार, नवम्बर 5, 2024 को मनायी जाएगी।

नागुला चविथी पूजा मुहूर्त – सुबह 10:59 से दोपहर 01:10 बजे तक है। यानि आपको पूजा के लिए 2 घंटे 11 मिनट का समय मिलेगा।

नागुला चविथी की पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद आप सबसे पहले घर में एक साफ जगह पर नाग देवता की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। पूजा के लिए दूध, दूध में भिगोए हुए चावल, फूल, दीपक, अगरबत्ती और रोली की आवश्यकता होती है। नाग देवता की मूर्ति या चित्र को दूध से स्नान कराएं। फिर उन्हें दूध, चावल और फूल चढ़ाएं। दीपक और अगरबत्ती जलाएं। नाग देवता के मंत्रों का जाप करने के बाद आप अगर चाहें तो इस दिन व्रत भी रख सकते हैं।

नागुला चविथी की कथा

नागुला चविथी से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं। एक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को भगवान शिव ने पी लिया था, जिससे उनका गला नीला पड़ गया। तब से उन्हें नीलकंठ कहा जाता है। नाग देवता भगवान शिव के गले में रहते हैं, इसलिए उनकी पूजा की जाती है। नागुला चविथी का त्योहार परिवार और समुदाय के साथ मिलकर मनाया जाता है। यह एक सुंदर अवसर है, जो हमें प्रकृति और उसके सभी जीवों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का मौका देता है।

छठ पूजा की व्रत कथा में है बहुत शक्ति सुनने या पढ़ने से ही दूर होती है हर व्यथा

छठ पूजा को लोकआस्था का महापर्व कहा जाता है । इसमें छठी मईया यानी षष्ठी देवी और भगवान भास्कर की पूजा होती है । पंचांग के अनुसार छठ पूजा का पर्व कार्तिक शुक्ल की चतुर्थी तिथि से शुरू होकर सप्तमी तिथि तक चलता है।

छठ दिवाली के 6 दिन बाद मनाई जाती है। इस साल छठ की शुरुआत 5 नवंबर 2024 से होगी, जिसका समापन शुक्रवार 8 नवंबर 2024 को होगा। लेकिन छठ महाव्रत तब तक अधूरा होता है जब तक इससे संबंधित कथा न सुनी या पढ़ी जाए। आइये जानते हैं छठ पूजा की कथा के बारे में–

छठ पूजा की कथा

छठ पूजा की पौराणिक कथा राजा प्रियव्रत से जुड़ी है। कथा के अनुसार राजा को कोई संतान न होने के कारण वह और उसकी पत्नी बहुत दुखी रहते थे। संतान प्राप्ति की कामना के लिए राजा और उसकी पत्नी दोनों महर्षि कश्यप के पास गए। तब महर्षि ने यज्ञ करवाया और राजा की पत्नी गर्भवती हो गई। उसने 9 माह पूरे होने के बाद पुत्र को जन्म दिया। लेकिन वह मरा हुआ पैदा हुआ, जिसके बाद राजा और उसकी पत्नी पहले से अधिक दुखी हो गए।

दुखी होकर राजा प्रियव्रत मरे हुए बेटे के साथ अपने प्राण भी त्यागने के लिए श्मशान में ही आत्महत्या का प्रयास करने लगे। तभी वहां एक देवी प्रकट हुई। देवी ने कहा मैं ब्रह्मा की पुत्री देवसेना हूं और मैं सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न हुई देवी षष्ठी हूं।

अगर तुम मेरी पूजा करोगे और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करोगे तो मैं तुम्हें पुत्र रत्न प्रदान करूंगी। राजा ने देवी की बात का पालन किया और कार्तिक शुक्ल की षष्ठी तिथि को व्रत रखकर देवी षष्ठी की पूजा की। जिसके बाद राजा को पुत्र की प्राप्ति हुई। ऐसी मान्यता है कि इसके बाद से ही छठ पूजा की शुरुआत हुई।

साल में दो बार होती है छठ पूजा

बता दें कि छठ पर्व साल में दो बार मनाया जाता है। कार्तिक मास के साथ ही चैत्र के महीने में भी छठ पूजा होती है, जिसे चैती छठ भी कहते हैं। वहीं कार्तिक मास की छठ पूजा को छठ महापर्व या कार्तिकी छठ के नाम से जाना जाता है। इस पर्व को स्त्री और पुरुष दोनों कर सकते हैं। छठी मईया की पूजा के साथ ही छठ सूर्य उपासना का भी अनुपम महापर्व है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

95 दिनों तक मन्नत के बाहर खड़ा रहा शाहरुख खान का जबरा फैन

शाहरुख खान को लेकर फैंस के बीच कितनी दीवानगी है, ये उनके बंगले मन्नत के बाहर लोगों की भीड़ से साफ जाहिर होती है। हर साल ईद या फिर अपने जन्मदिन के मौके पर अभिनेता अपनी बालकनी में खड़े होकर फैंस का अभिवादन करते हैं। हाल ही में, एक फैन की 95 दिनों की मेहनत रंग लाई है।

दरअसल, शाहरुख खान का एक जबड़ा फैन झारखंड से मुंबई सिर्फ शाह रुख खान से मिलने के लिए आया। वह पिछले 95 दिनों से शाहरुख खान के घर के बाहर खड़ा रहा और उनकी एक झलक पाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा था वो भी हाथ में बोर्ड लेकर। हाल ही में, शख्स ने बताया कि वह मन्नत के बाहर 95 दिनों से शाह रुख से मिलने का इंतजार कर रहा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

95 दिन बाद शाहरुख खान से मिला फैन

खैर, झारखंड से आए फैन का 95 दिनों का ये इंतजार रंग लाई है। आखिरकार फैन ने शाहरुख खान से मुलाकात कर ली है। फैन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शाहरुख खान के साथ फोटोज शेयर की हैं। तस्वीरों में किंग खान ने अपने फैंस से हाथ मिलाते हुए पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान अभिनेता ग्रे टी-शर्ट कैप और लोअर में दिखाई दे रहे हैं।

तोड़ी थी सालों पुरानी परंपरा

जवान एक्टर हर साल अपने जन्मदिन के मौके पर फैंस को अपनी झलक देखकर सौगात देते हैं। वह मन्नत की बालकनी पर खड़े होकर अपना सिग्नेचर पोज देते हैं और फैंस का दिल खुश कर देते हैं। हालांकि, इस बार ऐसा नहीं हुआ। इस बार शाह रुख ने फैंस से मन्नत के बाहर नहीं, बल्कि एक इवेंट में मुलाकात की। उन्होंने फैन मीट में अपने चाहने वालों से मुलाकात भी की और बात भी की।

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की पहली पत्नी हेलेना ल्यूक का अमेरिका में निधन

हिंदी सिनेमा की खूबसरत अदाकारा हेलेना ल्यूक अब इस दुनिया में नहीं रहीं। 68 साल की उम्र में अभिनेत्री का निधन हो गया है। वह दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की पहली पत्नी थीं। साल 1979 में दोनों ने शादी की थी, लेकिन चार महीने में ही उनका रिश्ता खत्म हो गया था।

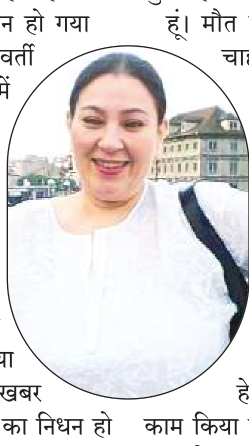

हेलेना ल्यूक फिल्मों से ब्रेक लेकर अमेरिका में शिफ्ट हो गई थीं और सालों से वहीं रह रही थीं। हाल ही में, उनकी दोस्त और एक्ट्रेस-डांसर कल्पना अय्यर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को एक बुरी खबर दी। उन्होंने बताया कि हेलेना ल्यूक का निधन हो गया है।

हेलेना का आखिरी पोस्ट

फिल्मों और लाइमलाइट से दूर रहने वालीं हेलेना ल्यूक के निधन की वजह सामने नहीं आई है। हालांकि, उनका आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट जमकर वायरल हो रहा है। 2 नवंबर की रात करीब 8.50 बजे हेलेना ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा था, अजीब महसूस हो रहा है। भावनाएं मिली-जुली हैं लेकिन क्यों, नहीं जानती। असमंजस में हूं। मौत से पहले हेलेना का ये पोस्ट उनके चाहने वालों को परेशान कर रहा है।

मिथुन से 4 महीने में ही अलग हो गई थीं हेलेना

स्टारडस्ट को दिए एक पुराने इंटरव्यू में हेलेना ल्यूक ने मिथुन चक्रवर्ती से अपनी शादी को एक बुरा सपना बताया था। अभिनेत्री ने कहा था-

अमिताभ बच्चन संग शेयर किया स्क्रीन

हेलेना ल्यूक ने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है जिसमें से एक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म मर्द थी। इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा में पहचान दिलाई। वह जुदाई (1980), साथ साथ (1982), दो गुलाब (1983), रोमांस (1983) और भाई आखिर भाई होता है (1982) जैसी फिल्मों में भी काम कर चुकी थीं। बाद में वह फिल्मी दुनिया से गायब होकर अमेरिका चली गईं और वहीं पर अपना आखिरी वक्त भी बिताया।

कैसे दूंगा जवाब, बेटा यश और बेटी रूही की वजह से टेंशन में करण जौहर

फिल्मी गलियारे में ज्यादातर निर्माता करण जौहर का नाम सुर्खियां बटोरता रहता है। कभी उनका प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शन इसकी वजह बनता है तो कभी अपनी फिल्मों को लेकर वह लाइमलाइट में रहते हैं। लेकिन इस वक्त अपने बेटे यश और बेटी रूही की वजह से करण चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल किड्स को लेकर उनको एक डर सताता है, जिसके साथ वह हर रोज जी रहे हैं। सिंगल पेरेंट के तौर पर उनके बच्चों का नजरिया क्या रहेगा और उनके क्या सवाल होंगे। इसको लेकर हाल ही में जिगरा फिल्म निर्माता करण जौहर ने खुलकर बात की है।

बच्चों को लेकर बोले करण

इन दिनों धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बना फैबुलस लाइव्स व स ज बॉलीवुड वाइव्स शो फैंस क ा फेवरेट बना हुआ है। इस शो के निर्माता करण जौहर हैं और उन्होंने इस मंच पर हाल ही में सिंगल पेरेंट होने को लेकर खुलकर बात की है।

करण जौहर के इस बयान से ये अनुमान लगाया जा सकता है कि वह इस मामले में बात कर रहे हैं कि जब बच्चे बड़े होकर उनसे अपनी मां के बारे में सवाल पूछेंगे, तो वह क्या जवाब देंगे। मालूम हो कि साल 2017 में करण सेरोगेसी के जरिए जुड़वा बच्चों के पिता बने और तब से लेकर अब तक वह सिंगल पेरेंट के तौर पर यश और रूही की परवरिश करते आ रहे हैं। बता दें कि करण ने ये बात एक्ट्रेस नीलम कोठारी के उस बयान के बाद कही, जब उन्होंने बताया कि उनकी बेटी को पहले तलाक के बारे में गूगल से बता लगा।

इन एक्ट्रेस से मिली मदद

जिगरा फिल्म निर्माता करण जौहर कई मौकों पर इस बात का खुलासा कर चुके हैं कि एक सिंगल पेरेंट के तौर उनको बॉलीवुड एक्ट्रेसेज की तरफ से काफी सपोर्ट मिला है। इस मामले में उन्होंने बताया है कि रानी मुखर्जी और करीना कपूर वो अदाकाराएं रही हैं, जिन्होंने लाइफ के इस फेस में उनकी मदद की है। मालूम हो कि 52 साल के करण जौहर ने अब तक शादी नहीं की है।

38 साल की एक्ट्रेस ने 11 साल बड़े बाबा से रचाई दूसरी शादी

टीवी एक्ट्रेस दिव्या श्रीधर अपनी दूसरी शादी के कारण चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, मलयाली एक्ट्रेस ने एक्टर और मोटिवेशनल स्पीकर क्रिस वेणुगोपाल से शादी की है, जो 49 साल के हैं। कपल ने अपने सोशल मीडिया पेज पर 30 अक्टूबर को रचाई शादी की तस्वीरें शेयर कीं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं वहीं लोग खूब रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं। शेयर की गई तस्वीरों में से एक में दिव्या को क्रिस किस करते हुए नजर आ रहे हैं, जो फोटो खूब चर्चा में है। लव स्टोरी की बात करें तो क्रिस वेणुगोपाल और दिव्या श्रीधर की पहली मुलाकात टीवी शो पतरामट्टू के सेट पर हुई, जिसके बाद दोनों की दोस्त हुई और फिर कुछ समय बाद दोनों को प्यार हो गया। खबरों की मानें तो एक्टर क्रिस ने दिव्या से शादी करने से पहले उनके बच्चों की सलाह भी ली थी। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी बेटी ने दूसरी शादी के लिए क्रिस को स्वीकार किया है।

क्रिस वेणुगोपाल की बात करें तो वह एक्टर के साथ-साथ एक राइटर भी हैं। इसके अलावा पुल्लू राइजिंग, संबवस्थलथु निन्नुम जैसे टीवी शो और फिल्मों में काम कर चुके हैं। वहीं क्रिस से शादी को लेकर दिव्या ने कहा कि उनसे शादी करना उनकी जिंदगी का नया चैप्टर है और वह ऐसा पार्टनर पाकर खुश हैं।

अक्षय कुमार के साथ झिझकती थीं करीना कपूर

बोलीं- उनके साथ रोमांटिक सीन करना अजीब था

बॉलीवुड अभिनेता करीना कपूर खान और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में काम किया है। करीना ने एक बार खुलकर बताया था कि अक्षय के साथ रोमांस करना कितना 'अजीब' लगता था, जबकि वह उनकी बहन करिश्मा के को-स्टार थे। करीना कपूर ने बताया कि कैसे वे अक्षय कुमार और अपनी बहन की फिल्म के सेट पर जाती थीं और वहां खेलती थीं।

करीना कपूर ने की अक्षय कुमार की तारीफ

अक्षय कुमार ने कहा कि मैं करिश्मा कपूर के सभी सह कलाकारों के साथ रोमांस कर रही हूं। उन्होंने बताया कि अक्षय कुमार जब फिल्में कर रहे थे, तब मैं स्कूल यूनिफॉर्म में थी। यहीं बात साफ हो जाती है कि वो मुझसे भी ज्यादा कमाल हैं। करिश्मा कपूर मेरी बड़ी बहन हैं, उनके सह कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए थोड़ा अजीब रहा है।

ट्विंकल खन्ना ने कही ये बात

ट्विंकल ने इस बात के दौरान करीना से कहा कि वे इस बात से असहमति जताती हैं। यह इस बात को भी दर्शाता है कि पुरुष अक्सर लंबे करियर का आनंद लेते हैं जबकि महिलाओं को अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके जवाब में करीना ने कहा कि अक्षय कुमार ने बेटे तैमूर के साथ दो हीरो वाली फिल्म बनाने की भी योजना रखी है।

इन फिल्मों में अक्षय कुमार के साथ नजर आईं करीना

करीना कपूर और अक्षय कुमार कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अक्षय कुमार ने करीना के साथ सिंघम अगेन, गब्बर इज बैक, राउडी राठौर, गुड न्यूज, दोस्ती, टशन, अजनबी, ऐतराज जैसी फिल्मों में काम किया है। सिंघम अगेन फिल्म में अक्षय कुमार को काफी पसंद किया जा रहा है। करीना ने फिल्म में अच्छा अभिनय किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रत्येक कार्य मे लाभ की स्थिति दिखेगी , आपकी आय में वृद्धि होगी. किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा. मित्रों के साथ भेंट होगी. सतर्क होकर कार्य करने की आवश्यकता है. आज आपको किसी अपने या किसी अजनबी से कोई ऐसी शिक्षा मिल सकती है, जिसकी आपको जरूरत थी. आप किसी की तरफदारी ना करते हुए सच का साथ देंगे इससे आपके सहकर्मी आपसे बहुत प्रभावित होंगे.रोज सुबह योग और ध्यान का व्यवहार करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप शिक्षण से जुड़े हुए सामाजिक कार्य मे रहते हैं तो आज प्रतिष्ठा मे वृद्धि सम्भव हैं रैंक मे उछाल आएगा छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे. व्यवसाय क्षेत्र में आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा,दाम्पत्यजीवन मे मधुरता बढेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज बहुत समय पश्चात खुशखबरी मिलती हुई दिखेगी। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है. नौकरी में उन्नति होने के चांस बन रहे हैं. . उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की इच्छा रखने वालों के सपने साकार हो सकते हैं. आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. किसी खास व्यक्ति की राय आपके काम के लिये कारगर होगी. आपका कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है. गाय को चनादाल और गुड खिलाए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज कन्याओं को बेसन के लड्डू खाने को दिजिये । जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं. दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना अंतिम समय में निरस्त किए जाने की संभावना है. अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे. घेरलू आज पडोस मे आपसी विवाद के कारण तनाव रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज समय आप के पक्ष मे रहेगा शरीर मे उर्जा रहेगी । कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगें और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी. आपका पारिवारिक–जीवन खुशियों से उज्वल रहेगा. आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. एक नया व्यवसाय शुरू करने या विवेकपूर्ण निवेश करने के लिए एक बहुत अच्छी अवधि है.आज व्यापार मे नये समझौते होंगे भविष्य सुनहरा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कार्यसिद्धि होगी , भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा. व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है. आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा. उनके साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे. किसी बड़ी बिजनेस मिटिंग के लिये आयोजित पार्टी में जायेंगे, नये कारोबारीयों से मुलाकात होगी इससे फायदा होगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका महनत का फल मिलेगा परिश्रम सफल होगा । आप अपना धैर्य बनाये रखें. आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. अपने सहकर्मियों से मतभेद संभव है. विरोधी नुकसान पंहुचा सकते हैं. विदेश जाने के योग बन रहे हैं.अगर आपके रिश्तोमे मे खटास हैं तो बातचीत से सुलझाना चाहिए मनमुटाव दूर होगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मिलाझुला दिन रहेगा लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे.बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें. अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें. यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लेना उचित रहेगा. आप अपने दोस्तों की मदद से समस्याओं का हल निकाल सकते हैं. जिस व्यक्ति से आप प्यार करते हैं, पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा । हल्काफुलका भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पडोस मे कोई उत्सव रहेगा आपका दिन उत्तम रहेगा. रिश्तेदारों का घर पर आना–जाना लगा रहेगा. किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. आप सेहतमंद रहेंगे. रिश्तों में मिठास बनी रहेगी. किसी से संपर्क करने के लिए दिन अच्छा है. रुके हुए पैसों को पाने के लिए कोई नया प्लान दिमाग में आयेगा. कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के लिये वाहवाही मिलेगी. नंदी भगवान को केले का फल खिलाए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समय कुछ खास नहीं हैं आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है. अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है. आपके मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है. दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं. नौकरी में बदलाव के भी योग बन रहे हैं बटुक बालक को गुड की मिठाई खिलाए घर मे सुबह धूप जलाएं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप लोगों के लिए एक आदर्श व्यक्ति के रुप मे दिखेंगे आप की लोकप्रियता बढेगी आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में आप की स्थिति बढेगी . सामाजिक लोकप्रियता के चलते आप आकर्षण का केंद्र बनेंगे. आर्थिक पक्ष यथावत रहेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. आज परिवार मे दाम्पत्यजीवन मे और बच्चों मे आपसी स्नेह रहेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप अपने तरीकों से कारोबार मे नयें समझौते करेंगे आप कार्यक्षेत्र बढेगा साझेदारी का काम भी फलदायी होगा . आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आज जिस काम से यात्रा करेंगे, उसमें कामयाबी मिल सकती है. जीवनसाथी से सहयोग मिल सकता है. राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है. आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत रहेगी. अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे. छोटे बच्चों को निराश नही करना चाहिए कुछ उपहार देना होगा आप के कार्य सिद्ध होंगे सफलता चरम पर होगी।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 05 नवंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 12:19 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा प्रातः 09:45 तक
योग : अतिगंड प्रातः 11:26 तक
करण : वणिज प्रातः 11:56 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रातः 09:45 तक
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी ,अंगारक योग , भद्रा प्रातः 11:54 से रात्रि 12:47 , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंचकूला में सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव स्थगित

पंचकूला, 04 नवंबर (एजेंसियां)। पंचकूला नगर निगम में सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव आज सोमवार को चुनाव अधिकारी के अचानक बीमार हो जाने के चलते आगे खिसक गए। अब नई तारीख का ऐलान होगा उसके बाद ही चुनाव संपन्न करवाए जा सकेंगे।

जानकारी के अनुसार पंचकूला नगर निगम में सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव 4 नवंबर को संपन्न होने थे, जिसके लिए सुबह ही भारतीय जनता पार्टी के सभी 11 पार्षद गले में बीजेपी का पटका पहन मेयर कुलभूषण गोयल के साथ मतदान केंद्र पहुंचे। विधायक चंद्र मोहन के साथ भी कांग्रेस के सभी आठ पार्षद और एक जजपा पार्षद भी एक जुटता दिखाते हुए कांग्रेस के साथ चुनाव स्थल पर पहुंचे। लेकिन लगभग 11:00 बजे यह सूचना बाहर आई कि चुनाव अधिकारी की तबीयत अचानक खराब हो गई है और वह अपने इलाज के लिए पंचकूला सेक्टर 6 के नागरिक अस्पताल में दाखिल है। इसके बाद चुनाव आगामी तिथि के लिए पोस्टपोन कर दिए गए। वहीं इस घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस के विधायक चंद्र मोहन ने कहा कि जब बीजेपी के पास अगर बहुमत का आंकड़ा मौजूद है तो चुनाव से पहले रिटर्निंग अधिकारी के बीमार हो जाना एक साजिश दर्शाता है।

चुनाव अधिकारी की अचानक बिगड़ी तबीयत

चंद्र मोहन ने कहा कि बीजेपी बेशक 12 पार्षदों का बहुमत दिखा रही है लेकिन उसे पता है कि दबाव में पार्षद उनके पक्ष में वोट नहीं डालेंगे, पार्षद कांग्रेस के साथ हैं। भाजपा के इस डर से चुनाव अधिकारी अचानक बीमार हो गया और चुनाव स्थगित हो गए। उन्होंने कहा कि मेयर कुलभूषण गोयल ने लगभग 11:10 बजे चुनाव अधिकारी के बीमार होने की सूचना दी। लेकिन जब वह 11:30 बजे पंचकूला नागरिक अस्पताल पहुंचे तो वहां पर चुनाव अधिकारी का नाम मरीजों की सूची में रजिस्टर्ड ही नहीं था और ना ही चुनाव अधिकारी वहां इलाज करवाते हुए मिले। चंद्रमोहन ने आरोप लगाया कि बीजेपी कांग्रेस के पार्षदों को खरीदना चाहती है उनके पार्षदों को पैसों का लालच दिया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस के पार्षद मजबूत चट्टान की तरह कांग्रेस के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कोर्ट द्वारा तय 4 नवंबर की डेट को भी चुनाव न करवाना कोर्ट के आदेशों की अवेहलना है। कांग्रेस इस निर्णय को लेकर कांटेपट ऑफ कोर्ट दर्ज करवाएगी।

संत कबीर कुटीर में डूम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम सैनी का किया स्वागत

चंडीगढ़, 04 नवंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में संत कबीर कुटीर में डूम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को डोम कहे जाने के बाद शुरू हुए विवाद का पटाक्षेप करने के लिए अब मुख्यमंत्री खुद मैदान में उतरे हैं। हरियाणा के इतिहास में सोमवार को पहली बार डोम (डूम) समाज के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री के अतिथि बने हैं। मुख्यमंत्री ने इस समाज के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात करके उनकी समस्याओं को जाना।बताते चलें कि कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश सरकार पर पंजीकृत किसानों की धान की खरीद न करने का आरोप लगाया था। सुरजेवाला ने इस संबंध में कई तथ्य पेश किए तो कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने उसी दिन मीडिया में आकर पलटवार किया। इसके बाद एक नवंबर को हरियाणा दिवस के मौके पर गोहाना में एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रणदीप सुरजेवाला को सरकारी डूम कहा था, जिसके बाद कांग्रेस इसे दलितों का अपमान बता रही है और लगातार मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर घेर रही है। नायब सैनी के बयान के बाद रणदीप सुरजेवाला ने भी सैनी पर पलटवार करते हुए उन्हें एक एक्सीडेंटल मुख्यमंत्री करार देते हुए कहा था कि सैनी अहंकार में चूर होकर डूम दलित समाज का अपमान कर रहे हैं। पिछले तीन दिनों से भाजपा तथा कांग्रेस के नेता इस मुद्दे पर एक–दूसरे को घेर रहे हैं। माना जा रहा है कि इस खींचतान को समाप्त करने के लिए भाजपा ने बड़ा दांव खेला है।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी सहित 14 नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

जयपुर, 04 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कामों से प्रभावित होकर कई नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामने लगे हैं और सोमवार को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी सहित 14 नेता भाजपा में शामिल हो गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नागौर और सवाईमाधोपुर के कांग्रेस के इन नेताओं को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। श्री राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा की मौजूदगी में नागौर की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी ने सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व सदस्यों के साथ भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं सरपंच राज–राम चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य लादूराम कुदण, यूथ कांग्रेस से मनमोहन चौधरी, विजेंद्र बसवाणा, पंचायत समिति सदस्य भोमसिंह गौड, तेजाराम चौधरी के साथ कार्यकर्ता दिनेश वैष्णव, श्रवण विश्नोई, सुखराम प्रजापत, अमृताराम जाजडा, आदुराम लेगा, काजी अतेशानुद्दीन तथा सवाईमाधोपुर से पार्षद असीम खां ने भाजपा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर श्री राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज आमजन भाजपा की रीति और नीति में विश्वास जता रहा है जबकि कांग्रेस पार्टी है जिसकी गलत नीतियों के चलते उसका मूल कार्यकर्ता पार्टी से दूर हो रहा है।

फर्जी खेल ग्रेडेशन सर्टिफिकेट जारी करने का मामला

तत्कालीन जिला खेल अधिकारी समेत चार गिरफ्तार

फतेहाबाद, 04 नवंबर (एजेंसियां)। जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी द्वारा आवेदकों से मिलीभगत करके फर्जी डी ग्रेड के स्पोर्टस ग्रेडेशन सर्टिफिकेट जारी करने व इन्हीं सर्टिफिकेट के आधार पर आवेदकों द्वारा खेल कोटे से सरकारी नौकरी प्राप्त करने के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने तत्कालीन जिला खेल अधिकारी राजेंद्र बेरवाल सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मक्खन सिंह निवासी ढांड, महावीर निवासी बनावाली, राहुल निवासी बोदीवाली, राजेन्द्र सिंह बेरवाल निवासी न्यू भरत नगर भिवानी के रूप में हुई है।

आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। यहां से राजेंद्र बेरवाल को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इसके अलावा अन्य आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बता दें कि आरोपी राजेंद्र बेरवाल फिलहाल सेवानिवृत हो चुके हैं। थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने 21 अप्रैल 2023 को सीएम फ्लाइंग हिसार के इंस्पेक्टर रिछपाल सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। मामले के अनुसार सीएम फ्लाइंग द्वारा इस मामले में शिकायत मिली थी, जिसके बाद सीएम फ्लाइंग टीम ने जिला खेल अधिकारी फतेहाबाद के रिकॉर्ड की जांच की तो पाया कि जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी द्वारा वर्ष 2019–20 में 122 खिलाड़ियों के स्पोर्टस ग्रेडेशन सर्टिफिकेट बनाए गए थे, जिनमें 109 ग्रेड सी व 13 ग्रेड डी के थे।

इसके आधार पर राहुल ने लोक निर्माण विभाग फतेहाबाद व मक्खन सिंह ने लोक निर्माण विभाग गुरूग्राम में व महावीर सिंह ने सिंचाई विभाग फतेहाबाद में नौकरी पाई। जांच में पाया गया कि इन लोगों ने कभी इन खेलों में हिस्सा नहीं लिया। इन्हें तत्कालीन जिला खेल अधिकारी राजेन्द्र बेरवाल ने बिना जांच करवाए खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र जारी किए गए थे। इस मामले में फतेहाबाद पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया था। इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा, फतेहाबाद पुलिस जांच कर रही है। आर्थिक अपराध शाखा द्वारा इस मामले में अब चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से हो रहे युवाओं के सपने साकार : भजनलाल

जयपुर, 04 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार पांच वर्षों में निजी क्षेत्र में छह लाख एवं सरकारी क्षेत्र में चार लाख सहित दस लाख रोजगार अवसरों के सृजन की निरंतरता में कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है और आगामी दिसंबर में आयोजित होने वाला तीसरा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने की दृष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सुराज संकल्प की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

श्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर आगामी मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव की तैयारियों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेते हुए प्रदेश में नियमित रूप से मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। गत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिए जा चुके हैं। अब दिसंबर महीने में प्रस्तावित तीसरे मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में भी हजारों युवाओं को नियुक्तियां दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के संकल्प पत्र के वादे को पूरा करने के लिए पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित भी कर रही है। उन्होंने स्थानीय निकाय विभाग को सफाईकर्मियों की भर्ती के लिए आ–वेदन प्रक्रिया शीघ्र निस्तारित करते हुए इसे पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपादित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 48 हजार 593 चतुर्थ श्रेणी एवं समकक्ष पदों तथा तीन हजार 170 वाहन चालकों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करेगी।

उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देशित किया कि वे भर्तियों के संबंध में अभ्यर्थना मार्च 2025 की स्थिति में भिजवाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा पदों पर भर्तियां हो और युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिल सके।

इस कार्य में कोताही बरतने पर संबंधित विभाग के अधिकारी पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। श्री शर्मा ने परिवर्तित बजट 2024–25 की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला स्तर पर लंबित विकास कार्यों के लिए कलक्टर्स जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर जमीन आवंटन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों को महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

डकैती की योजना बना रहे छह शातिर बदमाश गिरफ्तार

बारां, 04 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां जिले के छबड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक वीरान पड़े मकान में कस्बे की एक आभूषणों की दुकान में डकैती डालने की योजना बना रहे छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने सोमवार को बताया कि आरोपी लक्ष्मण मीणा, (22) सूरजमल उर्फ सुरज्या मीणा (39), बलवीर उर्फ बल्लु सांसी (50), भगवान सिंह उर्फ दीपक प्रजापत (20), रोहित सांसी (20) और कुलदीप मीणा (22) को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्मण मीणा से रिवाल्वर एवं दो जिंदा कारतूस, बलवीर से लोहे की गुप्ति, भगवान सिंह से 200 ग्राम लाल मिर्च पाउडर, सूरज मल से नकाब के लिए काले रंग के कपड़े, कुलदीप मीणा से एक लोहे का कट्टर और रोहित सांसी रामपुरी चाकू सहित चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। श्री चौधरी ने बताया कि रविवार को छबड़ा के थानाधिकारी राजेश कुमार खटाना को मुखबिर से सूचना मिली कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रीछड़ा के एक सुनसान पड़े मकान में कुछ बदमाश हथियार लेकर छिपे हैं।

उपचुनाव तय करेगा राजनीति की दिशा एवं राज्य सरकार की जवाबदेही : पायलट

दौसा, 04 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आगामी 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव को प्रदेश की राजनीति की दिशा एवं राज्य सरकार की जवाबदेही तय करने वाला चुनाव बताते हुए कहा है कि इसमें कांग्रेस और भाजपा के बीच विचारधारा की लड़ाई है और जिन्होंने आपस में लोगों को लड़ाया है उस इतिहास का आंकलन कर इसमें वोट करना है।

श्री पायलट सोमवार को दौसा जिले के कुंडल में दौसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव में कोई जातियों की लड़ाई नहीं है, यह लड़ाई विचारधारा की लड़ाई है। यह लड़ाई कांग्रेस और भाजपा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जातिगत आधार पर समर्थन मांगने वालों एवं जाति–धर्म की राजनीति करने वालों को इस चुनाव में सबक सिखाना है। उन्होंने कहा कि पूरे देश और प्रदेश की निगाहें दौसा के उपचुनाव पर हैं। यहां गरीब घर से पैदा हुआ कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा चुनाव में बड़े बड़ों को चुनौती दे रहा हैं। श्री बैरवा लंबे समय से पार्टी के प्रति समर्पित होकर काम कर रहे हैं और वह कांग्रेस के मजबूत कार्यकर्ता हैं, जमीन से उठकर यहां तक पहुंचे हैं। ऐसे समर्पित प्रत्याशी को वोट करना चाहिए। श्री पायलट ने कहा कि 13 नवंबर को मतदान है। इसमें पूरा देश और प्रदेश जानना चाहता है कि दौसा के लोग किस विचारधारा के लोग हैं।

दिया कुमारी ने देवली–उनियारा में किया भाजपा को जिताने का अनुरोध

दूनी (टोंक), 04 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने देवली–उनियारा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी राजेन्द्र गुर्जर को जिताने के लिये मतदाताओं से आग्रह किया है।

सुश्री दिया ने सोमवार को टोंक जिले के दूनी में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। बाद में रोड शो करने के बाद आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने देवली–उनियारा के विकास की कड़ी से कड़ी जोड़ने के लिये भाजपा उम्मीदवार राजेन्द्र गुर्जर को भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र गुर्जर चुनाव हारने का बावजूद भी लगातार जनता की सेवा करते रहे हैं और अब मौक़ा है कि उन्हें फिर से विधायक बनाएं।

दिया कुमारी ने कहा कि वह छत्तीस कौम के प्रतिनिधि के रूप में देवली–उनियारा की जनता की सेवा करेगें। उन्होंने कहा कि हमारी माताओं–बहनों की ज़िम्मेदारी है कि मतदान वाले दिन परिवार के सभी लोग अपने मताधिकार का उपयोग करके पहले मतदान–फिर जलपान की भावना का पालन करें। सभा में भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र गुर्जर, कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, हीरालाल नागर, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, निवाई विधायक रामसहाय, केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम, मांडल विधायक उदयलाल भडाणा, बारां–अटरु विधायक राधेश्याम बैरवा, चाकसू विधायक राम अवतार बैरवा और पूर्व विधायक अजीत मेहता मौजूद थे। इससे पहले देवली–उनियारा प्रवास पर जाते समय रास्ते में निवाई में राजपूत समाज ने और टोंक में जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक अजीत मेहता, जिला प्रमुख सरोज बंसल और सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने दियाकुमारी का स्वागत किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास के नये आयाम स्थापित करने के लिए सभी लोग मिल कर काम रहे हैं और अब जनता से अपेक्षा है कि उपचुनावों में भाजपा को भारी बहुमत से जिताकर भेजें और इस टीम को फिर से भरपूर आशीर्वाद दें।

शुभ लाभ DAILY

46 हजार पदों पर चल रही नियुक्ति प्रक्रिया : मंगल पांडेय

पटना (एजेंसियां)।

स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने सरकारी नौकरी भर्ती पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही नेता प्रतिपक्ष व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर भी निशाना साधा है। कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों में लगातार नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है। स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार नए पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। जिसमें औषधी निरीक्षकों की नियुक्ति अभी दो माह पूर्व ही हुई है। साथ ही चार हजार 500 सीएचओ (कॉम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) की

नियुक्ति हेतु विज्ञापन निकाला जा चुका है। विभाग की ओर से अन्य पदों पर नियुक्ति की अधियाचना भी भेजी जा रही है।

मंगल पांडेय ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव को सलाह दी है कि पहले वो यह बताएं कि महागठबंधन की सरकार में 18 माह स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में कितने पदों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन निकलवाया एवं नियुक्ति करवाई। तेजस्वी अपने 18 माह के कार्यकाल में न तो स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को समझ पाए, न ही नए पदों का सृजन ही कर पाएं और न ही किसी नियुक्ति के लिए कोई विज्ञापन निकला पाए। केवल झूठ की खेती करना और आमजनों को बरगलाना ही पूर्व स्वास्थ्य मंत्री का काम रह गया है। दरअसल वो खुद के लिए रोजगार सृजन करने के लिहाज से झूठा भ्रम फैला रहें हैं ताकि उनको रोजगार मिल जाए।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि तेजस्वी यादवकी पार्टी के सुप्रीमो ने नियुक्ति पत्र बांटने के एवज में क्या-क्या किया है यह तो जगजाहिर है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी पथ निर्माण मंत्री भी थे, लेकिन अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर के गड्ढे भी नहीं भरवा पाएं।

वहीं दूसरी ओर रोजगार देने की झूठी अफवाह फैलाने में लगे हुए हैं। आपने आज तक न तो कुछ किया है न करने की सोच समझदारी है और न ही बिहार की जनता आपको आगे कुछ करने का मौका देगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में युवाओं को 2005 से लगातार रोजगार एवं सरकारी नौकरियां भी मिल रही है और आगे भी मिलती रहेगी इसकी गारंटी है।

चलती ट्रेन से गिरने पर युवक के कटे दोनों पैर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

छठ महापर्व के लिए हाजीपुर में कपड़े खरीदने जा रहे एक युवक की जान उस वक्त खतरे में पड़ गई जब वह पैसेंजर ट्रेन से गिर गया और उसके दोनों पैर कट गए।

यह हादसा सोनपुर मंडल के हाजीपुर-बछवाड़ा रेल खंड पर देसरी स्टेशन के पास हुआ। घायल युवक की पहचान समस्तीपुर जिले के मोहद्दीनपुर थानाक्षेत्र के हेरी बाजार निवासी 19 वर्षीय कृष्ण कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना उस वक्त हुई जब कृष्ण कुमार ट्रेन के पायदान पर खड़े होकर सफर कर रहा था। अचानक उसे उसकी भाभी का फोन आया और फोन निकालते समय संतुलन बिगड़ने से वह

चलती ट्रेन से गिर गया। गिरते ही वह ट्रेन के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसके दोनों पैर कट गए। स्थानीय लोगों ने खून से लथपथ युवक को देख तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कृष्ण कुमार को हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर हालत में पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

अस्पताल में उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है और बेहतर इलाज के प्रयास किए जा रहे हैं।

कृष्ण कुमार ने बताया कि वह छठ पर्व की खरीदारी के लिए हाजीपुर जा रहा था और ट्रेन के पायदान पर सफर कर रहा था। तभी उसकी भाभी का फोन आने पर उसने फोन निकालने की कोशिश की, जिससे संतुलन बिगड़ गया और यह दुर्घटना घट गई। इस हादसे ने छठ महापर्व की खुशी में मातम ला दिया है और परिवार के लोग अब उसकी स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

गोपालगंज में पांच लोगों को बोलेरो ने रौंदा, दो की मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के महम्मदपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के समीप एनएच-27 पर डीसीएम गाड़ी से आ रहे मजदूरों को पीछे से बोलेरो ने रौंद दिया। जिससे दो मजदूरों की मौत हो गयी। वहीं, इस हादसे में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया। वहीं, तीन अन्य घायलों को महम्मदपुर स्थित निजी क्लीनिक में इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद चिंताजनक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी भेज दिया।

बताया जा रहा है कि पूर्वी चंपारण के डुमरिया घाट थाना क्षेत्र

के पकड़ी गांव के 19 वर्षीय बिरंजन कुमार सहनी, केसरिया थाना के मलाही टोला गांव के रंजीत यादव, शिवहर के मंटू कुमार, सुमन कुमार, रामपुर थाना के डुमरी कर्सरी गांव के चंदन कुमार दिल्ली से छठ पूजा में अपने घर डीसीएम ट्रक से आ रहे थे। रास्ते में रविवार को महम्मदपुर थाने के गोपालपुर गांव स्थित चंदन पेट्रोलपंप के समीप एनएच 27 पर ट्रक खराब हो गया। इस कारण सभी मिलकर ट्रक को धक्का देने लगे। तब तक पीछे से आ रही अनियंत्रित बोलेरो ने पांच मजदूरों को रौंद दिया, जिससे सभी मजदूर घायल हो गये।

हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही बिरंजन कुमार एवं रंजीत यादव की मौत हो गयी। वहीं बोलेरो में सवार लोग गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बोलेरो को जब्त कर लिया है। भीषण हादसे के बाद कुछ देर के लिए एनएच-27 पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गयी। वहीं, मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मुख्य सड़क पर का अफरातफरी का माहौल कायम हो गया।

कन्दाहा सूर्य मंदिर में छठ पर्व पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

सहरसा (एजेंसियां)।

चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत मंगलवार से नहाए-खाए के साथ होगी, जिसमें श्रद्धालु सूर्य भगवान को अर्घ्य देंगे। इस अवसर पर सहरसा जिले के महिषी प्रखंड के कन्दाहा गांव का प्राचीन सूर्य मंदिर खास आकर्षण का केंद्र होगा। यह मंदिर, जो द्वापर युग से अस्तित्व में है, भारत के सबसे प्राचीन सूर्य मंदिरों में से एक है। इसे ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से ओडिशा के कोणार्क के बाद दूसरा स्थान दिया गया है। इसकी अद्वितीय मूर्तियां और स्थापत्य शैली इसे एक विशेष धार्मिक स्थल बनाती हैं।

कन्दाहा सूर्य मंदिर की स्थापना के संबंध में सूर्य पुराण में उल्लेख है कि भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र शाम्ब

को कुष्ठ रोग से मुक्ति पाने के लिए बारह स्थानों पर सूर्य मंदिर स्थापित करने का निर्देश दिया गया था, जिसमें से एक मंदिर यहां भी स्थापित हुआ। इस मंदिर में काले पत्थर से बनी सूर्य देव की आदमकद प्रतिमा और उनकी पत्नियों संज्ञा तथा छाया की प्रतिमाएं स्थापित हैं। मंदिर की दीवारों पर अंकित कलाकृतियां खजुराहो की शिल्पकला से मेल खाती हैं, जो इसके ऐतिहासिक महत्त्व को बढ़ाती हैं।

कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण कब और किसने करवाया, इसके प्रमाण नहीं मिलते। लेकिन मंदिर का पुनर्निर्माण 1334 ई. में इनवार वंश के राजा भवदेव सिंह ने करवाया था। इस कारण इसे भवदित्य नाथ सूर्य मंदिर भी कहा जाता है।

इस मंदिर में कई पुरातात्विक अवशेष प्राप्त हुए हैं, जिनसे इसके प्राचीन इतिहास का पता चलता है। मंदिर परिसर में एक विशेष कुएं का भी उल्लेख है, जिसके जल को चर्म रोग और सफेद दाग के उपचार के लिए प्रभावी माना जाता है।

दूर-दूर से श्रद्धालु इस मंदिर में अपनी मनोकामना लेकर आते हैं और उन्हें यह विश्वास है कि सूर्य देवता उनकी इच्छाएं अवश्य पूरी करते हैं। बिहार के छठ पर्व के दौरान इस मंदिर का महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि इस पर्व में अस्त और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। हालांकि, इस ऐतिहासिक स्थल की ख्याति आज भी गुमनामी के अंधेरे में है। प्रशासनिक उपेक्षा के कारण कन्दाहा सूर्य मंदिर को वह पहचान नहीं मिल पाई है जैसी कोणार्क मंदिर को प्रसिद्धि मिली है। अगर सरकार इस दिशा में पहल करे, तो यह मंदिर भी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के मानचित्र पर उभर सकता है।

मंदिर के पुजारी और स्थानीय लोग बताते हैं कि कन्दाहा सूर्य मंदिर द्वापर युग से लेकर आज तक सूर्य देवता के प्रत्यक्ष प्रमाण स्वरूप के रूप में प्रतिष्ठित है। यह सूर्य उपासना का अनोखा प्रतीक है, परंतु प्रशासनिक उदासीनता ने इसे राष्ट्रीय मानचित्र पर वह प्रतिष्ठा नहीं दिलाई जो इसकी अद्वितीयता के अनुरूप है।

जदयू पर राजद सांसद का पलटवार, कहा-

लालू प्रसाद बीमार हैं, आपके सीएम नीतीश कहां हैं?

पटना (एजेंसियां)।

बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने जनता दल यूनाईटेड के सवालों का जवाब दिया है। रामगढ़ में उपचुनाव का प्रचार करने पहुंचे राजद सांसद ने कहा कि हमारे नेता लालू प्रसाद स्वास्थ्य कारणों से घोषित रूप से इलाजरत हैं। अभी तत्काल में उनकी बाईपास सर्जरी हुई है।

उनके स्वास्थ्य के बारे में जनता जानती है। लेकिन, जदयू को पता नहीं है। जदयू कोई पार्टी नहीं है। जदयू अब बटोरूआ पार्टी बन गई है। सत्ता लोभी सब एक पागल को लेकर करके एक घंटा के लिए निकलता है। वह भी कभी-कभी। उनके नेता अभी तक चुनाव में

नहीं दिखे हैं। वह तो बिहार के मुख्यमंत्री हैं।

सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि जदयू वालों से पूछना चाहिए कि उप-चुनाव में अब तक उनके नेता नहीं दिखे। उनके नेता चंद नौकरशाह और कैबिनेट मंत्रियों की कैद में अघोषित रूप हैं। उनको चंगुल से बाहर कैसे निकालें, यह बिहार की जनता सोच रही है। इस बार उनका इलाज कर देगी। दरअसल, जदयू ने तंज कसा था कि राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को नजरबंद कर दिया गया है। वह कैद हैं इसलिए बाहर नहीं निकल रहे हैं।

वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के ''जब तक सनातन बहुमत में है तब तक लोकतंत्र मजबूत है'' वाले बयान पर सुधाकर सिंह ने कहा कि यह लोग लोकतंत्र विरोधी हैं। यह आरएसएस, गोवलकर और सावरकर के वंशज हैं। ये लोग भी लोकतंत्र विरोधी थे।

देश की आजादी के खिलाफ थे। आज तक तो आएसएस के लोगों ने माफी नहीं मांगी। 2007 में सुप्रीम कोर्ट के दबाव में आकर अपने मुख्यालय पर तिरंगा फहराया। देश की जनता ने जब डोज दे दिया है तो इनको लोकतंत्र याद आ रहा है। नहीं तो ये तो कह रहे थे कि हम संविधान बदलेंगे। इसके लिए वह 400 पार का नारा लगा रहे थे। लेकिन परिणाम क्या हुआ यह जनता देख रही है।

रामगढ़ में उपचुनाव को लेकर सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि कोई गलती से 50 या 70 साल में एक दो बार जीता होगा। रामगढ़ हमेशा समाजवादियों का गढ़ रहा है और यहां न्याय, ईमानदारी और विकास पर वोट पड़ता है। इसी एजेंडा पर कोई मुकाबले में नहीं है। रामगढ़ हमेशा ईमानदार और न्याय पर रहने वाले लोगों को वोट देता है।

हथियार के बल पर महिला को बंधक बनाकर डकैती, बदमाशों ने 10 मिनट में साफ कर दिया घर

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के रहुई थानाक्षेत्र के इतासंग गांव में रविवार रात को डकैती की वारदात हुई। जहां चार हथियारबंद बदमाशों ने अकेली महिला को बंधक बनाकर लगभग दो लाख रुपये की नकदी और जेवरात लूट लिए। घटना के दौरान पीड़िता, दिवंगत मनोहर प्रसाद की पत्नी किरण देवी घर में अकेली थीं। बदमाशों ने उन्हें हथियार दिखाकर धमकाया, उनके हाथ-पैर बांध दिए और घर की अलमारी से नकदी और गहनों को चोरी कर ले गए। पीड़िता किरण देवी ने बताया कि रात करीब 10 बजे जब वह सो रही थीं, तो खटपट की आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। सामने चार लोग खड़े थे, जिन्होंने उनका मुंह दबा दिया और मारपीट की। उन्होंने धमकी दी और अलमारी की चाभी मांगी, लेकिन किरण देवी ने बताया कि अलमारी पहले से खुली थी। बदमाशों ने जल्दी-जल्दी घर की तलाशी ली और करीब 10 मिनट में चोरी करके फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद किरण देवी ने किसी तरह खुद को छुड़ाया। फिर पड़ोसी को बुलाकर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। किरण देवी की बेटी ने छठ पर्व के खर्च के लिए हाल ही में 50 हजार रुपये भेजे थे। किरण देवी पूजा-पाठ और सत्संग से जुड़ी रहती हैं। उनके पति का कुछ साल पहले निधन हो गया था, जिस कारण वह अक्सर घर में अकेली रहती हैं। रहुई थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि बदमाश स्थानीय भाषा में बात कर रहे थे, जिससे ऐसा लगता है कि इसमें किसी स्थानीय गिरोह का हाथ हो सकता है। बदमाशों को पहले से पता था कि किरण देवी घर में अकेली रहती हैं।

सदर डीएसपी संजय कुमार जायसवाल ने कहा कि सूचना मिलने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। डॉग स्कॉड और फॉरेंसिक टीम की सहायता से सबूत जुटाए जा रहे हैं। सभी संभावित एंगल से जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर बदमाशों को गिरफ्तार किया जाएगा।

दीया जलाने को लेकर हुआ खूनी संघर्ष, अब तक परिवार के दो की मौत, तीन की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के पाखोपाली गांव में दीपावली की रात विवादित जमीन पर दीप जलाने को लेकर हुए हिंसक संघर्ष में घायल एक और युवक की मौत हो गयी।रविवार की रात गोरखपुर से लखनऊ जाने के क्रम में युवक ने रस्ते में ही दम तोड़ दिया। इस घटना में अब तक एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि तीन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। वहीं, इस मामले में पुलिस ने अभी तक कुल छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जिले के भोरे थाना क्षेत्र के पाखोपाली गांव निवासी नकुल गोंड ने खोरही में नौ साल पहले 13 धुर जमीन खरीदी थी। इसी जमीन का विवाद खोरही गांव के रामप्रवेश प्रजापति के साथ चल रहा था। इस जमीन पर दीपावली की रात नकुल गोंड की पत्नी केवाला देवी पूर्व की दीपावली की भांति इस दीपावली पर भी अपने घर की एक बच्ची के साथ जमीन पर दीप जलाने गयी थी। जहां रामप्रवेश प्रजापति और उनके परिवार के लोगों ने केवाला देवी और छोटी बच्ची के साथ मारपीट शुरू कर दी।

इसकी जानकारी बच्ची ने फोन कर अपने परिवार के लोगों को दी। जहां नकुल के पुत्र नवल गोंड, शिवम कुमार और नकुल गोंड भी पहुंच गये। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इसमें बुरी तरह से जख्मी नकुल गोंड, उनके पुत्र नवल गोंड, पत्नी केवाला देवी और 13 वर्षीय शिवम कुमार के अलावा दूसरे पक्ष से पाखोपाली गांव के छोटू प्रजापति, रामप्रवेश प्रजापति और पूजा कुमारी घायल हो गये।

सभी को भोरे रेफरल अस्पताल ले जाया गया। इसमें से नकुल गोंड, नवल गोंड, राज किशोर प्रसाद, पूजा कुमारी और मृतक नवल गोंड की पत्नी श्-ीजावली देवी को गंभीर स्थिति में गोपालगंज से गोरखपुर रेफर कर दिया गया था। इसमें से नवल गोंड की रास्ते में ही मौत हो गयी थी।

पीएम मोदी 13 नवंबर को आ रहे बिहार, दरभंगा एम्स के निर्माण कार्य का करेंगे शिलान्यास

दरभंगा (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 नवंबर को बिहार दौड़े पर आ रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री मिथिलांचल के दरभंगा में प्रस्त्ववित एम्स निर्माण का शिलान्यास करेंगे। इसकी पुष्टि करते दरभंगा के नगर विधायक संजय सरावगी ने करते हुए कहा कि यह मिथिला के लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आगमन की तैयारी में पूरी भाजपा की टीम लग गई है। उन्होंने कहा कि यह एम्स केवल मिथिलांचल ही नहीं बल्कि पड़ोसी देश नेपाल सहित उत्तर बिहार के लोगों को भी इसका फायदा मिलेगा।

बता दें कि एम्स के शीघ्र निर्माण को लेकर केंद्र की सरकार और बिहार की सरकार दोनो काफी ततपरता के साथ काम कर रही है। इसका अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले तीन महीने ले अंदर एम्स निर्माण के लिए प्रस्तावित सोभन बाईपास की 187 एकड़ भूमि बिहार की सरकार ने केंद्र सरकार को हस्तांतरित कर चुकी है। वहीं इस जगह का निरीक्षण खुद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने किया था। उसके तुरंत बाद ही इस जमीन के लिए भूमि का सर्वेक्षण कार्य भी पूरा का लिया गया था। उसके बाद अभी दो सप्ताह पहले ही इसके निर्माण की रूपरेखा तैयार करने के लिए टेंडर भी जारी किया गया था। केंद्र की सरकार सोभन बाईपास में एम्स निर्माण के 1260 करोड़ रुपये भी जारी कर चुकी है वही इसके निर्माण के लिए एजेंसी भी तय किया जा चुका है।

बिहार के दूसरे एम्स का निर्माण दरभंगा के सोभन बाईपास में होना है। इसके निर्माण की प्रक्रिया तेजी से बढ़ती हुई नजर आ रही है। केंद्र सरकार 25 अक्टूबर को इसके लिए ई टेंडर के माध्यम से निविदा भी निकाल दी गई है। जिसमें दरभंगा में बनने वाले एम्स के भवन की रूपरेखा तैयार करने एवं मास्टर प्लान की रूपरेखा तैयार करने के लिए कंसल्टेंट सेवा लेने के लिए टेंडर निकाल दिया गया है। प्रकाशित किए गए टेंडर में दरभंगा एम्स के विभिन्न विभागों की संभावित रूपरेखा भी दर्शायी ई है। बिहार के दूसरे एम्स के भीतर आईसीसीयू, क्रिटिकल केयर आदि विभागों के लिए 175 बेड, सर्जरी, ऑर्थो, ऑप्थालमॉलॉजी विभाग में 120 बेड जबकि मेडिसिन विभाग में 60 और पीडियाट्रिक में 60 बेड स्त्री एवं प्रसूति विभाग में 75 बेड, डर्मेटोलॉजी में 15 बेडों की व्यवस्था रहेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com